संलग्नक क्र.4

कार्यवाही विवरण

मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड द्वारा संयंत्र परिसर के भीतर, ग्राम–छोटे भण्डार, बडे भण्डार, सरवानी, अमली भानुना, तहसील–पुसौर, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में सयंत्र परिसर के भीतर मौजुदा 600 (1 गुणा 600) मेगावाट में 1600 (2 गुणा 800) मेगावाट अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल टेक्नोलाजी को जोड़कर रायगढ़ थर्मल पॉवर प्लांट में क्षमता विस्तार के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई **दिनांक 12 जुलाई 2024 का कार्यवाही विवरण :–**

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार, मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड द्वारा संयंत्र परिसर के भीतर, ग्राम–छोटे भण्डार, बड़े भण्डार, सरवानी, अमली भानुना, तहसील–पुसौर, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में संयंत्र परिसर के भीतर मौजुदा 600 (1 गुणा 600) मेगावाट में 1600 (2 गुणा 800) मेगावाट अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल टेक्नोलाजी को जोड़कर रायगढ़ थर्मल पॉवर प्लांट में क्षमता विस्तार के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई **दिनांक 12.07.2024, दिन–शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे से स्थल–शासकीय उच्च माध्यमिक शाला के समीप का मैदान, ग्राम–सुपा, तहसील–पुसौर, जिला–रायगढ़ (छ.ग.)** में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ, की अध्यक्षता में लोकसुनवाई प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी। पीठासीन अधिकारी द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार को प्रोजेक्ट की जानकारी, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव, रोकथाम के उपाय तथा आवश्यक मुददे से आम जनता को विस्तार से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

लोक सुनवाई में कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के प्रस्तुतिकरण से प्रांरभ हुई। मैं आर.एन शुक्ला, प्रमुख पर्यावरण – एस.डी.एम. साहब, आर.ओ. साहब, आए हुए गणमान्य तमाम भाई और बहनों मैं अदानी पॉवर लिमिटेड की तरफ से आर.एन. शुक्ला, प्रमुख पर्यावरण प्रबंधन आपका हार्दिक स्वागत करता हूं तहेदील से स्वागत करता हूं। हमारे पॉवर प्लांट का जो विस्तारीकरण है उसका मैं आपको विवरण देता हूं ईआईए नोटिफिकेशन अधिसूना प्रावधानों के अनुसार लोकसुनवाई का निर्धारिण किया गया है जिसका की आर ओ साहब ने बताया है। ये पॉवर प्लांट को अदान पॉवर ने जून 2019 में इसको अधिग्रहण किया है इसके दो कोल यूनिट अभी प्रस्तावित है 02x800 दो यूनिट 800, 800 की वर्तमान में जो हमारी बाउन्ड्री है उसके अंदर ही वर्तमान में अभी प्रस्तावित है। सारी फैसिलिटी उसके अंदर रहेगी। कोल का जो सोर्स है उड़िसा से बाई रेल आयेगा उड़िसा से पूरा रेलवे के थ्रू ही ट्रांसपोर्टेसन होगा। पूरा प्रोजक्ट कास्ट 13600 करोड है। पर्यावरण संरक्षण उपाय के हिसाब से पर्यावरण के लिए 2110 करोड रूपये प्रस्तावित हैं। उसी प्रकार कॉर्पोरेट पर्यावरण उत्तरदायित्व के लिए 38 करोड रूपये प्रस्तावित है। इसका ऑपरेशन को दो यूनिट होंगी जो अल्ट्रा सुपर टेक्नोलॉजी पर आधारित हैं

इसमें कम से कम पर्यावरण प्रभाव का प्रबंधन किया गया है। इसमें हमारा ईएसपी होगा जो उच्च दक्षता का होगा, जिसमें डस्ट एमिशन की कोई संभावना नहीं होगी, एफजीडी के प्रभाव का इकट्ठा कर रहे है, नॉक्स के लिए नॉर्म्स दिया गया है जिसका लिमिट 100 मिलीग्राम से नीचे होगा। जल के लिए हमने इसमें ई.टी.पी. इफ्ल्यूयेंट ट्रिटमेंट प्लांट, वाटर ट्रीटमेंट है और ये जो प्लांट है जीरो डिस्चार्ज है किसी प्रकर का पानी बाहर नहीं जायेगा जितना उपचारित होगा पानी पुनः उपयोग कर लिया जायेगा। हमारा ईआईए कंसल्टेंट ग्रीन्सइंडिया लिमिटेड है जिसने की हमारा पर्यावरण प्रबंधन की योजना का उसने विस्तार से स्टडी किया है। एयर का वाटर का सॉईल का जो भी इआईए नोटिफिकेशन के आधार पर ईआईए रिपोर्ट सबमिट किया है। जो हमने ऑलरेडी गवरमेंट ऑफ छत्तीसगढ़ और औपचारिक सभी लोगों को प्रस्तुत किया है। इसमें जो हमारा मुद्दा जो फ्लाई ऐश का है फ्लाई ऐश का अभी हम 100% यूटिलाईजेशन हो रहा है, और इसमें जो हमारा प्रस्तावित है उसमें प्रावधान रखा है कि फ्लाई ऐश के रख रखाव का पूरा ध्यान रखा जाये।

पीठासीन अधिकारी के द्वारा कहा गया कि अभी आपने इनका व्यक्तव्य सुना है इसके बारे में जानकारी प्रदाय की गई है आप लोग एक–एक करके आकर अपनी बात प्रस्तुत करें कि आप पर्यावरणीय इफेक्ट बारे में क्या महसूस करते हैं। अपने सुझाव प्रस्तुत करें।

उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जो निम्नानुसार है –

सर्व श्रीमती/सुश्री/श्री –

1. सुनील कुमार पाण्डेय – अदानी पॉवर का समर्थन करता हूं। यहां जो पहले से प्लांट है उससे पहले भी किसी को कोई परेशानी नहीं थी और न आगे होगी। कंपनी इस क्षेत्र को सुरक्षित रखें और प्रबंधन हमारी बतों को सुने।
2. चंद्रिका, सुपा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
3. दूर्गाचरण, कठली – ग्राम पंचायत कठली का उप सरपंच हूं। अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन करता हूं।
4. रेवती बसंत, – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
5. नरेश कुमार, सुपा – अडानी पॉवर लिमिटेड जो विस्तार कर रहा है मैं उसका समर्थन करता हूं। लेकिन सब पब्लिक का ध्यान रखते हुए विस्तार करें। मेरा यही कहना है।
6. खन्सो अग्रवाल, सुपा – ग्राम पंचायत सुपा का उप सरपंच हूं। मैं अडान पॉवर का ससमर्थन करता हूं। और कंपनी से यही मांग करता हूं कि मेरे जो युवा साथी हैं उनको रोजगार दिया जाये।
7. दुलेश्वर – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
8. सविता – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
9. शांति, बरपाली – हमे सब्जी बाड़ी के लिये कंपनी से सहयोग मिला मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

10. शशीधर पटेल, सुपा – ग्राम पचायत सुपा का एक व्यक्ति हू मैं आज अदानी द्वारा 1600 मेगावाट के विस्तार संबंधी जनसुनवाई है इसमें मैं मैडम और पर्यावरण अधिकारी से एक बात कहना चाहूंगा कि जो कंपनी है जो आज विस्तार कर रहे हैं उसमें बताया है कि फ्लाई ऐश का मैं व्यवस्था करूंगा, पानी बाहर नहीं जायेगी, किसानों को नुकसान नहीं होगा, पर्यावरण का जो धुंआ निकलेगा उसका हम व्यवस्था करेंगें इसका हम धन्यवाद करते हैं। लेकिन हम चाहते हैं कि हमारे क्षेत्र में बेरोजगार बढ़ रहे हैं तो हम चाहते हैं कि हमारे क्षेत्र के बच्चों को रोजगार मिले। अगर बच्चे 10 वीं 12 वीं पढ़े हैं अगर टेक्नीकल नहीं हैं, डिप्लोमा नहीं तो उनको आप प्रशिक्षण दो चार महिना छः महिना उसको वेल्डर में, टर्नर में, फिटर में, मशीनिष्ट में सिखाओं और उनको काम दो। हम समस्त ग्रामवासी ये समर्थन करते हैं इस क्षेत्र के स्वास्थ्य के प्रति, इस क्षेत्र के शिक्षा के प्रति कंपनी से निवेदन करते हैं कि सभी मांगों को आप पूरा करें और हमारे सुपा में 5–6 मांग रखी गई है। अदानी के अधिकारियों को दिया भी गया है। मैं निवदेन करना चाहूंगा यदि हमारी सभी समस्याओं को अदानी यदि पूरा करती है तो हम एक मत से समस्त सुपा वासी समर्थन करेंगें। कहते हैं बदल जाओ वक्त के साथ या फिर वक्त बदलना सीखो बदल जाओ वक्त के साथ या फिर वक्त बदलना सीखो कमजोरियों को मत सोंचों हर हाल में चलना सीखो। बोलो भारत माता की जय समर्थन है, समर्थन है हमारी सारी मांगों को पूरा करना चाहीये।
11. सुनीता बरेठ – अदानी पॉवर से प्रशिक्षण मिला है रोजगार कर रही हूं मेरी तरह कई महिलाओं को प्रशिक्षण मिला है इसलिये मैं अदानी पॉवर का समर्थन करती हूं।
12. बसंती यादव, तेतला – अडानी फाउण्डेसन से हमें रोजगार मिला है। जिससे अडानी फाउण्डेसन का समर्थन करती हूं।
13. सिया सारथी, चंदली – ग्राम पचायत चंदली की सरपंच हू। मैं अडानी पॉवर लिमिटेड के क्षमता विस्तार का समर्थन करती हूं। अडानी के द्वारा मुझे सिलाई का प्रशिक्षण दिया है। हमारे गांव के कई महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया है। समर्थन करती हू जय हिन्द जय भारत।
14. निलांद्री निषाद, चंदली – अडानी से प्रशिक्षण ली हू। क्षमता विस्तार का समर्थन करती हूं।
15. चारो बाई, चंदली – कंपनी हर हमला बड़िया सहयोग करत हे त मैं समर्थन करत हों।
16. अमरकोन निषाद – मैं अडानी कंपनी से जुडी हुई हूं। गांव के लोगों को प्रोत्साहित करते हैं। अडानी कंपनी को समर्थन करती हू।
17. चंद्रमा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
18. देवमती, चंदली – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
19. रामकुमारी, चंदली – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

20. रामवती, टपरदा – महीला समूह से जुडी हू अडानी समूह से आजीविका मिली से अदानी कंपनी से सहमत हूं।
21. सरस्वती, चंदली – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
22. रतना, चंदली – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
23. सरस्वती सिदार, तिलगी – अडानी हम महिलाओं के लिये बहुत कुछ किया है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
24. ललिता, रनभाठा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
25. दिनेश कुमार, सुपा – जब कंपनी आई तो हमे लगा रोजगार मिलेगा। योग्यता अनुसार काम मिलना चाहिये। पेड़ लगाना चाहिये।
26. गिरीश कुमार गुप्ता, चंदली – क्षेत्र के विकास के लिये रोजगार दिया जाये।
27. निलांबर बरेठ – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
28. चंपा सिदार – तालाब का काम कराया गया है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
29. गुलापी, रनभाठा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
30. पुष्पा चौहान, – कंपनी महिलाओं के लिये बहुत काम कर रही है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
31. पद्मावती – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
32. फिरतुराम रात्रे, सुपा – परम आदरणीय कलेक्टर महोदया, मंच में विराजमान समस्त अधिकारीगण और कर्मचारी गण आज के ये जनसुनवाई कार्यक्रम में पधारे हुए हामर आस–पास के सबो भाई बंधुमन हामर माता बहिन मन हामर सबो दाई दीदी मन हामर जबकि पुलिसगण के और जितने भी पधारे ह आप सब मनके सादर अभिनंदन एवं स्वागत है। मैं ग्राम पंचायत कुशवा के सरपंच प्रतिनिधि ओं वैसे तो अडानी फाउण्डेशन द्वारा बहुत ही जन सहयोग प्राप्त होत हे। हामर आस–पास के सबो गांव में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में गांव में जा जाकर इलाज किया जात हे गांव में जा जाकर चेकअप किया जात है ओमन ला निःशुल्क दवाई वितरण किया जात है। हर स्कूल में शिक्षा के माध्यम ला बढ़ाए बर बढ़िया पींधे ओढेबर व्यवस्था किया जात है। लैका मन खेल सामग्री के वितरण किया जात हे। उत्थान कार्यक्रम अदानी जो चलाया गीस हे तेकर बर लैइका मन के पढ़ाई में बहुत बढ़िया काम होत है। तो अदानी कंपनी ला बहुत–बहुत धन्यवाद। अदानी कंपनी बहुत से गांव में कार्यक्रम चलात हे जैसी सब्जी भाजी वाला कार्यक्रम हैं, सिलाई प्रशिक्षण के कार्यक्रम है और अनेक प्रकार के उपाय है। सब महिला मन ला संगठित करके समूह मन ला प्रशिक्षण दिया जात है और ओ प्रशिक्षण के फायदा जम्मो माता बहिन मन ला होत हे। कंपनी द्वारा प्रत्येक गांव में इस प्रकार से कार्यक्रम चलत हे। कंपनी ला बहुत बहुत धन्यवाद है साथ ही कंपनी ला

निवेदन करीहों मैं हामर क्षेत्र में शिक्षा के विकास बर स्कूल कॉलेज के व्यवस्था किया जाये और भी जनता ला सुविधा हो ओ जनता तक पहुंचाय बर सहयोग करे। निवेदन करत हों मैं कंपनी ला धन्यवाद है इ क्षेत्र में जनता के हित और सुविधा ला देखते हुए कंपनी के विस्तार ला बढ़ायें एकर बर बहुत–बहुत समर्थन हे। धन्यवाद।

33. गोविंदराम, टपरदा – मैं अदानी कंपनी ला समर्थन करत हों और बहुत लइका मन ऐसे हैं जे मन डीएड बीएड करे हैं ओमन छेरी भी चरात हें बहुत उमर भी होगे हे ओमन ला नौकरी भी दिलाना चाहीये। आप सब ला धन्यवाद देत हों और अदानी कंपनी ला भी धन्यवाद देत हों। लईका मन ला रोजगार दे और ओ मन ला नौकार दिलाये के कोशिस करें।
34. संतोष कुमार, सुपा – अदानी पॉवर कंपनी ला ऑब्जेक्शन डाल थों क्योंकि 15 साल पहले जब जनसुनवाई मैदान में हुआ था, जो–जो वादा किया गया था अभी तक नहीं हुआ है, और हॉस्पिटल भी नहीं हुआ है। धन्यवाद।
35. शंकर, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
36. गीती प्रधान – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
37. शंति, तेतला – अडानी कंपनी में हमें बहुत से आजिविका में जोड़े है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
38. सुशीला गुप्ता – अडानी फाउण्डेशन से 185 महिलाओं को प्रशिक्षण देकर के महिला उत्थान के लिए आगे बढ़ाया है। उन्हे अनेक प्रकार के प्रशिक्षण देते है। हम चाहते हैं और महिलाओं को प्रशिक्षण दे और महिलाओं को सक्षम बनाए। अडानी फाउण्डेशन को महिला समूह की ओर से धन्यवाद देते हैं हमारा समर्थन है।
39. संध्यारानी, सुपा – मैं महिला से जुड़ी हूं और अडानी कंपनी के द्वारा महिलाओं के लिए बहुत सारे कार्य किया गया है। सब्जी भाजी में समर्थन दे रहे और बच्चे लोगों को शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं शिविर लगा कर कार्यक्रम करा रहे हैं इसलिये मैं कंपनी को समर्थन करती हूं।
40. सचिन बरेठ – बेरोजगार को रोजगार दे।
41. मजबोध पटेल, सुपा – योग्यता अनुसार रोजगार दे।
42. जगदीश जांगड़े – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
43. लक्ष्मी, चन्द्रपुर – कंपनी के आने से रोजगार मिला है इसलिये मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
44. लक्ष्मण प्रसाद, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

45. अंजली बरेठ, छिछोर उमरिया – कंपनी द्वारा हमारे समूह को टेल का काम और मशरूम का काम, तथा सब्जी भाजी का उत्पादन करने का प्रशिक्षण का काम समूह को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं जिसमें मैं अडानी कंपनी को बहुत–बहुत धन्यवाद देती हूं। समर्थ हूं।

46. आकश मिश्रा – मैं इस क्षेत्र जिला पंचायत का निर्वाचित सदस्य हूं। मुझे उद्योगों का बहुत कड़ा विरोध हैं इससे पहले अवंता ग्रुप था अवंता ग्रुप में हमारे किसान के जमीन को छिना और रोजगार देने का वादा किया था। अवंता ग्रुप जो एनसीएलटी में चला गया। किसान बेघर हो गये थे यहां के युवा रोजगार के लिए भटक रहे थे। मैं अडानी पॉवर को धन्यवाद देना चाहता हूं कि जो कंपनी स्कैप होने वाला था उस काम को अडानी पॉवर ने संभाला संवारा इस क्षेत्र के लोगों को रोजगार दिया। अडानी पॉवर ने हमें जो भी वादा किया ओ वादा पूरा किया है और मुझे पूरा विश्वास है कि अदानी पॉवर इस क्षेत्र और सुपा गांव के लोगों को बंजारी मंदिर के निर्माण में देने का वादा किया है उसको भी पूरा करेगा। मुझे पुरा विश्वास है कि इस क्षेत्र के विकास में अडानी पॉवर ने जो सहयोग किया है। जो एक सर्वसुविधा युक्त हॉस्पिटल बनाने का वादा किया है। उसको भी पूरा करेगा। मुझे विश्वास है कि अडानी पॉवर इस क्षेत्र में एक मॉर्डन स्कूल भी देगा। इस क्षेत्र के युवाओं के लिये प्रशिक्षण की व्यवस्था करके उनको रोजगार भी देगा। अडानी पॉवर का मैं खुले दिल से समर्थन करता हूं।

47. योगेश चौहान, छोटे भण्डार – अडनी पॉवर के लोकसुनवाई का मैं समर्थन करता हूं और आशा करता हूं कि पूर्व में जो उन्होंने वादा किया था वे किसी कारणवश पूरा नही हो सका उन सभी वादें जैसे कि सर्वसुविधा युक्त हॉस्पिटल, मॉर्डन स्कूल, बिजली, पानी, सड़क नाली पुल जो मूलभूत सुविधाएं है उसमें सहयोग करें। क्षेत्रीय लोगों को कंपनी में रोजगार दें और जो यहां काम कर रहें है उनको टारगेट न करें उनका समर्थन करें वे अपने काबिलियत के दम पर नौकरी करतें है। अडानी का जो रोजगार का फ्लो था वे पिछले 02 सालों से अटका पड़ा है। इस लिये मैं अडानी के लोगों को निवेदन करता हूं कि रोजगार देने का जो फ्लो रूका हुआ है, उसके तह तक जायें और उसका निदान करें। इस कंडिशन में हम पुरे पंचायत की ओर से अडानी का समर्थन करते है।

48. होरालाल बरोठ – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

49. शशी प्रधान, खैरपाली – ांव के युवाओं को रोजगार देना चाहिऐं बांकि मैं अडानी पॉवर को समर्थन करती हूं।

50. दिप्ति – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

51. गीता साव – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है और महिलाओं को मशीन सेंटर और मशरूम में सहयोग करते हैं

52. राजकुमारी साव, सुपा – अभी हम लोग प्रशिक्षण लिये है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

53. अनुछाया – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

54. कमला, सुपा – हम लोग मशरूम का खेती करते है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

55. मालती अहिरवार, सुपा – मेरे बेटे को दवाई की मांग करती हूँ इसकी दवा पुरे भारत में नहीं हूँ इसलिये मैं इस बीमारी की मांग करती हूँ यहा बहुत बच्चे बीमारी से ग्रस्त है।

56. जयत बहिदार, रायगढ – हमारे स्थाई निवासी ग्राम तिलगी से लगा हुआ सुपा है। ये जो अडानी पॉवर प्लांट है हम उसका विरोध करते है और उनके कारणों को हम यहां बताएंगें आपको। सबसे पहले तो आपको मैं ये बता दूं कि आप लोगों ने पक्षपात किया है, जिला प्रशासन और पर्यावरण विभाग ने आप लोग बैठने के लिये कुर्सी टेबल और यहां अपनी बात रखने वालो को यहां किचण में खड़ा होना पड़ रहा है। यहा ये रिपोर्ट को रखने का भी जगह नही है अगर गिर जाये तो खराब हो जोयगा। इस कंपनी ने अभी तक 120 हेक्टेयर जमीन का डायवर्सन कराया है और इसमें बताया है कि हमने 879 एकड़ जमीन हमारे पास उपलब्ध है तो बांकि जमीन का डायवर्सन क्या नही हुआ, जबकि 15 वर्ष से अधिक हो गया। क्यो नही करवाया डायवर्सन कहां शिकायत करेगा आदमी अगर व्यक्ति अपराध करेगा तो जगह–जगह थाना है और अगर ये उद्योगपती अगर अपराध कर रहा है तो कहां जायेगा आदमी। ऐसा बना रखा है आपके शासन ने। एनजीटी कहां जायेगा गरीब आदमी रिपोर्ट करने। कानूनों का उल्लंघन कर रहा है ये कंपनी और ये जो विस्तार कर रहें है इसे स्थगित करों इसे पर्यावरणीय मंजूरी सरकार से नही मिलना चाहिऐ। सरकार को गुमराह किया है। जो ईआईए रिपोर्ट बनाया गया है उसमें कंडिशन का सही जानकारी नही दिया गया है, झूठी जानकारी दिया गया है। ईआईए नोटिफिकेशन का उल्लघन है ये और भारत सरकार के पर्यावरण मत्रालय के कानून का उल्लंघन है। आप लोगों को सब मालूम है और आप लोग इस कंपनी को सहयोग कर रहें है। ईआईए नोटफिकेशन 14 सितम्बर 2006 में ये स्पष्ट है कि प्रत्येक व्यक्ति को परियोजना प्रस्तावक या उसके सलाहकार से स्पष्टिकरण या जानकारी लेने का अधिकार है। उनको यहां उपस्थित करिये मुझे जो कंफ्यूजन है उसे पूरा करेंगे। बुलाईऐ उनको ये हमारा अधिकार है। उसके बिना जनुसनवाई आगे नही बड़ेगी और नही तो फिर स्थगित करिये। आप कंपनी मालिक या उसके सलाहकार को बुलाईये। ईआईए में जितने रिपोर्ट दिया है सब रिपोर्ट झूठी है। इसने एक तिहाई ग्रीन पट्टी विकसित करने का भी काम नही किया जो शर्तो का उल्लंघन है। 15 सालों से जमीन का डायवर्सन नही कराया। अगर ये दूसरे से जमीन खरीदा है तो सुधार क्यों नही किया। आज जनसुनवाई में कैसे शामिल कर लिया। पहले सुधार करें फिर नये परियोजना को लेकर आयें। हम तो जाने नही देंगे आपको। आज यहां पर फैसला होगा कि कंपनी की जनसुनवाई जारी रहेगी या निरस्त होगी। बुलाईये आप उसको अगर आप हमारी बात नही मानेंगे और पुलिस को हमें अरेस्ट करने को बोलेंगे तो उनको बताना पडेगा की भारत सरकार के नियम मे है कि नही पुलिस ऐसे गिरफ्तार तो नही करेंगी। अगर पुलिस नही होता तो ये कंपनी के गुंडे हमे यहां माईक

तक पहुंचने नही देते हमें मालूम है। पुलिस से सरक्षक है। गरीबों को डराने के लिये पुलिस बुला कर बैठा दिये है। मेरा खेत भी प्रभावित हो रहा है। इस कंपनी को रोके जो प्रदूषण फैला रहा है और जो कानून का उल्लघंन कर रहा है। हम तो कानून की बात कर रहें है। आप कानून के उल्लंघन करने वाले का प्रोत्साहन दिये है। मैं अधिकारियों को ये जानकारी देना चाहता हू और यहां उपस्थित किसान, मजदूर, आदिवासी जो यहां जनुसनवाई में आये है उनको जानकारी देना चाहता हूं कि गुजरात में इसी अडानी कंपनी का बंदरगाह है उसमें वहां का जो गांव है उसमें 266 एकड़ जमीन का गौचर जमीन को उस समय में वहां जो सरकार थी और मुझे यह कहने में कोई संकोच है कि उस समय सरकार जो अभी हमारे प्रधानंत्री है वे मुख्य मंत्री थे गुजरात में उन्ही के शासन में 266 एकड़ जमीन गौचर का दे दिया। और 04–05 साल के बाद 2010 में जब उसने वहा घेरा लगाना चालू किया तब गांव वालों को पता चला कि ये हमारे गौचर की जमीन को घेर रहा है हमारे गायें कहां चरेंगे तब उन लोगों ने सरकार से शिकायत किया और जब सरकार नही सुनी तो हाई कोर्ट गयें। आज हाई कोर्ट में फैसला हो चुका है कि वे 266 एकड़ जमीन वापिस करने का इसी अडानी के खिलाफ फैसला आया है। ये अपराधी है। आप लोगों ने ये पर्यावरण विभाग ने वर्ष 2021–22 में 18 लाख रूपये का जुर्माना किया कि वे प्रदूषण फैलाता है। फलाई ऐश का सही डिस्पोजल नही करता है। सही ढंग से उसका निस्पादन नही करता और इसी अडानी कंपनी ने क्या किया इसी कंपनी का कोर्ट में जा कर स्टें लिया अंतरिम स्टे लिया। कम्पलायंस को भी ये अंग्रेजी में दिया है बनाके ताकि यहां के गरिब लोग पड़ ना पायें और शिकायत न करें। आप उनके चेहरे को नही पड़ सकते और हमारे चेहरे पर दो लाईट ये पक्षपात है ये अत्याचार है। इसने 46 हेक्टेयर जमीन आदिवासियों का बेनामी खरीदा है। कोई रायपुर जिले का वहां के आदिवासियों के नाम पर और गैरआदिवासियों के नाम पर खरीदी किया है और कर्मचारी और वे भूमि मालिक वहां नौकरी करते है। हमारे आदिवासियों की जमीन को बहला कर झूठ बोलकर गैर कानूनी तरिके से खरीदा है और ये मामला हमारे अनुविभागीय अधिकारी, रायगढ़ में वहां प्रकरण लंबित है। क्यो आप लोगों ने ऐसा किया और इस जानकारी को ईआईए में इस जानकारी को छुपाये है। इतने मामले हम लोग छोड़ेगे नही आपको। आप सहिता को कानून नही मानते। छ.ग. सहिता की धारा 170 'ख' के तहत् इस उद्योग के विरूध्द अनुविभागीय अधिकारी साहब ने जो लंबित है उसका निराकरण नही हुआ है। उद्योग के विरूध्द 46.893 हेक्टेयर आदिवासियों की भूमि को दावित किया है और कंपनी द्वारा आदिवासियों की भूमि को बेनामी क्रय किया है। ये गंभीर मामला है। ईआईए में इसको छुपाया है इसकी जानकारी नही दिया गया है। भारत सरकार के कानून में स्पष्ट है इस नोटिफिकेशन के प्रावधानों में कि अगर कंपनी कोई मामला छुपाति है तो और गलत और झूठी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है तो वे परियोजना को निरस्त किया जायेगा उसको रोक दिया जायेगा। इस पर आप फैसला लिजिये और कंपनी प्रस्तावक को बुलाईये हम पुछेंगे क्या जानकारी है उनके पास बुलाईयें। आप आदरणीय

है कंपनी हमारे लिये आदरणीय नही है। गौतम अडानी आदरणीय नही है। लुटेरा है। चोर है। हिन्दुस्तान का। अस्पताल स्कूल खोलेगा कहां खुला 15 सालों से ज्यादा हो गया। एनटीपीसी तो अभी तक नही खेला है ये क्या खोलेगा लुटेरा। फालतू बात है ये कोई विकास नही करेगा झूठी जानकारी छाप रहा है 02 दिनों से पुरा क्षेत्र को बर्बाद कर रहा है। किसानों के फसल नुकसान हो रहें है। फल सब्जी प्रभावित हो रहे है। सड़क के किनारे कब्जा कर रखा है और उसमें फ्लाई ऐश बह रहा है। कंपनी का गंदा पानी बह रहा है जो 01 कि.मी. में जा कर मांड नदी में गिर रहा है। मांड के बाद सीधे महानदी में जा रहा है। ये बोला है कि मैं महानदी से पानी लेता हूं आप को हम बता दें कि इसके फेक्ट्री में 06 इंच से लेकर 12 इंच बोर्ड इलेक्ट्रीक ट्यूब बेल 02 दर्जन के करीब है, उससे पानी खिच रहा है। गैर कानूनी पानी ले रहा है आप नही देखते, सिंचाई विभाग नही देखता है। ये कलेक्टर गांव का किसान आपने सिंचाई के लिये बोर खोदता है तो उस पर कार्यवाही करते है और इस कंपनी में 12 दर्जन से ज्यादा बोर है फिर भी कोई कार्यवाही करने वाला नही है। ये सब मामले है आप ये जनसुनवाई को स्थगित कर दिजीये। हम तो कानून की बात कर रहे है दादागिरी तो नही कर रहे है जैसे कपनी दादागिरी कर रहा है। लोगों की जमीन पर राख डाल रहा है। गंदा पानी छोड रहा है। जाकर पुछो अम्लीभौंना के किसानो को चंन्द्रपुर से ले आये, बुनगा से ले आये सुपा से ले आये सुपा वाले अभी तुम्हारा नंबर नही आया है। गलत बात नही बोलता हूं। मगर सब लोगों को प्रभावित कर रहें है। सब को ला रहा है समर्थन कराने और हम सारे पोथा बता रहें है सब फैल है और वे एक लाईन का समर्थन पास। चन्द्रपुर के विधायक को समर्थन के लिये क्या नही बुलाये। हम इस जनसुनवाई को होने नही देंगे। आप लोग नही सुनेगे तो न्यायालय जायेगा ये मामला। मैं आपको जानकारी दे रहा हूं कि इन्होने जो डायवर्सन कराया है वे केवल 120.25 हेक्टेयर का ही कराया है। उसमें बड़े भण्डार का 66.751 हेक्टेयर, छोटे भण्डार का 39.518 हेक्टेयर, अम्लीभौंना का 8.111 हेक्टेयर एवं संबंधी गांवों को केवल 4.101 हेक्टेयर भूमि का ही डायवर्सन कराया है। बाकि दो तिहाई जमीनों का इसने डायवर्सन नही कराया है और कानून का उल्लघंन करके इस कपनी को चला रहा है। इसका जो ऐश डाईक है वे बरसात में टूट जाता है। उसका राखड़ युक्त गंदा पानी और फ्लाई ऐश किसानों के खेत में जाता है। गांव का गौचर, जमीन इसमें भी इसका फ्लाई ऐश बह कर और गंदा पानी जाता है। क्या नही हटा सकती सरकार क्या ये दादागिरी नही है। हमारे इस क्षेत्र का जीव जंतु प्रभावित हो रहे हैं इसके प्रकार से कई फल सब्जी ऐसे हैं जो इसके प्रदूषण के कारण पैदावार में नहीं आते अभी लिखे हैं कि बर्बाद हॉस्पिटल में स्कूल खुलेगा क्यों नहीं खुला अभी तक अगर पहले खोलना है उसके पास सभी नियमों का पालन करके स्टेशन सनी करवाता प्लांट के 10 किलोमीटर के रेडियस में जो पर्यावरण अध्ययन करना चाहिए इसमें चंद्रपुर गांव को नहीं किया है आपको बता दूं कि चंद्रपुर नगर पंचायत है जिसमें सघन आबादी है नोटिफिकेशन में यह बात है कि जो नगरी बस्ती होगा उसके 10 किलोमीटर जो प्रभावशील दायरे में आता होगा तो उनको सूचना

देखकर पर्यावरण अध्ययन करना होगा जल का मिट्टी का वायु का सभी का पर्यावरण अध्ययन करना होगा ध्वनि का अध्ययन करना होगा प्रदूषण और इसमें जो पर्यावरण अध्ययन होता है उसका तारीख होना चाहिए इसमें दोनों होना चाहिए इसमें मानसून का भी आना चाहिए और ग्रीष्म ऋतु का भी होना तो उसे जब डाटा कलेक्शन किया और सर्वे किया तो उसमें समय और तारीख दर्ज नहीं है मौजूदा यह जो प्लांट है यह बताते हैं किया जो हमारा विस्तार है उसी के अंदर होगा वही 355.71 हेक्टेयर में ही होगा तो यह जब पुरानी फैक्ट्री है तो इसका वृक्षारोपण क्यों नही हुआ इस क्षेत्र में वृक्षारोपण होना था क्या शासन ने इसकी जांच की क्यों नहीं की जब यह जनसुनवाई के लिए आवेदन प्रस्तुत किया तो जांच करना था जिला प्रशासन को वन विभाग एवं राजस्व विभाग और पर्यावरण विभाग को करना था क्योंकि उद्योग को आप लोग गैर कानूनी तरीके से समर्थन करना चाहते है। और उसकी स्वीकृति देना चाहते हैं मौजूदा संयंत्र के साथ दोस्त 600 मेगावाट का संयंत्र चालू है उसमें 1600 मेगावाट और विस्तार करना चाहते हैं कल 2200 मेगावाट का उत्पादन करना चाहते हैं। 2200 मेगावाट के संचालन से कितना प्रदूषण फैलेगा आपको जानकारी देता हूं हमने पर्यावरण विभाग रायपुर को बहुत पहले जानकारी दिया है कि इसके प्लांट का जो मशीनरी है वह 600 मेगावाट का नहीं है यह गलत रिपोर्ट दिया है इसका जो कूलिंग टावर है दोनों कूलिंग टावर की क्षमता 600 मेगावाट का नहीं है झूठी रिपोर्ट दे रहा है यह सब को प्रशासन नहीं समझेगा इतना बड़ा अपराध हो रहा है गरीब लोग बोलेंगे तो उनके अंदर कर दोगे और हमारा सब लोगों से परिचित है तो हम लोग बच जाएगे बस यही होगा हमारे साथ आपको हम बता देते है कि आदिवासी किसानों का 46 हेक्टर भूमि बेनामी से इन्होंने पजीयन कराया है जो मामला भू राजस्व सहिता की धारा 170 के तहत प्रकरण लंबित है जो रायगढ़ में चल रहा है इस कंपनी ने अपने प्रस्तावित प्राप्त पर्यावरणीय रिपोर्ट में ग्रीन कार्बोहाइड्रेशन इकाइयों का अध्ययन नहीं दिया है और जो अनिवार्य है कार्बन डाइऑक्साइड के तहत प्रदूषण फैलाने वाले इकाइयों के लिए यह अनिवार्य है प्रस्तावित परियोजना के लिए जो पर्यावरणीय अध्ययन और जो निगरानी रिपोर्ट बनाया है उसमें से हर निगरानी स्टेशन का रिपोर्ट नहीं है जो फोटो दिया है वह काम है और अध्ययन क्या है 10 किलोमीटर के दायरे में जिसमें से चंद्रपुर के कई नजदीकों गांव को छोड़ दिया है क्योंकि वहां प्रदूषण डाल रहे हैं इस जानकारी को छुपाया है इन्होंने प्रस्तावित प्राप्त पर्यावरणीय रिपोर्ट में इन्होंने 10 किलोमीटर के अंदर क्षेत्र के लिए डिजिटल एनीमेशन भी प्रस्तुत नही किया है रिपोर्ट जो प्रस्तुत किया वह झूठा है आप क्यों जांच नहीं करते यह बहुत बड़ा अपराध है इसको नोट कर लीजिए यह आसपास के सभी गांव वाले जानते हैं कि उनके सड़क परियोजना उनकी कंपनी का जो दिवारी है वह नहीं है कंपनी की चार दिवारी नहीं है खुले में इनका परिवहन हो रहा है इतना बड़ा नुकसान हो रहा है इस क्षेत्र का और इतने दुर्घटना हो चुके हैं इस क्षेत्र में और लिख दे अपने कार्यवाही में की सर में तो लिख कर दे दे की ड्राफ्ट पर्यावरणीय रिपोर्ट प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है हम लोग बैठे हैं कि कंपनी को

पर्यावरणीय मंजूरी देते जाएंगे आप नोट कर लीजिए इन्होंने धारा 170 का उल्लंघन किया है यह जो मौजूदा प्लांट है इससे कितना वायु प्रदूषण होता है कितना जल प्रदूषण होता है कितना ध्वनि प्रदूषण होता है इसकी रिपोर्ट इन्होंने नहीं बनाया है इसकी भी जाच करिए मौजूदा प्लांट और प्रस्तावित परियोजना के लिए बड़े भंडार के आदिवासी महिला का जमीन जो 202/4 हेक्टेयर जमीन है जिसे उसने अपने पर्यावरणीय रिपोर्ट में नहीं बताया है। पीठासीन अधिकारी महोदय संपूर्ण पर्यावरणीय रिपोर्ट फर्जी है गलत ढंग से प्रस्तुत किया गया है जानकारी छुपाया गया है झूठी जानकारी दिया गया है मैं कहूंगा इन्होंने रोजगार नहीं दिया है ठेका मजदूरों को काम में दिया है कुछ दो दर्जन लोगों को प्रबंधन ने अपने मैनेजमेंट के तहत नौकरी दिया है चार गांव का लगभग 300 आवेदन लंबित है। बड़े भंडार छोटे भंडार और शेरवानी का तीन सुहागन जो लोग प्रभावित है उनको नौकरी नही दिया गया अदानी पावर के इस उद्योग से मानव जीवन को खतरा है। प्रदूषण से उसकी अत्याचार से पेड़ पौधे कीटनाशक वातावरण ग्रामीणों को सबको नुकसान है सबका जैव विविधता को नुकसान है हो रहा है कितने प्रजाति लुप्त हो गए हैं वन विभाग से जानकारी लिया आपने और जनसुनवाई करने लग गए मेरी तमाम बातें को आप लोगों को दर्ज कर लेना चाहिए मैं उम्मीद करता हूं और कंपनी से जानकारी आप भी मांगे और मैं भी मांगूंगा आप लोग नहीं बुलाएंगे मुझे पता है आप लोग बुलाए हां तुम्हें बोलते हैं तो माननीय पीठासीन अधिकारी को भागना नहीं चाहिए हर जनसुनवाई में आप इनको भगा देते हैं हमको मालूम है यह नहीं होना चाहिए पूरी रिपोर्ट हमको चाहिए पूरी स्पष्टीकरण हमको चाहिए उल्लंघन करने पर आपके खिलाफ भी कोर्ट में जाऊंगा इस बार धन्यवाद।

57. सीमा गुप्ता, टेंगागुडा – अडानी कंपनी ने हम महिलाओं को बहुत सारा काम और प्रशिक्षण भी दिया है। हम चाहते है कि आगे व ऐसा ही सहयोग करते रहे। ताकि महिलाओं को घर से बाहर निकलने कर कुछ करने का अवसर भी मिलता रहें और हम ठेण्डागुडी के लिये कुछ मांग रखे है। स्कूल में बाउण्ड्री नही है तो हम लोग चाहते है कि उसमें बाउण्ड्री का कार्य किया जाये। पानी निकासी हेतु नाली का निर्माण किया जाये। सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाये। स्वास्थ्य सुधा की मांग करते है। योग्यता के हिसाब से काम दे लोगो को प्रदूषण को भी नियंत्रित करकें अपना कार्य आगे बडाये। हम इसे समर्थन करते है।
58. मोना साहू, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
59. लीला महंत, टपरदा – अडानी ने बहुत सहयोग दिया है इसलिये मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
60. रीना सिदार, बरपाली – अडानी कंपनी द्वारा कबड़ी प्रशिक्षण में मैं प्रशिक्षण करती हूँ मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

61. पूजा रात्रे, टपरदा – कंपनी द्वारा मुझे ब्यूटिपार्लर का कोर्स किया इसलिये मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

62. प्रेमवती, सुपा – हमारे क्षेत्र में अडानी कंपनी सहयोग किया है इसलिये मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

63. हेमाकुमारी, सुपा – इस क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है यहा 26 स्कूलों में प्रोजेक्ट चलाया गया है, सिलाई प्रशिक्षण आदि कराया गया है इसलिये मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

64. तुलसी सिदार – कंपनी सहयोग किया है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

65. रोशनी – अडानी कंपनी यहा बहुत अच्छा कार्य कर रही है चाहे वह सिलाई और शिक्षा के लिये मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

66. सदनकुंवर बोधी – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

67. भूमिका सिदार – अडानी द्वारा चलाई गई प्रशिक्षण में की हूँ हमें बहुत लाभ हुआ है और यहा कबड़ी प्रशिक्षण चलते रहे।

68. मीना सिदार, रनभाठा – अडानी कंपनी द्वारा कबडडी प्रशिक्षण दिया गया है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

69. भूमिका साव – अडानी कंपनी द्वारा कबड़डी प्रशिक्षण दिया गया है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

70. मेघा कुर्रे – अडानी कंपनी द्वारा कबड़डी प्रशिक्षण दिया गया है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

71. उमेशी भारद्वाज – अडानी कंपनी द्वारा कबड़डी प्रशिक्षण दिया गया है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

72. अरूणा साव – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

73. ललिता यादव – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

74. पिंकी गुप्ता, सुपा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

75. विनिता, टपरदा – समर्थन करती हूं। यहां पे बताया जाता है कि पेड़ पौधा नही लगाया जाता है तो मैं यहां की लोकल हूं पेड पौधा लगाया गया है और उसका नवीनीकरण भी किया जाता है। सभी ग्राम पंचायतों में पेड़ पौधा लगाया जा रहा है। प्रशिक्षण आदि दिया जा रहा है। रोजगार भी दिया जा रहा है।

76. गुरबारी, टपरदा – अड़ानी से बहुत लाभ मिल रहा है, रोजगार दिया जाये।

77. बसंती – अडानी कंपनी द्वारा सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया है। मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

78. रीता रात्रे – समर्थन करती हू। मेरा एक निवेदन है कि जो बाहर से आये बिहारी लोग है जो कंपनी में काम करते है उसके स्थान पर हमारे गांव के लोगों को रखे और उनका सहयोग करें।

79. पूजा सिदार – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

80. सरस्वती सिदार – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

81. सरिता पटेल, सुपा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

82. निरजा, सुपा – मैं बाड़ी विकास में काम करती हूँ मुझे सहयोग मिला है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

83. रामबाई रात्रे – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

84. राजकुमार – पर्यावरण विभाग तथा अडानी पॉवर से निवेदन है कि 10–20 कि.मी. क्षेत्र हॉस्पिटल हो, रोजगार दें, सीएसआर के माध्यम से आस–पास के क्षेत्र में विकास हो, प्रभावित किसानों पर ध्यान दें। समर्थन करता हूं।

85. अक्षय प्रधान – समर्थन करती हू। अडानी मे जो जो सुविधा हो हम सब को वो सुविधा मिलना चाहिए। स्कूल स्थापित करें। हॉस्पिटल की व्यवस्था करें। शासन को बोलता हूं कि कंपनी को प्रेरित करें। समर्थन करता हूं।

86. भगवानदास, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

87. शिवराम, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

88. शौकीलाल, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

89. बसंत कुमार, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

90. कैलाश साहू – मैं अडानी पॉवर में कार्यरत हूं। दूसरा यूनिट जो है उसमें युवाओं को रोजगार मिलेगा। पहले कम कार्यरत थे। 02 यूनिट बडा रहा है उससे लोगों को रोजगार मिलेगा। समर्थन करता हूं।

91. देवानंद भारती, बरपाली – कंपनी के आने से शिक्षा को लेकर अच्छा कार्य किया जा रहा है। स्कूल में हर सुविधा किया गया है। वृक्षारोपण भी किया जा रहा है। महिला को प्रशिक्षण भी एवं अन्य लाभ दिया जा रहा है साथ में तालाब गहरीकरण रोड़ निर्माण इस प्रकार से कई कार्य हो रहे है। समर्थन करता हूं।

92. केकती साव, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

93. सरस्वती निषाद – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

94. अंजली, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

95. कांति साहू, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

96. जानकी साहू – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

97. कविता, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

98. चमेली, सुपा – महिलाओं के उत्थान में बहुत काम किये है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
99. गणेशी यादव, सुपा – सिलाई प्रशिक्षण में सहयोग किये है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
100. कुमारी यादव, पुसल्दा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
101. अनुराग कुमार -- अडानी पर्यावरण के क्षेत्र में बहुत काम किया जा रहा है।
102. शिवकुमार – अडानी कंपनी जितने वादे किये है सब झूठे वादे है आज तक एक वादें पुरे नही किये है। जो जमीन का मालिक था वे आज नौकर बन कर काम कर रहा है और उसे सहित मूल्य रेट भी नही मिल रहा है। 15 साल हो गया मेरे को काम करते 03 बच्चे है मेरे 11 हजार वेतन है और दूसरे कर्मी का ज्यादा है। धूल और डस्ट उड़ रहा है यहां पर एक पानी का टेंकर नही चलाते है ये लोग सांस तक ले नही पा रहे है। मैं विरोध करता हूं। कंपनी इतना पैसा बांटा है कि मत पूछो भाई पर हमारा कोई सुनवाई नही है। छोटे भण्डार में एक नाली एक रोड़ तक नही बना। कोई भी विकास नही हुआ सीएसआर के तहत्। हमारे आने वाले पिड़ी के लिये सबसे बड़ा खतरा है। एचआर के पास हड़ताल किये तो 1500 इस साल बढ़ाया है और 1500 अगले साल बढ़ायेगा। मैं विरोध करता हू।
103. दिनेश, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
104. नितेश, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
105. अरूण, बड़े भण्डार -- रोजगार मिलेगा मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
106. राजेन्द्र – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
107. अजय कुमार – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
108. मनीराम, छोटे भण्डार – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
109. फणीन्द्र कुमार – सरवानी से बड़े भण्डार तक 4 गांव में स्कूल और शिक्षा और रोजगार नहीं दिया है।
110. किशोर प्रधान – स्कूल, अस्पताल और रोजगार मिले और विकास करें।
111. अजय कुमार, सक्ती – लोगो को लाभ मिल रहा है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
112. सुशीला साव – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। खेती करने में सहायता मिला ह ै।
113. पुष्पा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
114. शशी – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। रोजागर दे, हास्पिटल बनवाये।
115. श्यामबाई, बरपाली – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
116. पदमिनी सिदार, बरपाली – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
117. टिकेश्वरी सिदार – अडानी जो बड़े भण्डार में है वो विकास करना चाहता है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
118. अनुराग, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

119. सविता सिदार – शिक्षा के क्षेत्र में बड़ावा दिया जाये मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

120. लक्ष्मी महंत – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

121. गीता निषाद – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

122. पदमिनी – निरासी नहीं मिल रहा है।

123. सुशीला रात्रे – मेरे बच्चे है, निरासी नहीं मिल रहा है।

124. पिंकी, सुपा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

125. सनप, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

126. सपना चौहान – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

127. पार्वती मैत्री – गांव के उत्थान के लिये अडानी कंपनी बहुत से कार्य कर रही है, जिसमें पशुपालन स्वास्थ्य के क्षेत्र में आदि और महिलाओं के आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो रहा है। समर्थन करती हूं।

128. राधिका साव – महिलाओं को सहयोग मिल रहा है मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

129. देवकुमारी – महिलाओं को प्रशिक्षण दिया मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

130. छाया चौहान, – मेरे को मसरूम के लिये प्रशिक्षण दिया गया है उसके लिये मैं धन्यवाद करती हूं, जिससे मेरी आजिविका चल रही है। मेरी एक निवेदन है कि मेरे जितने बेरोजगार भाई है सब को काम दें।

131. शशी मैत्री – मैं सिलाई का प्रशिक्षण ली हूँ मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

132. उषा, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

133. गीता, – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

134. केवरा बाई, सुपा – मेरा घर नहीं है, मेरे को सहायता करे, मेरे देवर का तबीयत खराब है उसका सहायता करें। हमारे पास पैसा नहीं है ईलाज करवाने का। मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

135. पालेश्वरी, कठली – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

136. निर्मला, टपरदा – कंपनी के आने से हमारे क्षेत्र में विकास हुआ है। कंपनी द्वारा दिये गये प्रशिक्षण से महिलाओं अपना घर का गुजारा करते हुऐ अपने आर्थिक स्थिति में सुधार कर रहें है। स्वास्थ्य के लिये भी बहुत सारे कार्य किये जा रहे है। समर्थन करती हूं।

137. रूकमण निषाद – कंपनी से मैं शिलाई प्रशिक्षण ली हूँ। मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

138. महेन्द्र कुमार, टपरदा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। रोजगार मिले बेरोजगारो को।

139. नवीन कुमार पटेल, कोतमरा – आज जो जनसुनवाई रखे है ये खुशी की बात भी है और बड़ी दुख की बात भी है क्यो कि हमारे क्षेत्र को रोजगार नही मिल रहा है। आप जो जो आये है वे ये बताये की आपके गाव में कितने लोगों को रोजगार मिला है। 02–04 लोगों को मिला है बांकि किसी को नही मिला है। इस लिये मैं विरोध कर रहा हूं। हमारा क्षेत्र कोयले के डालने से प्रदूषण हो रहा है। आप तालाब जा कर देख

लिजिये सब तालाब में कोयला के परत जम जा रहा है। इसी लिये मैं विरोध करता हूं। हमारे क्षेत्र में सीआर मद से कोई भी कार्य नही हो रहा है। पहले हो रहा था लेकिन अब नही हो रहा है। दूसरे कंपनी से वेतन कम मिल रहा है। हमारे यहां से 900 एकड जमीन खरिद लिये है। भण्डार से आप देखेंगे तो कोयले का पुरा परत जमा हुआ है। एक प्लाट से इतना है तो दूसरा प्लांट से कितना होगा। हमारे गांव में छोटे छोटे कार्यक्रम करते है और बहुत पैसा खर्च दिखा रहें है। अगर वे लोग कर रहें है तो कुछ न कुछ निजी स्वार्थ हेतु कर रहें है। केवल पैसा कमाने के बारे में मत सोचिए अपने परिवार के बारे में भी सोचिए। इतना बड़ा प्लांट लेकिन व्यवस्था ठीक नही लग रहा है। अगर हमारे में मानवता बचा है तो मानव, जर जमीन को कैसे बचाऐंगें सोचना होगा। भविष्य के बारे में सोचिए। आप तो विस्तार करेंगे ही लेकिन सब बाते को ध्यान में रखिए। पर्यावरण बचाईऐं जमीन को बचाईए। मैं विरोध करता हूं।

140. तिलोतमा, तिलगी – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
141. धोबनी – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
142. चमेली यादव – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
143. डोलकुंवर, चंदली – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
144. प्रेम नायक – जो बालिकाओं को कबड्डी प्रशिक्षण दे रहे है तो मैं चाहता हूं कि बालकों को भी कोचिंग देने की सुविधा प्रदान करें। समर्थन करता हूं।
145. सुलोचना – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
146. गुरबारी, चंदली – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
147. सुशीला – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
148. सुखबाई, सुपा – मेरा 5 बच्चे है मैं कैसे करू, मेरा घर टूट गया है, पानी नहीं है दुर से लेकर आते है। रोड और पानी की व्यवस्था करवा दीजिये।
149. समुन बाई गोड़, बड़े भण्डार – अडानी कंपनी ने सब को नौकारी दूंगा, पानी व्यवस्था करूंगा, बिजली की व्यवस्था करूंगा बोला पर नही किया। अगर हमारी सब मांगों को पूरा करके देगा तभी हमार समर्थन है नही तो हमारे बड़े भण्डार का समर्थन नही है। खेतो में कोयला का पानी का जा रहा है। खेतों को नुकसान हो रहा है। कंपनी वाले हमसे संपर्क करके रहें और हमारी मांगों को पूरा करें। अभी जो हो रहा है वे पूरा गलत हो रहा है। मैं विरोध करती हूं।
150. बसंती देवांगल – बेरोजगारो को रोजगार दे।
151. उषा देवांगन – बेरोजगारों को रोजगार दे।
152. सत्यभामा – वादा को पुरा कर दे।

153. राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – यह जनसुनवाई स्थल में उपस्थित इस क्षेत्र के समस्त माता एवं बहनों और सामान्य जितने भी प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी एव कंपनी के प्रभारी मैं सब खो वंदे मातरम करता हूं सबका चरण स्पर्श करता हूं सबको मैं प्रणाम करता हू। कपनी के जोड़ी पढ़े लिखे आधार कार्ड अधिकारी हैं जो जनसुनवाई कर रहे हैं उन लोगों को छत्तीसगढ़ी की जानकारी नहीं है इसलिए मैं हिंदी में बात करता हूं आज यह जो जनसुनवाई हो रही है। मेसर्स अदानी पावर लिमिटेड इसके पूर्व यह कोरबा वेस्ट कंपनी था इसका स्थापना कोरबा वेस्ट के नाम से हुआ बाद में क्रय विक्रय हुआ जिस अदानी ने खरीदा कोरबा वेस्ट का जो राज्य सरकार से गठबधन था उसके शर्तो को पूरा कर पाया या नही और अगर नहीं किया है और कंपनी को खरीदा है तो उनके जो व्यवस्था है। यह सब कंपनी का उत्तरदायित्व है की क्या–क्या चीज कंपनी को पूर्ण करना है और क्या चीज पूर्ण नहीं कर पाय। अब मैं हिंदी में बात करता हूं। माननीय पीठासीन अधिकारी महोदय एवं पर्यावरण अधिकारी महोदय आप जिस पर्यावरणीय रिपोर्ट के आधार पर यह जनसुनवाई करवा रहे हैं वह पूरी तरह से झूठ है गलत आंकडे दिए गए हैं। कंपनी के प्रबंधन के मुख्य व्यक्ति और जो पर्यावरणीय रिपोर्ट तैयार किया है उन्होंने गलत रिपोर्ट दिए हैं उनके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाए तत्काल उनके ऊपर में आपराधिक प्रकरण करवाइए, झूठ रिपोर्ट तैयार करने का लोगों को गुमराह करने का झूठ दस्तावेज प्रस्तुत करने का इसके आधार पर जो जनसुनवाई करवा रहे हैं पूर्ण रूप से अवैधानिक है, गैरकानूनी है। आप लोगों ने अध्ययन नहीं किया है। साहू साहब अपने अध्ययन नहीं किया है, पीठासीन अधिकारी महोदय अपने अध्ययन नही किया है, तो आप लोग यहां क्यों आ जाते हैं क्यों बैठ जाते हैं। आपको गलत नहीं करना चाहिए पूरा कानून बना हुआ है कि किसी दायरे में आपको करना है। आपका कर्तव्य और दायित्व क्या है। उसको बिना सोचे समझे आप तकिया के नीचे डाल दिए और आगे जनसुनवाई करवाने आप किस आधार पर जनसुनवाई करवा रहे हैं। यह जनसुनवाई आप पर्यावरण अधिकारी महोदय बिंदुकर के लिए कि आपका जो पर्यावरणीय रिपोर्ट है उसका सिर्फ एक छोटा सा भाग को अंकित किया गया है मेरे को पूरा पूरा पर्यावरणीय रिपोर्ट जो है होना चाहिए इसमें एक मात्र समरी है। यह रिपोर्ट उसे क्षेत्र के उसे भाषा में होना चाहिए जिसमें संविधान ने उसे भाषा को महत्व दिया है मान्यता दिया है और अगर सुधार नहीं हुआ है तो यहा की जनता कुछ नहीं जानती आप उसे पर्यावरणीय रिपोर्ट को ले जाइए और एक गांव में भी पढा लिखा कोई व्यक्ति अगर मेरे को समझा दे मैं इस सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले लूंगा। भूमि समाधि ले लूंगा। आप लोग ऐसे दुरुपयोग मत करिए कानून का। आप लोगों से निवेदन है कि इस देश में संविधान से बढ़कर कुछ नहीं, कानून से बड़ा कोई नहीं है, कोई प्रधानमंत्री, कोई राष्ट्रपति नहीं है। मैडम आप न्यायाधीश के कुर्सी में बैठे हैं आप आज जिला दण्डाधिकारी के बिहाप में जिला कलेक्टर के आदेश अनुसार यह जनसुनवाई करवा रहे हैं मैं उस पवित्र कुर्सी को प्रणाम करता हूं जिसमें आप बैठी हैं। आप बताइए की रायगढ़ जिला का प्रदूषण किस स्तर पर है आप बता सकते हैं क्या

? महोदय तभी आप इस जनसुनवाई को करवाइए किसको पता है ? यहां के कलेक्टर को पता नहीं है। यहां का जो पर्यावरण मंत्री को नही पता है। एक घोषणा नहीं किया उसने 5 साल तक क्या छत्तीसगढ़ में प्रदूषण नियंत्रित के लिये क्या क्या करवाये है एक दर्जन से ऊपर जिले हैं। रायगढ़ जिले पहले 10 साल से रेड जॉन को क्रॉस कर गया है। यहां कोई भी कंपनी का विस्तार नहीं होना चाहिए। नई कंपनी नहीं लगनी चाहिए। पहले नियंत्रण के उपाय करवाइए। छोटे बड़े उद्योग के यहां ढाई सौ से ऊपर है। रायगढ़ रेड जून में घोषित हो गया है। कितने कंपनियां है जो प्रदूषण फैल रही है। उसके लिए कंपनी जिम्मेदार नहीं है, दोषी यहां के अधिकारी और पर्यावरण अधिकारी है। हर आदमी पढ़ा लिखा नहीं है। गांव के लोगों को बोलता हूं कि अगर कंपनी का धूल आपके आंगन में पड़ गया तो जावे उसे कंपनी को बंद करवा दो। अगर कलेक्टर अपनी जिम्मेदारी का पालन नहीं कर रहा है, पर्यावरण अधिकारी अपने जिम्मेदारी का पालन नहीं कर रहा है, मुख्यमंत्री नहीं कर रहा है, पर्यावरण मंत्री नहीं कर रहा है, तो जानता तुम मालिक हो यहां कोई अदानी नरेंद्र मोदी को साथ में लाकर नहीं चला सकता। यहां की एक महिला वहां ताला लगा सकती है। आप अपने ग्राम पंचायत के ग्राम सभा बैठक में निर्णय लीजिए कि यह कंपनी प्रदूषण फैल रही है। इसलिए हमने सर्वसम्मति से निर्णय लिया या प्रस्ताव पारित किया की कंपनी को बंद करवा रहे हैं और इसकी चाबी मुख्यमंत्री को भेज रहे हैं। हमने जिनको नौकर चुना, जनप्रतिनिधि बनाया, विधायक बनाया, मंत्री बनाया आज वे कंपनी का वफादार हो गए। लेकिन तेरी औकात एक कुत्ते से ज्यादा नहीं है। यह नहीं कर सकता कि पर्यावरण की स्थिति इतनी खराब इतने प्रदूषण फेला रहा है। आप चौधरी कहां है। ..... अपने पद से त्याग दे मैं इस देश का नागरिक शासन फालतू में ..... के लिए पैसे नहीं देता। किसी और आप लोग भी यहां से उठिऐ। जाइऐ, चलिए निकालिए यहां से आप। यह बताइए पीठासीन अधिकारी महोदय और पर्यावरण अधिकारी महोदय कि यहा किसी गांव के ग्राम सभा ने आपको जनसुनवाई करवाने की अनुमति दी है, किसका अनुमोदन है। यह बता दीजिए मुझे मैं आपसे पूछ रहा हूं, चलिए बताइए। वह कंपनी क्या बताएगा कंसलटेंट और 420 फ्रॉड आदमी है। आप बताइए। आप नहीं बताएंगे तब तक यहां से जाऊंगा नहीं। मजाक मत करिए मेरे साथ। पेसा कानून आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। यहां पर सरवानी गांव पेसा कानून के अंतर्गत है। वहां लगभग आबादी आदिवासियों की है। क्या वहां आपका अनुमोदन मिल गया। ग्राम सभा का एक फर्जी आदमी वहा के आदिवासियों से भी खरीद लिया। मैं पूछना चाहता हूं कि वह आदिवासी की संपत्ति कहां से पाया जो नौकर है। किसी कंपनी का जो करोड़ों रुपए देकर आदिवासियों के जमीन खरीद लिया। किसी प्रॉब्लम से खरीद लिया। यह कोरबा वेस्ट कंपनी और आज या अदानी कंपनी जो भी खरीद रही हो किसी प्रयोजन में खरीद रही है। आप इस क्षेत्र के जनता का और किसानों का शोषण कर रहे हैं। जिस जमीन की कीमत 05 करोड़ 10 करोड़ होनी चाहिए। 10, 20, 25 लाख अधिकतम 30 लाख हमारे छत्तीसगढ़ में होता है। उसकी भागीदारी क्यों नहीं रही थी। कंपनी में आज

पैसा भी गवर्नमेंट का, बैंक भी गवर्नमेंट का लेकिन मालिक कंपनी और यह जो अपने पुरखों की जमीन को आपके हाथ दे दिए एक नौकरी तक नहीं मिला। जिनका जमीन यहां गया है कितने परिवार को मिला है बताइए ? जरा कितनों की जमीन गया है ? उसे क्षेत्र के और यहां के दलाल लोग आ जाते हैं ? नौकरी दो। भिखारी हो तुम। जिसको विधायक, सांसद बनाया, मंत्री मुख्यमंत्री बनाया, उसको बोले हम बेरोजगार हैं तेरे निवास में घुस के बैठेंगे। जब तक तो हमको रोजगार नहीं देगा। रोजगार प्राप्त करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। क्यों प्राप्त नहीं करते इस कंपनी के आगे सिलाई, बुनाई और कढ़ाई जो कंपनी है जो 15 दिन से आए गुजरात से आये अधिकारी के लिए फोन कर रहा है राधेश्याम शर्मा जैसे चींटी–तूटे आदमी से क्यों मिलना चाहते हो। अभी मेरे सामने आ जाइए। मैं बताता हूं क्यों मिलना चाहते थे वह लोग पूछने से बोलते हैं। ऐसे ही मिलना चाहते हैं। क्यों ऐसे ही मिलना चाहते हैं। तुम अगर जिला प्रशासन के सारे अधिकार को अधिकारियों को खरीद लिए हो दबा रहे हो। डारा दिऐ हो कि तेरे बच्चे को उठा लेंगे, मरवा देंगे तो ऐसे लोगों से मैं निपट लूंगा। उसके पहले उसे मार डालूंगा। वह मेरा सेवक है जनता का सेवक है अडानी का नहीं। किसी प्रधानमंत्री का नहीं। कौन चमकाता है। उसको पीठासीन अधिकारी महोदय जो खाली पैस ऐक्ट के अंतर्गत आता है। वही ग्राम सभा अनुमोदन देगी ऐसा नहीं है। ग्राम पंचायत देश में पंचायती राज व्यवस्था के तहत स्वतंत्र है। उसकी खुद की निजी सरकार है। इसमें कोई राष्ट्रपति प्रधानमंत्री दखल नहीं दे सकता। भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश भी दखल नहीं दे सकता। आप कैसे दखल दे रहे हैं। आप यह बताइए कि कितने ग्राम का ग्राम पंचायत अनुमोदन है। अगर नहीं है तो यह जनसुनवाई निरस्त करिए। आप यहां से चले जाइए। तुरंत यहां इन गरीब लोगों का शोषण नहीं कर सकते। छत्तीसगढ के मजदूर हम लोग सब अच्छे हैं। निरर्थक हम लोगों को हम लोगों इस पंडाल को आग लगा देते हैं। हम लोग बहुत मूर्ख हैं समय पर पहुच नही पाया मैं नहीं तो इसको मैं आग लगा देता उसे कंपनी को आग लगा दे जो कपनी उसका है आज मत लगाओ उसे कंपनी पर कब्जा करो इस पर तुम्हारी जमीन है उसके मालिक को पकड़ो उसका मालिक बनो तुम अदानी मालिक नहीं बन सकता पीठासीन अधिकारी महोदय आप न्यायिक पद पर हैं उसकी इतनी बड़ी गरिमा है कि देश के नायक तहसीलदार बैठा है। एक सचिव बैठा है। आप एक माननीय न्यायालय की तरह है। मैं आपको प्रणाम करता हूं। आप यहां आए हैं। चुपचाप बैठे रहेंगे आप महिलाएं हैं। कुछ नहीं बोल पाएंगे। पुरुष रहते तो आपको 50 गाली देता मैं। आपको आप अपने पद का दुरुपयोग करके इतनी शाति से बैठी हुई है। मैं आपके हाथ जोड़ रहा हूं। उसे पर्यावरण अधिकारी के पद को मैं हाथ जोड रहा हूं। आप ऐसा मजाक हमारे साथ मत करिए। मैं देखता हूं कि आज जनसुनवाई को पूरा करवता है। भले में जेल चले जाऊंगा। लेकिन जेल जाने उसके लिए जो अधिकारी आदेश करेगा। वह आप ही करना कोई यहां के तहसीलदार, एसडीएम से मत करवाइए। वह बिचारा आपके आदेश को मानेगा और वह पुलिस अधिकारी मेरे को गिरफ्तार करें पर मेरे गिरफ्तारी से

पहले इस कंपनी के प्रमुख को और जिसे जो गलत पर्यावरणीय रिपोर्ट तैयार किया उसे कंपनी को गिरफ्तार करिए पहले। वह बेचारा बहुत से आदमी को मुख्यमंत्री बना कर बैठा है। ताकि कुछ ना बोल पाए। बहुत सीधा है, मतलब भकवा है भकवा आदमी कुछ नहीं जानता और होशियार आदमी चुप है। ओपी चौधरी तो कुत्ता के पट्टा पहन लिया है। अरे ..... तुमको वेतन क्यों दे रहा हूं, क्यों यहां के विधायक मुख्यमंत्री बने हुए हो। अगर यहां के पर्यावरण संरक्षण के प्रति काम नहीं कर सकते तो जहां खेत बाड़ी में केला काटना, केला उगाना और रायगढ में तेरे को घुसने नहीं दूंगा मैं। इस सबके सामने वचन देता हूं अगर ओपी चौधरी रायगढ में रहा और मैं रायगढ में रहा तो उसे ..... करके जूता से मारूंगा और अगर उसके कार्यकर्ताओं में हिम्मत है तो मेरे को गिरफ्तार करवा ले। मेरे ऊपर मानहानि का दवा करें। मानहानी उसका होता है जिसका मान सम्मान होता है ऐसे पालतू कुत्ता, बिकाऊ कुत्ता का नही होता है। साथियों आप लोग जागृत हो जाइए एक महीना काफी है, इस फैक्ट्री को बंद करवाने का। जिस दिन धुंआ दिखा जो लाठी लेकर ताला बंद कर दो। कौन रोकेगा तुमको मैं देखूंगा राधेश्याम शर्मा खड़ा है। तुमको जेल जाना होगा तो बोलना वह बताया था उसी को जेल ले जाओ। मैं तैयार हूं और मेरे हौसले को हिंदुस्तान के कोई जेल नहीं तोड़ सकता। अगर तोड़ सकता तो देश भर के न्यायालय को हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक को गाली दे रहा हूं तोड़ ले। वह सब देख रहे हैं कि प्रदूषण कितनी है। इसमें करेंट आ रहा है। कोई भी मर जाएगा। देखीये तो उसको तुरंत निरस्त करवाइए। आज कोई भी मर जाएगा तो उसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता। ना राज्य सरकार, केंद्र सरकार इसको बंद करिए। इसमें करेंट है। यह सब को आप बंद करिए। अगर आप बंद नहीं कर रहे हैं तो आप सबके जीवन के साथ खेल रहे हैं। कोई भी मार सकता है यहां आप इसको छू कर देखिए। आप आदमी बाद मेरा ही अवसर है मेरे को इस देश में कोई आर्डर दे नहीं सकता। मैं दे रहा हूं अपने आप को आदेश। हल्ला करोगें तो मैं बोलूंगा नहीं। खड़ा रहूंगा 5 दिन तक। यहां कोई भी घटना हो सकती है। इसमें करेंट आ रहा है। आप तत्काल इसे निरस्त करवाइए। आप उसकी जांच करवाइए। फिर उसके बाद पुनः चालू होगी। आप लोग दंडाधिकारी के पद में हैं। यह जो चोर लोग बैठे हैं उनको गिरफ्तार करिऐ फिर बाद में मत बेलिएगा कि मैं सालीन नही हूं। मेरा गाली देने का अधिकार है जब यहां का प्रधानमत्री भ्रष्ट है, न्यायाधीश है, मुझे वह अधिकार है और किसी को नहीं है। मैं क्यों ना गाली दूं। जब वह लोग वेतन ले रहे हैं। उनको क्यों ना गाली दूं। वह तो सामने में नही है नहीं तो जूता मारता, अपराध भी करता। इतना जोश है। जहां क्षमता नहीं है वहां उतने सारे उद्योग डाले गए क्यों ? इसका आकलन किया गया क्या ? आप उसके लिए वास्तव में संभव है कि नहीं देखिए। इसमें करंट आ रहा है। इसका तत्काल निर्णय लिजिए भले आधा घंटा रुक जाते हैं। क्योंकि कोई चिपक के मर जाएगा तो उसका कोई कुछ नहीं करेगा और कंपनी वाला बोलेगा की 05 लाख देते हैं 02 लाख देते हैं। कोई लोग क्या मूर्ख आदमी है। क्या 05 लाख 02 लाख देकर उनको चुप करवा डालोगे।

क्या खतरा है। इन लोगों को यह जनसुनवाई जनता लोगों का है। क्या इतनी पुलिस व्यवस्था है, कोई गोली मार देगा। कौन आपको मारेगा। आप इधर से ऐसे गेट बनवाए हैं कि आप कानून का उल्लंघन कर रहे हैं। आप उसके दोषी हैं। इसलिए आपको ऐसे गेट की जरूरत पड़ी है। पुलिस वालों की जरूरत पड़ी है। पीठासीन अधिकारी महोदय या 15 मिनट का समय ले लीजिए। मैं आपको समय देता हूं। आप विचार कर लीजिए। और कानून की जानकारी नहीं है तो मुझसे पूछिए। मैं बिना पढ़े आपको बता दूंगा कि यह पर्यावरण कानून किस सन में बना, शुरुआत कब हुआ, किस देश में हुआ। यह सब को बता दूंगा। यह अडानी दादागिरी कर रहा है। छत्तीसगढ मे उसका प्लांट है उसके प्लांट में बिना आईडी के ग्रामीण लोगों को घुसने नहीं दिया जाता है। अगर अडानी आप में इतनी दादागिरी है तो आप मेरे से मुकाबला करिऐ और तेरी मां और तेरे बाप का खून है तेरे में। अदानी मेरे से लड़ तेरे पास पावर है तो। प्रधानमंत्री या गृह मंत्री मेरे को आकर देख नंगा आदमी हूं। मैं तेरे को जवाब दूंगा .....। छत्तीसगढ़ में तो पालतू कुत्ता समझकर प्रशासनिक अधिकारियों से ऐसा काम करवा रहा है। पुलिस वालों को लगा दिया है। यह बिलासपुर में एक जगह जनसुनवाई हुआ जिसे 1:30 बजे समाप्त कर दिया गया। मैं वहां पहुंच रहा था रायपुर से मैं 2:00 बजे पहुंचा उससे पहले सब बोड़िया बिस्तर बंध लिये थे। तो इसको नोट करें पर्यावरण अधिकारी महोदय की जनसुनवाई के लिए निश्चित जो समय अवधि है उसको पर्यावरण मंत्रालय निर्धारित करें। ओडिसा के लोगों में बहुत गहरी मानसिकता जागृत है। मध्य प्रदेश जाते हैं। गुजरात जाते हैं। जनसुनवाई में उड़ीसा जाते हैं। और देश के किसी परिचित आदमी ने हमको बिताया कि पर्यावरण के मामले में विश्वविद्यालय है। इसका अनुसरण पूरा छत्तीसगढ पूरा भारत करता है। अगर वह यह रिपोर्ट का समरी जो है हिंदी में है तो उसके लिए मैं कई साल संघर्ष किया हूं और आने वाले समय में अगर ऐसा नहीं हुआ तो करता रहूंगा।यह अवैध है यहा रिपोर्ट को पढ़ने वाले कोई नहीं है। वह क्या अपनी आपत्ति दर्ज करवाएगे। कैसे दर्ज करेंगे। मैं आपको बता दू कि यह जो पर्यावरण अधिकारी महोदय हैं इनको पड़वा दीजिए सब। बोलते है यहां पर्यावरण प्रदूषण नहीं होता है। यहां जो भी अधिकारी आता है वह उद्योगपति का पट्टा पहले पहनता है। कंपनी के मालिकों का वह वफादार है। आपको इसका एक बिंदु को नोट करिए अगर किसी भी ग्राम का ग्राम पंचायत अनुमोदन नहीं है तो कैसे आप जनसुनवाई करवा रहे हैं। किसके अनुमति से करवा रहे हैं। यह संवैधानिक व्यवस्था है, लोकतंत्र है, इस लोकतंत्र में जो जनता का अधिकार है और सर्वोपरि है। प्रदूषण तो इतना फैल रहा है कि यहां कोई भी वनस्पति, कोई भी किसान कार्य नहीं कर पाएगा। अगर कर भी रहा है तो उसको नुकसान हो रहा है। आज 30 वर्षों से यहां औद्योगिकरण हो रहा है। सब पटटेदार है उद्योगपति के। इसमें कई विधायक, सांसद, कई लोग, कई लोग तो ऊपर भी चले गए। उमेश पटेल जी का एक प्रतिनिधि तक नहीं आया है। आया तो उमेश पटेल कहां है उद्योग प्रतिनिधि कहां है। हम इतने प्रदूषण झेल रहे हैं। ओपी चौधरी को मैं बोलता हूं कि एक बार सड़क

में चले ऐसी गाड़ी ऐसी बंगले में रहने वाले एक बार मेरे साथ चले तब उन को पता चलेगा कि प्रदूषण क्या होता है। यहां के पेड़ पौधों को पूछो वह अपनी हुलिया बता देंगे। पर्यावरण अधिकारी महोदय एक विशेष बिंदु आप नोट करिए कि यह रिपोर्ट जो देश में बन रहा है जिसका सर्वे हो रहा है। इसमें तीनों ऋतु का अध्ययन होना चाहिए। तभी उसका मूल्यांकन बता पाएगा। किस–किस ऋतु में हवा कब ऊपर जाते हैं कब नीचे आते हैं। बता पाएंगे आप कंसलटेंट को पूछिए कि किस गांव के मिट्टी को लिया है किस–किस गांव के मिट्टी को परीक्षण किया है। और रिपोर्ट में दर्ज किया है। किस गांव के पानी को लिया है। किस जगह के हवा को लिया है। एक को भी प्रमाणिक कर देगा तो मैं अभी यहां सुसाइड कर लूंगा। अपनी जान दे दूंगा। क्या बताइए मेरे को किस गांव का परीक्षण किया है। यह दिल्ली में बैठकर, मुंबई में बैठकर जहां इनका कार्यालय है वहां बैठ करके रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। कॉपी पेस्ट कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की भोली जनता को बताइए आप तो सम्मानित पद में बैठा दिए हैं। शिर झुका के काम करने के लिए नहीं। आप जवाब दीजिए इनको इतनी जनसुनवाई करवा चुके आप एक बार भी करवाए हैं। क्या क्यों नहीं करवाया। पैसा मिला है की क्या बात है। बताओ तो हमको की किस मकसद में आप काम कर रहे हैं। आप अभी दंडाधिकारी के पद पर हैं। आपकी गरिमा है। आप समतुल्य अधिकार हैं। आप संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं। आप कानून का उल्लंघन कर रहे हैं। जबकि संविधान सर्वोपरि है। मैं विधिपूर्वक कानून के दायरे में रह कर बात कर रहा हू। मैं किसी को पर्सनली नहीं बोल रहा हूं। लेकिन वह अपने कानून नहीं जान रही है। अपने कर्तव्य को नही समझ रही है। तो ऐसे आदमी कैसे जनसुनवाई कर सकते हैं। मैं एक पीठाशीन अधिकारी महोदय को दण्डाधिकारी अधिकारी को सीधा नहीं बोल रहा हूं। मेरा आपसे कोई दुश्मनी नहीं है। अदानी से भी कोई व्यक्ति का दुश्मन ही नहीं है। लेकिन प्रशासनिक लोग अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। प्रदेश में जो लोग बैठे हैं वह लोग सही काम नहीं किए हैं। पर्यावरणीय रिपोर्ट जो गलत है झूठी है तो आप जनसुनवाई नहीं करवा सकते। यह कंपनी जब से आवेदन लगाई है तब से तीसरा या सातवां महीना चल रहा है। हम इस पर्यावरण कानून के तहत् 14 सितंबर 2006 का जो कानून है जो प्रावधान है कि 45 दिनों के बाद जिला प्रशासन की जनसुनवाई को नहीं करवा सकती। तो आप क्यों करवा रहे हैं क्योंकि आप जो करवा रहे हैं वह दूसरे के इशारे में करवा रहे हैं। यह कंपनी को मापदंडों का पालन करना होगा। वह कानूनी मापडंडों का पालन नहीं कर रहे हैं। वह आपका स्वयं का विवेक है। आप रायगढ़ में कई सालों से रह रही हैं। आप जानते हैं कि रायगढ़ में पर्यावरण की क्या स्थिति है। पर्यावरण विभाग में बैठे कमेटी को क्या कर रहे हैं। किसी भी पर्यावरण रिपोर्ट को बना दे रहे हैं। तो इस जिले से लेकर के राज्य से लेकर के उस केंद्र में बैठे पर्यावरण मंत्रालय में प्रतिवर्ष कितने करोड़ लोग किन–किन बीमारियों से बीमार पड रहे हैं। कभी कोई सर्वे नहीं हुआ। मैं भी मानता हूं कि आज देश को उद्योग की भी जरूरत है। लेकिन ऐसा हो कि उसका निरंतर शासन तथा सरकार के

अधिकार पर हो जनप्रतिनिधि के हाथों में हो। मैं सिर्फ नियम की बात कर रहा हूं। कानून की बात कर रहा हूं। कानून से अलग बात नहीं कर रहा हूं। कानून से ऊपर कोई नहीं है। यहां कोई भी मीडिया वाले नहीं आए हैं। यह सब दबाव में काम कर रहे हैं। कुछ भी नहीं छाप रहे हैं। यहां तो ऐसा मैनेजमेंट है कि चुनाव से भी ज्यादा पैसा दारू बट रहा है। अभी यहां पर कितने लोग शराब पीकर घूम रहे हैं। पीठासीन अधिकारी महोदय यह जो लैब में टेस्टिंग हो रही है। इनका तो पर्सनल लैब है। उनका मशीन कितने मापदंडों पर है और इन्होंने उन ग्राम पंचायत में पंचनामा नहीं बनाया है तो और किन–किन लोगों का सैंपल लिया है नमूना लिया है। कानून का सबसे बड़ा उल्लंघन बता रहा हूं आप उसको नोट करिऐ। इसके 10 किलोमीटर वायु परिसीमा के क्षेत्र में कितने जिले आते हैं। सक्ती तथा सारंगढ़ जिला भी आता है। आपके जो प्रावधान 14 सितंबर 2006 में की 10 किलोमीटर के परिधि में आगर जितने जिला आएंगे तो उसे राज्य में जनसुनवाई होगी या उन जिलों में होगी। तो क्या आपने इसकी घोषणा एक ही समय में की क्या ? इतना बड़ा उल्लंघन। तीनों जिले में जनसुनवाई होनी चाहिए। आप अडानी के दबाव में उसके प्रेशर में आपने एक ही जिले में कैसे करवाए। इसकी अधिसूचना समाचार पत्रों में एक महीना पहले होना चाहिए क्यों नहीं हुआ। पर्यावरण अधिकारी महोदय क्या आपको नहीं पता है ? या फिर कोई नया कानून आया है और अगर नहीं आया है तो आप दोनों यहां कैसे बैठे हैं। सबसे बडी यही दिक्कत है आप लोग कानून का उल्लंघन करोगे तो कैसे मैं बर्दास्त करूंगा। सिंह साहब निवेदन कर रहें है कि आप मर्यादित शब्दों का प्रयोग करें। मेरे भाइयों का जान जा रहा है। मेरे मामा का जान जा रहा है। मेरे बहनों जान जा रहा है। बच्चे अनाथ हो रहे हैं। सड़क पर भी मौत मार रहे हैं। इन सड़कों की जितनी क्षमता नहीं है उतना गाड़ी चल रहा। यहां उतना उद्योग लग चुका है। यहां हम अपनी सडकों पर जान देने के लिए पैदा नहीं हुआ है। हमारा मूल्य इतना सस्ता नहीं है। अगर यह रुकता नहीं है तो उद्योगों पर लगाम लगा दीजिए। जब तक सड़कों परिवहन के योग्य नहीं हो जाते तो इन सब को विराम दे दीजिए क्योंकि क्षमता नहीं है। उन पर परिवहन हो रहा है बहुत सारे ऐसे सड़क हैं जिनकी क्षमता नहीं है तो क्या टिमरलगा–गुडली में जितने भी उद्योग है वह तो 10 किलोमीटर के रेडियस में है। वहां जाकर यह कंपनी की कंसलटेंट वहां की मिट्टी का जांच किया है। क्या सबका तो परीक्षण हुआ है तो क्यों नहीं हुआ। यहां का और आप लोग आगे जनसुनवाई करवाने के लिए आज एक आदमी छत्तीसगढ़ में अस्वस्थ नहीं है। अगर मैं गलत बोल रहा हूं तो आप अपने दिल पर हाथ रखकर सोचिए मैं किसी चीज को और मर्यादित नहीं बोल रहा हूं। और उनको गाली देता हूं गाली खाने योग्य है। नौकर है। सेवक है। आप लोग सभी संविधान को पढ़कर उसका शपथ ले लीजिए। लेकिन उससे पहले उसको पढ़ लीजिए समझ लो। कि तुम्हारा कर्तव्य और अधिकार क्या हैं, तुम्हारा दायित्व क्या है। तुम उनका निर्वहन कर पा रहे हो कि नहीं कर पा रहे हो। यह लोकतंत्र है। तो राज्य सरकार को गांव से लेकर वार्ड से लेकर बड़े शहरों तक पूरी व्यवस्था किए जाने की प्रमुख सूची

बननी चाहिए उसके आधार पर करनी चाहिए। विधायक बन गया, मंत्री बन गया, ज्ञानी बन गया, कितना पढ़ा है तू, और कितने पड़े हैं तेरे ज्ञान और यह तेरे सलाहकार क्या चल रहा है यह 76–77 वर्षों से इस देश को केंद्र और राज्य सरकार नशे के व्यापार कर रहे हैं। उन लोगों को मार रही है और धमका रही है और संवैधानिक है। संविधान है। क्या उनको यह सरकार को अधिकार दिया है। मादक पदार्थों का औषधि प्रयोजनार्थ उपयोग सुनिश्चित कर रहा है। सरकार को प्रशासन को सबको तो ऐसे पर्यावरण विभाग कहां है। साहू साहब आप लोगों ने कभी कमेटी बनाया और वहां का रिपोर्ट दिये कि क्या दिक्कत है। वहां के जल, जंगल, जमीन, गायों, मनुष्यों उसके आधार पर कार्यवाही करें और आप लोग जो जितने लाख इस कंपनी के ऊपर जुर्माना किए हैं। उसका क्या हुआ है। प्रोसेसिंग में अपने कर्तव्यों का परिवहन किया या नहीं। यही व्यवस्था है देश की एक कानूनी व्यवस्था है। यह किसी पर व्यक्तिगत आरोप नहीं है। गांव का गांव न्याय करना है तो अपने ग्राम पंचायत में न्याय करो सड़क बनाना सरकार का कर्तव्य है पर पैसा नहीं है तो नहीं बनाएगा। नशा का व्यापार नहीं करना है बिल्कुल नहीं करना है। क्यों करना है जब दुकान खुल चुका है। एक भी शराब दुकान विधि स्वरूप अच्छी जगह पर नहीं है। हाई स्कूल, कॉलेज व मंदिर के पास है। समाज को इतना प्रदूषित करने में शासन लगी है सरकार लगी हुई है। मैं गाली देता हूं तो व्यक्तिगत मत बोलो बोलते हैं। आप उच्च पद में है तो क्या आप नागरिक नहीं है। आप बच जाओगे क्या। प्रकृति का जो न्याय उसे कोई नहीं बच सकता। बड़े–बड़े निपट जाते हैं और बड़े–बड़े निपट गए। परिवार उनके लिए जो कानून बना है। उसमें जो कमेटी गठित हुआ है। वह अपना कार्य नहीं कर रहे हैं। उन सब को कम करना पड़ेगा। मैं इस कंपनी का पूर्ण रूप से विरोध कर रहा हूं। मैं क्षेत्र के जनता से भी निवेदन कर रहा हू कि आप लोग कानूनी लड़ाई लडिये। हर एक गांव से एक महिला एक पुरुष जो न्यायाधीश आपको न्याय नहीं देगा उसकी जिम्मेदारी मैं लेता हू। मैं उसको सुताके मारूंगा। हम क्या भिखारी हैं। हम न्याय लेने जा रहे हैं। भिक्षा लेने नहीं। न्याय मांगना इस देश के नागरिक का जन्म सिद्ध अधिकार है। इसके लिए किसी वकील के पास याचना करना नहीं पडेगा। वह जिस भाषा में बोल रहा है जैसे बोल रहा है उसको न्याय मिलना चाहिए। तो अगर आप लोग लडने के लिए प्रतिबंध है तो मैं अकेला क्यों लड़ू। अगर हर एक गांव का एक माता एक बहन एक भाई भी लड़ना चाहता है। कोई अडानी तो क्या सब बंद करवा देंगे। रायपुर से अभी निकला हू यह सभी गांव वाले आसपास के सुन लो जब आप लोग मीटिंग करोगे तो निर्णय लेना की इस कंपनी को चलने मत देना। मेरे को ना तो जेल भेज पाओगे ना तो मेरे को गिरफ्तार कर पाओगे मैं जब जाऊंगा तब मैं अपने आप को गिरफ्तार करूंगा मैं। आभारी रहता हूं कि पूरे छत्तीसगढ़ में पुलिस विभाग का जितना मेरे को सहयोग है यह सारे प्रशासनिक बिके हुए हैं। लेकिन वह विभाग वह मुझे आज तक सुरक्षित रखा है। नहीं तो मेरे तो हाथ पैर तोड के गोली मरवा देते। आप लोग मेरे को आशीर्वाद देते रहे कि यह आदमी लड रहा है करके। इस बुढ़ापे में आज जब 64 साल का हूं मैं लेकिन

फिर भी जब तक मैं जिंदा रहूंगा लडता रहूंगा। यह मेरा वचन है सभी के चरणों में मैं सादर प्रणाम करता हूं। जय छत्तीसगढ, जय भारत।

154. लखपति निषाद, छोटे भण्डार – मैं अदानी पावर का पूर्ण विरोध करता हूं क्योंकि इसका कारण है जब 2006 में तब उसे समय समर्थन किया था क्योंकि उस टाइम बोला था की यहां के भोली भाली जनता यहां के लोगों को रोजगार देगा बोलकर। लेकिन अभी तो यह छल किया है हमारे साथ। अभी का रोड देखिए कितना राखड़ गिर रहा है कि वहां हर 2 दिन में एक्सीडेंट हो रहा है। पहले जो 2008 में अधिग्रहण हुआ था हमारा प्रकरण 14 साल से लंबित है। हमको अडानी प्लांट के अंदर घुसने नहीं दिया जाता है। जमीन का पैसा भी हम लोग उठाया नहीं है वहां पर यह लोग में गेट लगा दिए हैं। खेत को बाउंड्री कर दिया है। इतना दादागिरी कहां से आ गया पुलिस प्रशासन भी साथ दे रहा है तभी तो दादागिरी कर रहे हैं। लोग तो किस रूप में हम समर्थन करें सर में है कोई है। उससे बात करोगे तो मेरे को दुश्मन बोलता है। यहां भी जो भाषण देने आए हैं भोली भाली माताए हम बहाने उनका छोटा–छोटा समिति में जोड़ दिए हैं उसे क्या होगा मैडम अभी कंपनी में कितने आदमी को रोजगार दिया है। ठेकेदारी में जो लिए हर 3 साल में चेंज कर दे रहे हैं। क्योंकि रेट बढ़ नहीं पाएगा ना। यह सब कंपनी का पॉलिसी है। गरीब आदमी तो मरता है और जो पैसे वाले हैं उनको चुपचाप पैसा देकर चुप करवा लेते हैं। बाकि आदमी क्या करेंगे गरीब आदमी दुखी आदमी बारिश हो रहा है तो आ नही पाया है। अभी जो जनसुनवाई में आए हैं जो प्रभावित हो रहे हो गांव के कितने आदमी आए हैं भैया। किस हिसाब से हम अडानी पावर का समर्थन करें 14 साल से लंबित केस को अभी तक क्लियर नहीं कर पाए हैं। समर्थन करने के लिए कुछ बात ही नहीं है। क्या चीज सोच रहा है कंपनी। खाली बस उल्लू बना रहा है अभी भेजो जो आए हैं। उनको पैसा देकर खरीद कर लाए हैं जो बोलते हैं। उनका गेट के अंदर नहीं दिया जाने दिया जाता है। उसे समय पहले जब जनसुनवाई हुआ था 2006 वाला में तब बोला था हर गांव में नाली बनेगा। लेकिन अभी तक किसी गांव में नाली नहीं बना। अभी का ताजा फोटो खींचकर लाया हूं। यह निजी दुश्मनी निकाल रहा है जो बोलता है उसे दुश्मन बोलता है। अभी के भाई लोग इतने जागरूक नहीं है। 10000 का नौकरी दे रहा है। बहुत आदमी का वहां पीएफ नहीं कटता है। उसको बोलने वाले कोई नहीं है। बिना पीएफ कटे काम कर रहे हैं। वहां तो आगे क्या मिलेगा उनके भविष्य का क्या होगा। हम लोग आगे शादी भी नहीं कर पाएंगे। पीएफ करता है वही जिंदगी का पूंजी है यह भी नहीं काट रहे। बहुत आदमी का बस उल्लू बनाकर काम करवा रहा है। तो मैं किस हिसाब से मैडम में समर्थन करूं। कंपनी का समर्थन करने के लिए कुछ बचा है क्या। अभी जो--जो बोले समर्थन है बोलकर उनको क्या ज्ञान है। बाद में सब सालों को बाद में रोएंगे। पहले जो केस लंबी तो उसे पूरा करवाये उसके बाद आगे सोचा जाएगा। एक बात मैडम गांव वाले की दो दिन चार दिन पहले पता चला कि उनको जनसुनवाई होगा बोलकर यह भी गजब बात है। मैडम क्यों नहीं पता

चलता है लोग क्या करता है। इतने आदमी को नौकरी दिया है। जबकि यहां के जमीन को लिया है और बाहर के आदमी जाकर बसे हुए हैं और हमको नौकरी में नहीं ले रहा है। बाहर वाले ज्यादा में नौकरी करेंगे और हम 10000 में नौकरी करेंगे कोई बोलने वाला नहीं है। दो आदमी को खरीद लेंगे। जब तक मैं जिंदा रहूंगा मैं भारत माता की सेवा करता रहूंगा। छत्तीसगढ़ महतारी के मिट्टी में गिर जाऊंगा लेकिन कंपनी का विरोध करूंगा। विरोध करने का हक भी है। समर्थन करने लायक कुछ काम नहीं किया है। अभी जो समिति चला रहे हैं। मशरूम लगाने के लिए कितना प्राफिट हुआ है पुछिये सब पुछ रहे है कोई मतलब नहीं है। समर्थन देने के लिये बाहर–बाहर गांव से बुलाने के लिये कोई मतलब थोड़ी ना होता है। किसी को आमदनी नहीं मिला है दिखावा है, ठग है। यहा दुश्मनी करते है, हमारे जमीन में प्लांट खड़ा कर दिया है कैसे करेंगे अभी भी जमीन है सुरक्षित लेकिन कोई मतलब नहीं है बाउण्ड्री कर दिया है हमारे जमीन को देखने नहीं जा रहे है 14 साल हो गया हाईकोर्ट में केस किये क्या मतलब मैडम। मैं यहा पर अकेला नहीं हूँ अमलीभौना के केस लंबित है, छोटे भण्डार में केस लंबित है कैसे लड़े मैडम, किससे लड़े और वो भी आर.आई. में खाता में नंबर भी नहीं लिखा है सब बिक गये है, नंबर भी गायब कर दिये है खाता का वाव कैसा न्याय है। किससे गुहार लगाये आप बहुत उच्च अधिकारी है आप लोग बैठे है आप लोग साथ नहीं देंगे तो कौन साथ देगा। कंपनी तो साथ नहीं देगा जाने के लये पड़ता है कुछ भी बोलोगे तो ये गुंडागर्दी करता है, गुंडागर्दी क्या अपने हक के लिये बोलना गुंडागर्दी है तो मैं गुंडागर्दी भी करूंगा मैडम, किस हिसाब से इसका समर्थन करें आप बताईये संज्ञान में लिजियेगा और बहुत कुछ है बोलने के लिये लेकिन और पीछे भाई लोग है। मैं कंपनी का पूर्ण विरोध करूंगा, विरोध करता ही रहूंगा क्योंकि करने लायक नहीं है अभी आप जाकर देख सकते है रोड में क्या स्थिति है उसको आये दिन राखड़ और अभी आते–आते गिरते बचा हूँ मैं तो कोई मतलब नहीं है। धन्यवाद कंपनी का मैं पूर्ण विरोध करता हूँ।

155. रोहित यादव – अभी अभी सभी साथियों ने अपना फस्ट्रेड अपने माईंड से जो भी समस्याए है सब चीजं बताया गया उसी के आधार पर जो जनसुनवाई हो रहा है मेरे द्वारा अडानी पॉवर लिमिटेड के द्वारा ई.आई. ए. रिपोर्ट में निम्न कमियां पाई गई है। इससे पहले मैं यह बताना चाहूंगा कि मेरे द्वारा प्राप्त सूचना के अधिकार के तहत ये जानकारी मिली है कि अभी तक अडानी कंपनी को लीज ही नहीं मिला है तो उस आधार से जनसुनवाई होना निराधार माना जाता है इसी कड़ी मे मैं आगे ये बताना चाहूंगा कि परियोजना के विस्तार के लिये 879 एकड़ भूमि क्षेत्र बताया गया है जो पूर्णतः गलत है क्योंकि 600 मेगावाट इकाई में कितनी भूमि का उपयोग किया जा चुका है और कितना शेष है उसका उल्लेख नहीं है। इसी तरह 1 मेगावाट के लिये 0.80 एकड़ भूमि की आवश्यकता होती है उसके हिसाब से 480 एकड़ भूमि का उपयोग कंपनी द्वारा कर लिया गया है और कंपनी का कुल 1100 एकड़ भूमि है और 620 एकड़ भूमि शेष है। एस. आई.ए. रिपोर्ट में इसका गलत उल्लेख किया गया है। ग्रीन बेल्ट में मौजूदा क्षेत्र 167 एकड़ बताया गया है

जिसमें 2 लाख 67 एकड़ पेड कमीशन के बाद 20,626 पेड और 31 मार्च 2023 तक वृक्षारोपण में लगाये गये है इसी प्रकार अभी तक 2,87,026 पेड़ लगाये गये है जो पूर्णतः गलत है क्योंकि इतने पेड़ लगाने के लिये कम से कम 1,600 एकड़ भूमि चाहिये और कंपनी के पास इतना भूमि उपलब्ध ही नहीं है। इस प्रकार फर्जी डाटा प्रस्तुत किया गया है अडानी के अधिकारियों, अडानी के एस.आई.ए. रिपोर्ट बनाने वाले अधिकारियों द्वारा ग्रीन बेल्ट को 123 हेक्टेयर की भूमि, हरित पटिटका वृक्षारोपण करने के लिये प्रस्ताव है इस प्रकार एस.आई.ए. रिपोर्ट 167 प्लस 123 कुल 290 एकड़ ग्रीन बेल्ट का प्रस्ताव किया गया है जो पूर्णतः गलत है क्योंकि 290 एकड़ भूमि में वृक्षारोपण करने के लिये प्रस्तावित होगी 879 एकड़ में से 290 घटाने पर 589 एकड़ भूमि बचता है जिसमें कुलिंग टावर, रिजर्व वॉयर एवं डाईक का जगह नहीं है। वर्तमान में अडानी के 600 मेगावाट के लिये कुल कितनी भूमि का उपयोग किया जा चुका है, शेष भूमि कितना है ई.आई.ए. रिपोर्ट में इस डाटा को छुपाया गया है। अडानी के कुल भूमि का विवरण नहीं दिया गया है कितने भूमि है उद्योग विभाग के माध्यम से सी.एस.आई.टी.सी. रायपुर से लीजडीड से प्राप्त की गई है क्योंकि सूचना के अधिकार के तहत यह जानकारी प्राप्त हुआ है कि सी.एस.आई.टी.सी. रायपुर से अडानी कंपनी के साथ कोई लीजडीड निष्पादन हीं नहीं हुआ है। चारो ग्राम बड़े भण्डार, छोटे भण्डार, सरवानी और अमलीभौना में अवैध कब्जा है इस प्रकार अडानी कंपनी के अंदर 7 एकड़ तालाब, सड़क, नाला की भूमि को अवैध रूप से कब्जा किया गया है जिसके द्वारा मेरे द्वारा जो है रायगढ़ के कलेक्टर महोदय को आवेदन दिया गया था जिस पर कार्यवाही के लिये पुसौर तहसीलदार को लिखा गया था जिसमें भूमि को नापने के लिये भेजा गया उसमें कंपनी के लोगो द्वारा मुझे रोका गया कि हम बाहरी व्यक्तियों को एलाउ नहीं करते मुझे इसी वक्त वो बताये कि वो कहा का है ओडिसा का आदमी है ओड़िसा में जाकर काम करे आपका अडानी गुजरात का है तो गुजरात में कपनी खोले तो हम क्या उसके अंदर जाने के लायक नहीं है जो शासन लिखकर देती है उसमें भी ये लोग आब्जेक्शन लगाते है कि हम बाहरी व्यक्तियों को अंदर नहीं जाने देते जबकि मुझे लेटर दिया गया था कि जाए आप उसको नपवाईये और उस नापी में अलग से 7 एकड़ भूमि में कब्जा पाया गया है जिसका रिपोर्ट पुसौर तहसीलदार के पास जमा हो चुका है उसमें अभी तक क्यों कार्यवाही नहीं हुआ। इसी तरह से अडानी कंपनी के द्वारा आदिवासी महिला ग्राम बड़े भण्डार में खसरा नंबर 202 का रकबा 0.21 एकड़ भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है जिसके लिये किशोर के द्वारा मैं पर्सनल व्यक्तिगत इसलिये नाम ले रहा हूँ क्योंकि मिलने जाने पर हमें उसी के द्वारा बात किया जाता है उसको कई बार कलेक्ट्रेड बुलाया गया, कई बार कंपनी बुलाया गया उसका कोई निराकरण अभी तक नहीं हुआ। कई बार कलेक्ट्रेड में आवेदन दिया गया कि इसका निराकरण कीजिये उसके बाद भी नहीं किया जाता है। इसी तरह से अडानी के विस्तार पॉवर प्लांट में ग्रीन बेल्ट में लगे कितने पेड़ प्रभावित होंगे, कितना पेड़ काटा जायेगा, वे पेड़ प्रजाति के है इसका ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख नहीं है किस प्रजाति के

पेड़ लगाये जाते है इसका ई.आई.ए. रिपोर्ट में जानकारी होनी चाहिये। अडानी के द्वारा पूर्व में ग्राम पंचायत टेक्स कितना जमा किया गया और विस्तार होने पर टैक्स कितना जमा किया जायेगा साथ ही सी.एस.आर. काम छोड़कर अभी तक ग्रामपंचायत में जमा किये गये टैक्स की जानकारी का उल्लेख नहीं है इसका उत्तर देवे। ई.आई.ए. रिपोर्ट में लैण्ड यूटिलाईजेशन में अगर फेसेलिटी 2 माईक फेसेलिटी प्लांट और रोड में चाही गई लैण्ड की आवश्यकता है फेस 1 और फेस 2 के क्रमशः 18 एकड़ और 12 एकड़ बताया गया है तो जोडकर 100 एकड़ बताया गया है वो पूर्णतः एस.आई.ए. रिपोर्ट में गलत है। अडानी के द्वारा लैण्ड के बारे में वर्णन नहीं दिया गया है जिसकी शासकीय भूमि का लीजडीड, आबंटन प्राप्त है और निजी भूमि में जो सीधे क्रय किये गये है और भू अर्जन के प्राप्त कितने शासकीय भूमि, निजी भूमि पर अवैध कब्जा है किसके आदेश में किया गया है ये अवैध कब्जा आदेश की की कापी दिखाये और एस.आई.ए. रिपोर्ट में इसका उल्लेख नहीं है कारण बताये। अडानी के जो रायगढ़, चंद्रपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में लगा हुआ है उसमें में एन.एच.आई. को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने की अनुमति ही नहीं लिया गया है तो किस आधार से ये परिवहन करते है। अडानी के द्वारा विस्तार में 879 एकड़ भूमि का उपयोग किया जायेगा जिसमें कितने भू–स्वामी प्रभावित हुये उसका पुर्नवास का क्या लाभ दिया गया जिन्होने नहीं दिये अभी तक संख्या उन्होने पेश नहीं किया पुर्नवास में इसका बताने की कृपा करें। आपके द्वारा प्लांट से निकाले गये राखड़ को ए.सी.सी. सीमेंट, बिलासपुर, अंबुजा सीमेंट बलौदा बाजार में सीमेंट निर्माण में किया जायेगा जो समझ से परे है क्योंकि इतनी दूरी अडानी प्लांट से 120 किलोमीटर से 220 किलोमीटर की है जिन्हे राखड़ सड़क राजमार्ग से ले जाने के साथ–साथ आस–पास के एरिया और भी प्रदूषित होगा और फ्लाई ऐश के निपटारा के लिये जो राखड़ डेम है उस एरिया का कम है जो कि एस.आई.आई. रिपोर्ट पूर्णतः गलत है। इसी तरह अडानी ने रेल्वे प्रोजेक्ट के लिये जो भूमि अधिग्रहण कर रही है वो भी रिपोर्ट गलत है इसको ओ.ए.क्यू. मिला ही नही है जो की पूर्णतः अवैध है। इन्होने अवैध अभी तक भू–अर्जन करने की कार्यवाही को अंजाम दिये है और मेरे द्वारा ही आपत्ति कराये जाने पर 80 प्रतिशत मुआवजा राशि को जमा किया गया उसमें भी बहुत सारे गांव को छोड़ दिया गया है जो प्रथम चरण, सेकेंड चरण जो नियम होता ही नहीं है सी.एस.आई.टी. से वो नियम नहीं होता, लेटर मंगवाता उसके बाद अपने कार्यवाही को अंजाम देता है तो वो पूर्णतः गलत है और इसी तहर से कुछ गांव को छोड़ दिया गया है, खसरे नंबर को छोड़ दिया गया है उस व्यक्ति के द्वारा जो आपत्ति जताया जाता है तो प्रशासन के साथ मिलकर जिस किसी का रिपोर्ट सही नहीं होता वो अपना रिपोर्ट प्रस्तुत कर देते है बताया भी नहीं जाता कि हमने आपत्ति जताई है उसका निराकरण नहीं किया जाता उसके बाद भी आगे बढ़ा दिया जाता है। प्लांट के विस्तार में बड़े–बड़े हैवी गाड़ियां जिनको खड़ा करने के लिये व्यवस्थित करने के लिये जगह का विवरण नहीं दिया गया है तो इस तरह का विस्तार किया जा रहा है अडानी प्लांट का। जिस राष्ट्रीय राजमार्ग में ट्रैफिक व दुर्घटना की पूर्ण संभावना है उसकी पूर्ण

जवाबदारी अडानी कंपनी की होगी इसे ई.आई.ए. रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है। ई.आई.ए. रिपोर्ट के समर्थन में अडानी पॉवर के सक्षम अधिकारी गौतम अडानी के हलपनामा में किया जाये कि ई.आई.ए. रिपोर्ट पूर्णतः सही है और उसका पूर्णतः पालन किया जायेगा नहीं करने की स्थिति में इनके ऊपर एफ.आई.आर. कार्यवाही की जाये। जिला प्रशासन और पर्यावरण विभाग से निवेदन है कि कंपनी के विस्तार में ई.आई.ए. रिपोर्ट में खामिया है इसको निरस्त किया जाये और यदि नहीं किया जाता है तो अडानी पॉवर गौतम अडानी से समग्र पत्र या हलपनामा ली जाये जिसे ई.आई.ए. रिपोर्ट पूर्णतः सही है और इसका पूर्णतः पालन किया जाये नहीं करने की स्थिति में इनके ऊपर एफ.आई.आर. किया जाये। इसी तरह कंपनी द्वारा अवैध काम किये जाते है जिसका अभी मैं बताना नही चाहूंगा बहुत सारा मेरे पास सूचना के अधिकार के तहत जानकारी प्राप्त है कि यहा का लीजडीड प्राप्त नहीं हुआ है रेल्वे का ओ.एम.यू. अडानी को नहीं मिला है, कोर्ट के तहत जब कोरबा वेस्ट का वेल्यू जीरो हो गया तो उसका लीज मिला था वो जीरो हो गया उसके बाद जब अडानी कोर्ट के तहत कोरबा वेस्ट पॉवर प्लांट को खरीदती है तो उस कंपनी को लीजडीड बना चाहिये जो कि अभी तक लीजडीड बना नहीं है इससे करोड़ो रूपये का शासन–प्रशासन को चूना लगाया जा रहा है तो हम यह चाहते है ये सब चीजों को पहले ग्राउण्ड लेबल पर काम करे, हवा–हवाई काम करने के लिये अडानी यहा आती है, कागज में कुछ अलग दिखाती है और ग्राउण्ड लेबल पर काम कुछ करती नहीं है तो अपने चीजों को पहले सुधारे उसके बाद विस्तार करे ये मैं सक्षम अधिकारी से निवेदन करता हूँ।

156. केवरा बाई नारंग – मेरा देवर बीमार है उसका इलाज के लिये सहायता करें।

157. निर्मला नायक, सरिया – मेरे आदरणीय जो भी यहा समर्थन और विरोध करने आये थे मैं उन सबको तहेदिल से धन्यवाद करती हूँ। और यहा पर आये हुये सभी आदरणीय मेरे जो भी संस्था या देश के, राज्य के और गांव के प्रबुद्ध लोगो को सादर नमन करती हूँ मैं गांव वालो को जागृति कुछ शब्द बोलना चाहती हूँ क्योंकि मैं पद से शिक्षक हूँ। मेरा धर्म है लोगो को शिक्षित करना उनको नई दिशा देना। जब मैं यहा आई और गांव के सुपा वासियों के भाई, बहनो, माताओं के समर्थन को सुनी तो मुझे बहुत आघात हुआ क्योंकि जिस गांव में हम रह रहे है, जिस प्रदूषण से हम जी रहे है धन्य है ऐसी माताओ, ऐसे भाईयो, ऐसे बहनो को जो अपनी आने वाले पीढ़ियों को मानसिक रूप से नपुंसक बनाने जा रहे है। मैं उन्हे सचेत करना चाहती हूँ कि जिस तरह से नशा, जहरीला पदार्थ हमारे शरीर को अंदर जाते ही हमे शून्य कर देता है वैसे ये पर्यावरण से जहरीली गैस निकलती रहती है ये जो बड़े–बड़े कंपनिया या बिजली प्लांट कोयला जो भी प्लांट बना रहे है पॉवर प्लांट उससे जो प्रदूषित निकलेगा जो कोयला जो वेस्ट निकलेगा उससे हमारे आने वाले पीढ़ी को कितना नुकसान, कितना भयावह नुकसान होगा ये शायद उनको अभी तक ज्ञात नहीं है, मैं उन्हे ज्ञात करना चाहती हूँ कि जिस तरह से भोपाल में एक गैसकांड हुआ था और आज तक

वहा के लोग विकलांग पैदा हो रहे है तो मेरे छत्तीसगढवासी जिस समय हमारा छत्तीसगढ मध्यप्रदेश से अलग हुआ तो क्यो अलग हुआ जानते है आप? हमारा छत्तीसगढ़ धान के कटोरा के नाम से हुआ। हम धान धान उगाने वाले कृषक है, हम धान पैदा करने वाले छत्तीसगढ़ के महतारी है, हम अन्नपूर्णा देवी है। हम दूसरे राज्य से आने वाले इस भयावह पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले कंपनी का विरोध करें और अपने राज्य को पर्यावरण से सुसज्जित करें और अपने आने वाले पीढ़ी को बचाये।

158. मोहन खुटे, टपरदा – यहा जितने बोले है सहयोग किये है ये लोग ऐसे सहयोग करने नहीं आये है ये लोग बड़े लोगो को टारगेट लेकर चलते है और उन्ही लोग पाते है और बोलते है जाओ लोगो को 200–500 देना और यहा बोलवाना। कंपनी 3 रूपया का भी काम नहीं किया है मैं विरोध करता हूँ।

159. गौरी – मेरा पति नहीं है विरोध। मेरा बाल बच्चे नहीं है भू–अर्जन में मेरा जमीन लगा दिये है मेरे बिना जानकारी के जमीन ले लिये है। मेरा पास कुछ भी नहीं बचा। मेरे बिना पुछे कैसे ले लिये। जमीन को वापस किया जाये मेरे को कोई भी एक निवाला भी नहीं दे रहा है। एक पैसा भी नहीं दे रहा है कंपनी वाला। 16 साल हो गया जमीन अधिग्रहण कर लिया गया है जबरदस्ती मेरे जमीन को अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी वाले चोर है। मेरे को भीख मांगने से नहीं देते है।

160. अरविंद जांगड़े – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

161. नेहरूलाल डनसेना – कंपनी से मैं अनुरोध करता हूँ रोजगार दे। मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

162. कलमा – कंपनी रोजगार और कई क्षेत्र में सहायता कर रहे है। हमारा मांग पत्र है क्षेत्र में स्वास्थ्य का विस्तार हो, एम्बुलेंस की सुविधा दिया जाये। सी.सी. रोड निर्माण, महानदी में बाढ़ आने से नुकसान होता है, कलमा से टपरदा तक सी.सी. रोड बनाया जाये और पचरी बनाया जाये। जहां से पानी आता है वहां के लोगो को रोजगार नहीं दिया गया है फलदार वृक्षारोपण करें। मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

163. विपिन कुमार डनसेना, गेरवानी – मैं आपकी बातो से पुरा सहमत हूँ कि आपने कहां केवल पर्यावरण से ही सबधित बाते कहे उस लिंक से एक प्लांट भी आगे नहीं हटुंगा लेकिन आपकी बातो का मान रख रहा हूँ तो मेरी एक बात स्वीकार कीजिये जैसे मैं प्रुफ कर दूगा बातो से कि ये सारे प्रशासन और उसके जो लोग क्याका रिश्तेदार है वो तो नहीं जानता। यदि उद्योग के ऊपर अपराध दर्ज हो सकता है तो आप दर्ज कीजिये ये मेरा एक ही निवेदन है। सबसे पहले आता हूँ मैं 'भ' पर भगवान का 'भ' भूमि को ये जितने भी उद्योग है किस प्रकार से शोषण कर रहे है पहला कोयला लेकर आयेंगे, फिर परिवहन करेंगे, फिर उसको जलायेंगे, जलाने के बाद जो उसकी राख होती है उस राख को कही पर ढेर कर देंगे, महोदय जी मैं पहले ही कहा था इनको राख को कही भी गड्डे में पाटने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है ना तो इसको प्रशासन देखता है ना तो शासन देखता है अगर देखता है तो मेरे साथ चले मैं दिखाउंगा राखड़ और उन पर

कार्यवाही हो और नहीं तो ये स्वीकार करें की गलत काम किया जा रहा है, क्या उस राख को जहां से कोयला आता है उस जगह पर परिवहन नहीं किया जा सकता, क्यों नहीं किया जा सकता। दूसरा आज छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, धान का कटोरा को स्पष्ट संज्ञान में लेंगे कि कृषि भूमि पर किसी भी प्रकार का उद्योग ना लगाया जाये। महोदय जी यहा अधिग्रहण किया गया है, क्या जमीन खरीदा गया है क्या फसल लगाने के लिये, गेहू, मटर, चना, दाल क्या लगायेंगे किसके लिये अधिग्रहण किया गया है जमीन का और अधिग्रहण करने का क्या अधिकार है कृषि भूमि को, बंजर भूमि है क्या, बंजर भूमि तो नहीं है, किस आधार पर, किस नियम से, किस कानून के द्वारा ये अधिग्रहण किया गया है अर्थात ये सिर्फ और सिर्फ दादागीरी है चाहे वो शासन का हो या प्रशासन का हो इनके ऊपर सबसे पहले एफ.आई.आर. दर्ज हो क्यों इन्होने ऐसा काम किया। इस रोड जिस रोड में हम चल रहे है जो हमारा जीवन यापन का सारा मार्ग है इसकी भार कितनी है भूमि की भार कितनी है और इसमें कितने टन का वाहन चल रहा है क्या इसको देखने का किसी को अधिकार नहीं है क्या प्रशासन ऑख में पट्टी बांधकर मौन बैठे रहने के लिये है, लोगो को रौधते जाये और परिवहन में जो कोयला लाते है तो क्या उसमें कभी तालपट्टी बंधे रहता है क्या ये भी नियम में नहीं है पटरा बांधने का लोग गिरे मोटर साईकिल में हमारे भाई जा रहे है या साईकिल में जा रहे है वो गिरे और मर जाये और दो लाख रूपये देकर छुट्टी कर लो क्योंकि ये अडानी कंपनी है ऐसे उद्योगों के लिये क्या विशेष दर्जा प्राप्त है रायगढ़ में, क्यों इसको उद्योग क्षेत्र घोषित नहीं करते है, घोषित करें। किसान दूसरे को देता है भीख नहीं मांगता और ये साय–साय और काय–काय, ठकाठक और साय–साय दोनो ने बर्बाद कर दिया देश को, दोनो ने बर्बाद किया। किसान अपना पेट भी भरता है और औरो का पेट भी भरता है लेकिन ये सरकार और ये प्रशासन इनको भीख मंगवा रहा है, क्यों नहीं होता है एफ.आई.आर. दर्ज, किसान दलित नहीं है, किसान कमजोर नहीं है, खून–पसीना लगता है और फसल पैदा करता है लेकिन शासन और प्रशासन इनको भिखमंगा बना रहे है, भीख मांगने को मजबूर कर रहे है, अगर किसी को दे नहीं सकते तो उससे छीनना नहीं चाहिये महोदय। अब दूसरा प्वाईंट आते है 'ग' गगन यहा किलन बनाते है 90 मीटर का ये प्रावधान है मैं कम पढ़ा–लिखा हू, किसान आदमी कहां पढ़ने जाता, उस समय तो स्कूल नहीं थे गांव में तो हमारे बुजुर्ग ने जितना शिक्षा दिये तो थोड़ा बहुत पढ़ लिया हूँ, पेपर, टेलीविजन देखकर जो ज्ञान है उसके माध्यम से मैं बताना चाहूंगा ये जो किल्न बनते हैं धुआ निकलते है चिमनी से इनकी लंबाई कितनी होनी चाहिये, क्या उस मापदण्ड का इन्होने पालन किया है, जी नहीं मैं क्योंकि वहा पर काम करता था फैक्ट्री में मुझे मालूम है मैने इंजिनियर से पूछा कितना का किल्न बनता है तो बोला 90 मीटर का लेकिन कोई भी किलन 90 मीटर का नहीं है, कौन जांच करने जायेगा ऊपर, कौन गिरकर मरेगा, मरेगा तो मजदूर, मरेगा तो स्थानीय आदमी इनको क्या पड़ी है ना तो शासन आयेगा और ना प्रशासन आयेगा ये तो अपने कुर्सी बचाने के लिये फुर्सत नहीं है, प्रशासन को

दावादारी करने से फुर्सत नहीं है, मरेंगे तो पब्लिक मर जाये क्या जाता है किसी का लेकिन ध्यान रहे एक ना एक दिन सबको धरातल पर आना ही पडेगा चाहे किसी पद में रहे। महोदय जी जो निकलने वाला धुआं है वो बताते है 8 किलोमीटर परिधि तक पर्यावरण प्रदूषित होगा। 90 मीटर से 70 मीटर भी मान लेते है, 80 मीटर मान लेते है तो वहा से निकलने वाला धुआं कितने किलोमीटर जायेगा। क्या ये 20–25 किलोमीटर नहीं जायेगा अगर कही थोडा सा हवा ले लिया तो ये पुरे जिले को खा जायेगा। मैं एक उदाहरण देता हूँ जिंदल फैक्ट्री है मेरा गांव उधर है और जस्ट पहाड है आप चलिये देखीये पहाड से क्रस करके 90 मीटर से ज्यादा पहाड़ 200 मीटर का हाईट होगा लेकिन मेरे गांव में जिंदल का कचरा गिरता है। आप यहां पर मानक माना गया है 8 किलोमीटर की परिधि पर तो 8 किलोमीटर की परिधि से ज्यादा नहीं है इनका अधिकार नहीं है यह धरती को भी खा गया आसमान को भी खा गए आप देखिए यहां से 15 किलोमीटर जाइए नदी के उसे पर जाइए वहा पर गिरा हुआ राख उसी से हम नहाते हैं उसी से हम धोते हैं उसी को पीते भी क्योंकि हमारे पास साधन नहीं है सरकार ने बनाया है उसे पर पानी आता ही नहीं है हम मजबूर हैं उसे तालाब में नहाने और धोने के लिए विगत जनसुनवाई में मैंने आपको जल भी दिया था इसको देखिए मुंह धोकर लेकिन नहीं किसी न किसी को जागना पड़ेगा अपने परिवार के लिए अपने आने वाली पीढ़ी के लिए जागना पड़ेगा और जागना होगा जागना होगा तो यह आसमान को भी खा गए अब आता है धुआ वायु हवा गाड़ियों से निकलने वाली गैस चिमनी वाली गैस पूरे वातावरण को दूषित कर रही है यहां पर मास्क लगाने के लिए बोर्ड लगाए हैं कितने महोदय ने यहां मास्क लगाए और क्यों नहीं लगाया यह साबित करने के लिए कि यहां प्रदूषण नही है वायु एकदम शुद्ध है फिर यह बोर्ड लगाने का क्या जरूरत है बहुत पहले लगा था हिंदू चीनी भाई–भाई नारे से कुछ नहीं होता लिखने से कुछ नहीं होता जो होगा वह कार्य में होगा तब वह सार्थक है पेन में कागज में लिखकर हम पेड़ लगाएंगे पौधा लगाएंगे सब झूठी बात है यह बहलाने वाली बात है अभी कुछ मेरे साथियों ने कहा जहां पर ज्ञान में कहा अज्ञान में कहा या उनकी अज्ञानता हो कहां हम यह सुविधा देंगे वह सुविधा देंगे एक उदाहरण देता हूं मैं जिस समय सिम आया मोबाइल का बड़े जीवन भर फ्री इंकमिग यह अंबानी महोदय का डायलॉग था लोगों को अच्छा लगा जो पाये ले लिए और हमारा आदत बिगाड़ दिया चलो बेटा मोबाइल चलाओ फिर हम तुमको धीरे से मारेंगे डर से मारेंगे उसके बाद उसने क्या किया इनकमिंग खत्म हमारे कैलेंडर में 31 दिन होते हैं लेकिन उनके कैलेंडर में 28 दिन होते हैं यह ऐसे ठगते हैं। यहां भी लोग यही बोलते हैं हम यह कर देंगे वह कर देंगे कितने दिन से यहा स्थापित है यहा पर उद्योग लगा है। कितने अस्पताल खोले कौन सा रोड बनाया है सीएसआर मत का पैसा कहां पर लगा है नहीं लगा है लेकिन कागज में है मैंने उसे दिन भी सूचना का अधिकार लगाया है कि मेरे गांव में कितना सर मत का पैसा खर्च किया गया है मुझे जानकारी दिया जाए लेकिन नहीं दे रहे हैं क्योंकि उसे पैसे से रायपुर और दिल्ली को चमकाने का काम आता है यहां के लोग

जिए या मरे हमको करने के लिए छोड़ दिया गया है यह नीति है शासन और प्रशासन की मेरे को प्रूफ करके बता दीजिए कि यहां कितना अस्पताल खुला है मैं आप जो कहेंगे स्वीकार कर लूंगा यह सिर्फ धोखा और धोखा है, धोखा के अलावा हमें कुछ मिलता नहीं है सिर्फ आश्वासन और आश्वासन से पेट नहीं भरता रोटी खाने से पेट बरता है और वह भी हम भीख मांग कर खाने वाले नहीं हैं हमें किसी को खरीदने का औकात नहीं है हमारा स्वाभिमान मरते दम तक रहेगा आज नहीं तो कल इनका भागना पड़ेगा जितना दिन जिंदा रहेंगे इसका विरोध करेंगे इनका एक न एक दिन भागना पड़ेगा आप आते हैं अब यह मेरे प्रति नहीं भगवान के प्रति अन्याय है इनको लहू लुहान कर रहे हैं उद्योगपति शासन प्रशासन आज से 5 साल पहले गर्मी सीजन में हम आंगन में बड़े आराम से सोते थे ना तो हमें पंखा की जरूरत थी और नाही कूलर की जरूरत थी हम बड़े आराम से सोते थे कितना सारा कोयला हजारों हजारों लाखों लाखों टन जल रहा है जिसके कारण तपिश हो रही है कितनी गर्मी बढ़ गई है अभी हमारे वैज्ञानिकों ने कहा है कि आने वाले समय में गर्मी और बढ़ेगा इस साल कितने लोग मारे रायगढ़ जिले में भी मारे गर्मी से अभी यह हाल है तो आने वाले साल में और कितना गर्मी होगा तो उसका निदान क्या है क्या किसी के घर में कूलर नहीं है एसी नहीं है हमारे व्यवस्था करेंगे जो पानी नहीं दे सकती पीने के लिए करने के लिए छोड़ दिए हैं वह क्या हमको ए.सी. और कूलर देंगे सिर्फ यह हमें मौत दे रहे हैं स्लो पाइजन दे रहे हैं हम धीरे–धीरे मारे हम मारेंगे जरूर लेकिन चार को लेकर मारेंगे चाहे कैसे भी मारे मरना तो निश्चित है तो क्यों ना अच्छे कार्य कर कर मरे अब आगे चलते हैं आप भी गर्मी झेल रहे हैं अभी बिना एसी के आप यहां पर नहीं बैठ सकते आपके पास तो कूलर लगा है हमारे पास तो यहा पंखा तक नहीं है पसीना हमारे टप टपा रही है यह पीड़ा हम आपको बताने के लिए खड़े हैं आत्मा की जो जलन है उसको उजागर कर रहे हैं लेकिन शासन इतना कठोर है उनकी आंखों में एक आंसू तक नहीं है तुम मुस्कुराते रहिए मेरी पीड़ा को देखकर आप जल की बात कर लेते हैं थक गया हूं बहुत देर से बोल रहा हू 64 साल हो गया और 2 घंटा से लाइन में रहा नहीं तो 2 घंटा 3 घंटा और बोल लेता लेकिन एक शब्द में आपके पर्यावरण से बाहर नहीं जाऊंगा यह निश्चित है। 'न' से नीर, जल जल का क्या स्थिति है पहले तो केलो नदी हमारे जीवन दैनिक रायगढ़ जिला का जिसको केलो माता के नाम से जानते हैं उसे प्रदूषण को आप तो अच्छी तरह देख रहे हैं वह निवास करते हैं आप उसे पानी का तो उपयोग नहीं करते मिनरल वाटर का उपयोग करते हैं तो कहां से जानेंगे केलो नदी तो बर्बाद हुआ इसलिए अब अदानी पावर यहां लाया गया ताकि महानदी भी बर्बाद हो जाए यह हमारी गंगा है इसमें आज भी हम अस्थि प्रवाहित करते हैं हम गरीब लोग हमारे आदिवासी भाई बहन इलाहाबाद नहीं जाते चंद्रपुर आते हैं अस्थि विसर्जन करने के लिए इसका यही तर्ज दिए हुए हैं जो इलाहाबाद को देते हैं रायगढ़ के गंगा मां महानदी है इसको भी बर्बाद कर रहे हैं हां तो हम जाएंगे तो जाएंगे कहां हमारे छत्तीसगढ़ को छोड़ दीजिए उडीसा में भी तो हमारे भाई–बहन लगते हैं और वह पूरा प्रदूषण वहां भी

जाएगा नदी के माध्यम से रायगढ तो मरो ही मरो क्योंकि सरकार उन्हें की है हां बेटा कर ले यहां गंदा कुछ नहीं होगा जितना शोषण करना है कर लो पानी ले जाओ यहां से पानी तमनार जा रहा है किसान के लिए पानी नहीं है उद्योगों के लिए पानी है यहां से पानी तमनार जाएगा केलो नदी जाएगा पूंजीपथरा जाएगा लेकिन लोकल यहां के किसान नदी के किनारे बसे हैं उनकी उनके लिए योजना कोई शासन के पास प्रशासन के पास नहीं है एक आदमी को बचाने के लिए लाखों लाखों आदमी को बर्बाद कर रहे हैं यह सरकार सिर्फ एक आदमी अडानी को बचाने के लिए और यहां पर इतनी सारी जनसंख्या जो कृषि पर आधारित है पर क्या शासन को इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए और दुनिया में कोई रोजगार देखा है एक ही रोजगार होता है वह है किसान। किसान जितना रोजगार दे सकता है दुनिया का कोई आदमी नहीं दे सकता लेकिन यह शासन को आज तक पता नहीं चला किसान का कोई नहीं आगे कोई है ना पीछे कोई है जल पूरी तरीके से बर्बाद हो गया है और जहां चल रहे हैं वहां चल भूमि गत जल से लाते हैं कितना जल निकल रहे हैं कि हम जो कुएं में पानी पीते थे वह सूख गया है गर्मी सीजन में हमें एक बूंद भी पानी नहीं मिलने कुएं से क्योंकि दिख रहे हैं बाहर आदि से जल मांड नदी से जल लेकिन निकल रहे हैं उससे कहीं ज्यादा भूमिगत जल ले रहे हैं क्या किसी फैक्ट्री का प्रमाण है कि कितना नलकूप लगा है नहीं क्यों ना गांव वालों के साथ में जाकर मुआयना किया जाए इतना जल अधिग्रहण किया है लेकिन एक किसान अगर बोर खुदवाए तो उसको अंदर करते हैं इसलिए कि उनका अधिकार नहीं है बोर खुदवाने का लेकिन फैक्ट्री के अंदर बाहर में ताला लगा है उसके अंदर में चाहे वह बोरखोदे चाहे मर्डर करें या किसी को कुछ भी कर दे उसको देखने वाला कोई नहीं है हम किस किस खेत पर बाउंड्री बनाएंगे हमारे लिए तो कोई जगह नहीं है तो जितना शोषण है पानी का कर रहे हैं उतना आदमी का भी कर रहे हैं जिसके वजह से आज पानी 600 फीट नीचे चला गया है इसका जवाबदारी कौन है उद्योगपति शासन प्रशासन कौन है जवाबदारी कौन देगा इसका जवाब किसी ने किसी को तो देना होगा लेकिन नहीं किसी के पास जवाब नहीं है सिर्फ यहां आओ भाषण मारो और जाओ हमारा काम है लिखना और हम लिखकर भेज देंगे ऊपर ऊपर वाले क्या करना चाहते हैं वह करें यहां से हमारी जवाबदारी समाप्त हो जाती है लेकिन महोदय इतने पर हमारा किसी का दायित्व समाप्त नहीं होता अगर मैं ना बोलूं इस जल, वायु, भूमि पर ना बोलूं तो आने वाला पीढ़ी धक्का देगा धिक्कार है मेरे पूर्वज पर मेरे दादाजी पर जिन्होंने हमको ऐसा व्यवस्था छोड़ कर गया है लानत होगी ऐसी जिंदगी में जो सुनकर सुनना पड़े आज मेरे नाती पोते बड़े हो रहे हैं ऐसी जगह पर क्यों रह रहे हो दादाजी जहां पर पीने के लिए पानी, जीने के लिए हवा नहीं क्या जवाब दूंगा मैं कम से कम अपने पाप कम कर रहा हूं मैं कम से कम मैंने अपने आत्मा से बोला तो सही इसका विरोध किया तो सही, रही नौकरी के बाद किसी भाई ने बहुत सत्य ही कहा है यह बड़े-बड़े प्रलोभन देते हैं नौकरी का इतना देंगे उतना देंगे लेकिन चलिए मेरे साथ अभी चलिए लोकल वालों को आप क्या मजदूरी देते हैं और

बाहर वाले को क्या देते हैं कोई आकर बता दे कि दोनों में भिन्नता नहीं करते सामान देते हैं लेकिन कोई समानता नहीं है लोकल वालों को 7000–8000 तो बाहर वालों को 16000 उनका रहने के लिए मकान देंगे और स्थानीय वाले को कुछ नहीं मिलेगा यह उनकी नीति है कितने पेड़ लगाए 2001 से यहां उद्योग लग रहे हैं और बोलते हैं हर साल हमने एक लाख पौधा लगाया 50000 लगाया बढ़ती है क्या मेरा तो 5 एकड़ जमीन है एक डिसमिल भी नहीं बढा उनकी जमीन कैसे बढ जाती है पौधे लगाने के लिए कौन सा ऐसा प्लांट है कौन सा ऐसा तरीका है जो उनकी जमीन बढ़ जाती है यहां इतने सारे किसान बैठे हैं किस को पूछ कर देखिए जमीन बढ़ा है क्या बल्कि घट है बढ़ा नहीं तकलीफ तो हमको पाना है उनको आराम पाना है महोदजी मैं किस–किस आपदा और विपदा को बोलू आज इस पॉल्यूशन की वजह से इस जल प्रदूषण की वजह से कितने सारे बीमारिया हो रही है और कौन सा इलाज कर रहे हैं पहले आदमी बहुत खाते थे लेकिन आज केवल 100 ग्राम ही खा पाते हैं क्योंकि इसका वजह है जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण कोयला यह सारी चीजों से खाने का लेवल घट गया है और एक बहन ने बहुत अच्छा बात कहा मैं उसे बात को रिपीट करना चाहता हूं उन्होंने कहा कि इस वातावरण से जल प्रदूषण बढ़ रहा है बिल्कुल फैक्ट बात है आज डॉक्टर के पास लाइन लगी हुई है इसका कारण क्या है इसका निदान कैसे होगा कौन करेगा निदान सरकार सोई प्रशासन सोई हमारे जैसे दो–चार बंदे हैं उनको जागना पड़ेगा तुलसीदास ने रामचरितमानस में हनुमान जी को जगाया था आज चुप बैठे हैं उनको वैसे ही निवेदन करता हूं कि उठो जागो लड़ो अपने अधिकार प्रति यह बहुत जरूरी हो गया है बिना उसके संभव नहीं है छत्तीसगढ़ से अंग्रेजों को भगाना नौकरी गई, रही स्वास्थ्य की बात बडे–बडे लिस्ट में दिए होंगे स्वास्थ्य के लिए यह काम करेंगे वह काम करेंगे 20 साल में अदानी ने कितने अस्पताल खोला कहां कहां खोला क्या यहां स्वास्थ्य के लिए जांच नहीं चलाया जा सकता कहां–कहां चलाया किस गांव में चलाया इसका परिणाम है क्या यह जो भी कार्य कर रहे हैं मैनेजर हैं आकर बताएं यहां पर इतने गाव में स्वास्थ्य परीक्षण करवाया इतने लोगों को लाभ पहुंचा सरकारी विभाग में होते हैं कहा–कहां लगे उसका आंकड़ा होता है इतना तो उनके पास क्या है कितने का जांच कराया स्वास्थ्य का कौन देगा इसका प्रमाण शासन देगा एम.पी. देगा किसी को तो देना पड़ेगा की जवाब देना ही नहीं है मैडम इनके एच.ओ.डी. से पूछिए कहां–कहां स्वास्थ्य परीक्षण कराया लोगों का इलाज हुआ इनके पास कुछ नहीं है कोई डाटा ही नहीं है जनसुनवाई के समय मीठी–मीठी तें प्यार भरी बातें यह सब करेंगे और जिनका जिनका रिश्ता लगता है ऊपर से नीचे तक वह रिश्तेदारी निभाएंगे तो कृ पा करके इसे मांगा जाए स्वास्थ्य के लिए उन्होने क्या किया क्या आज तक रायगढ़ जिला में इस उद्योग के द्वारा कौन सा ऐसा ट्रेनिंग सेंटर बनाया जो उसे फैक्ट्री में लगने वाले वर्कर का काम करें क्या यहां के लड़कों को यहां के जवानों को ट्रेनिंग नहीं दी जा सकती उड़ीसा से लाना होगा और एक भाई ने बताया कि हमारा जमीन गया है वह बोलते हैं तुम नहीं जा सकते अंदर हमारा जमीन भी ले लो हमारा घर भी

छीन लो हमको जहर देकर मारो लेकिन आप अंदर नहीं जा सकते और नौकरी के नाम पर झुनझुना छोटा बच्चा चॉकलेट में ठगा जाता है यह सब को ऐसे ही समझते हैं। जा बेटा खा कर आजा बच्चा खुश हो जाता है और हो जाता है यह बहुत बढ़िया है और माल वह खाए मलाई वह खाए सिर्फ एक आदमी को बचाने के लिए कम से कम राक्षस मत बनो जितना मुह खोल दिया सब अंदर चल जाएगा रायगढ़ जिला को निगलने के लिए तैयार बैठे हैं भूमिगत सर्कुलर बिगड गया कहीं गड्ढे हो गए कहीं पहाड़ बन गए उनके लिए कोई कानून नहीं ना कानून बनाने की जरूरत है कानून का पालन कौन करवाएगा क्योंकि वह रिश्तेदारी में आता है हमारा तो कोई रिश्तेदार नहीं है किसान का कोई रिश्तेदार नहीं है किसान क्या करें उसको तो खेती के लिए फुर्सत नहीं है कहां जाएगा मैं यही चाहता हूं कम से कम रायगढ जिले मानक है क्या मानक लागू है तो आप उसका मानक बता दीजिए की कितना तापमान से आगे नहीं किया जा सकता कितना वायु प्रदूषण में नहीं हो सकता इसका हमें लिखित में चाहिए और अभी बताएंगे इस फैक्ट्री के लगने से पहले यहां प्रदूषण का कितना होना चाहिए तो ये आप लोग बतायेंगे तो मेरा निवेदन है मैं जो प्रमुख 5 बिन्दु बताया। धन्यवाद।

164. उमा नंदे – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

165. सुप्रभा गोस्वामी – समय का ध्यान दीजिये। कंपनी आई है और काम भी कर रही है सभी को अच्छे से सेवा दे रही है। जो लोग नहीं आये है उनको घरपहुंच सेवा दे रही है। आजीविका के लिये कंपनी द्वारा कार्य किया गया है जिसमें महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाये घर से निकलती नहीं थी वो लाखो कमा रही है, मशरूम का खेती कर रही है। पर्यावरण के लिये कंपनी फलदार और छायादार वृक्ष दिया जा रहा है। कबड्डी के लिये भी ट्रेनिंग दिया जा रहा है।

166. राजेश नायक, कुसमुरा – मैं भी आप सभी की बातों से सहमत हूं कि अभी यहां जो कुछ भी बोला गया वह सारा का सारा झूठ है आज के यह जनसुनवाई में उपस्थित जितने भी मानव उपस्थित सबको नमन करता हूं और सबसे पहले यही बात रखता हू कि मैं अदानी पावर लिमिटेड का पुरजोर विरोध करता हूं और इस विरोध के कारणो को मैं आपके समक्ष क्रमशः रखना चाहता हूं कि वास्तव में या विरोध इस क्षेत्र के लिए क्यों होना चाहिए मैं राजेश नायक ग्राम कुसमरा का एक किसान हूं और यह जो प्लांट जहां लगा हुआ है वह मेरे गांव बहुत दूर नहीं है क्योंकि यहां की जो हवा जब पछुआ हवा चलती है तो जहां बड़े भंडार के हवा कुसमुरा तक भी पहुंचती है और उसको हम अपनी सासों में अपने रगों में समाते हैं तो उसकी पीड़ा और उसका जो एहसास है वह हमें भी होता है मैं गैर क्षेत्र का आदमी नहीं हूं मैं आप सबके काही आदमी हूं मुझे भी वही तकलीफ है जो आप सबको तकलीफ है जितने भाई लोग आज यहां समर्थन कर रहे थे इस कंपनी का तो पर्यावरण के बारे में जिन लोगों को कोई नॉलेज नहीं है ज्ञान नहीं है ऐसे लोग निश्चित रूप से आज इस कंपनी का समर्थन कर रहे हैं क्योंकि रायगढ़ जिला आज पर्यावरण पैमाने से कहीं ऊपर

उठ चुका है और देशभर मे नंबर वन है सबसे पहली बात मैं बताना चाहूंगा कि हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश में एक उद्योग लगा था भिलाई स्टील प्लांट आज आप जाकर देख भी सकते हैं की भिलाई स्टील प्लांट उतना बड़ा प्लांट लगने के बाद वह आसपास पर्यावरण का जो व्यवस्था है वह रायगढ़ जिले में क्यों नहीं दिखाई देता क्या हम रायगढ़ जिले को भिलाई जैसा सुसज्जित शहर नहीं बना सकते यहां जो सीएसआर का इतना पैसा ढाई सौ कंपनियों से आता है तो क्या टाटा मेमोरियल जैसा यहां कैंसर हॉस्पिटल नहीं बन सकता आज हमारे इस क्षेत्र के लोग कैंसर से पीड़ित होकर मरने के लिए तैयार हो रहे हैं और मर रहे हैं सबसे बड़ी बात मैं बताना चाहूंगा हमारे जो स्थानीय युवक वह रोजगार की बात कर रहे थे उनसे मैं यही कहना चाहता हूं जितने सडक हादसों में हमारे लोग आज मर रहे हैं उतने या कंपनियां नहीं दे रही है तो हमारे मौत के बराबर भी यह हमारे रोजगार को समझ भी नहीं रहे हैं आज इतना ओवरलोड कोयला का परिवहन और राख का परिवहन हो रहा है तो क्या प्रशासन में बैठे हुए लोग जो पढ़ लिख कर एक अच्छे पदों में नियुक्त होते हैं और प्रशासन की समस्त जिम्मेदारियां को अपने ऊपर लेते हैं तो क्या प्रशासन की यह जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह समाज में जो पर्यावरण के लिए जो हो रहे पैमाने को बिगाडना वाले इतने मानक है उनके ऊपर कोई कड़ी कार्यवाही की जा सके क्यों नहीं होता यहां प्रशासन में बैठे हुए लोग उद्योगपति और राजनेताओं की कठपुतली हैं इतने पढ़े लिखे जो लोग अपनी मेहनत और अपनी काबिलियत से जिन्होंने इतने अच्छे अच्छे पदों पर स्थान प्राप्त करते हैं वह इन्हीं उद्योग और राजनेताओं की चाटुकारिता के लिए अपना योगदान देते हैं और अपने मां–बाप का नाम रोशन करते हैं एक आदमी जब पढ़ लिखकर अच्छा नौकरी पा लेता है तो समाज उसको बहुत बधाई देता है और सोचता है अपने आसपास के लोग की निश्चित रूप से यह आदमी आगे चलकर समाज कल्याण का काम करेगा बहुत दुखद विडंबना या है कि आज नौकरी पैसे से जुडे हुए जो लोग हैं। वह सब किसान के बेटे ही हैं। जब तक वह पढ़ता रहता है किसान का बेटा कहलाता है और जैसे ही उसे नौकरी मिल जाती है प्रशासनिक और उसका ऐसा नशा छाता है की राजनेता और उद्योगपतियों की कठपुतली बनने के लिए बेबस हो जाता है कैसी भी नंबर है यह कैसे में हमारा देश और समाज सुधरेगा कैसे पर्यावरण को हम ठीक कर पाएंगे आने वाले पीढ़ी मेरे से पूर्व वक्ताओं ने ईआईए रिपोर्ट के बारे में जितनी पोल खोली है और मैं भी लगभग 20–25 जनसुनवाईयों में गया हू अभी तक जो ईआईए रिपोर्ट शुरू में दिया गया था वही ईआईए रिपोर्ट आज भी दिया गया है तो बडी विडबना है यह कोई नया मानक तैयार नहीं हो रहा कोई इस पर कार्यवाही करने के लिए अधिकारी नहीं सब ऊपर जो भी तत्कालीन के सरकार होती है उसके इशारों पर प्रशासन काम करता है और हम आम जनता को बेवकूफ बनाया जाता है एक तरह से यह जनसुनवाई एक प्रकार की प्रशासनिक और औद्योगिक उत्सव के रूप में लोग मानते हैं सारे जनता त्रस्त होकर एकदम घायल की तरह यहां पड़ी हुई है बिना पानी और पंखे के अपने आप को यहां झेल रही है और पीछे बहुत शानदार

तरीके से यहां व्यवस्थाएं आयोजित हो रही है तो यह तमाशा क्या है इसे एक प्रकार का प्रशासनिक औद्योगिक उत्सव नहीं तो और यह क्या है आज जनसुनवाई के नाम पर यह जो ढकोसले हो रहे हैं ऐसे ढकोसलों को बंद करने की जरूरत है मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं या आने वाले दिनों में हमारे क्षेत्र की जनता निश्चित रूप से जाएगी और उसको समझ मे आएगा जो समर्थन करके गए हैं कि हम लोगों ने उसे दिन मात्र 500 रूपये के लिए जो समर्थन किया है उसका इतना घातक परिणाम होगा यह हम नहीं सोच सकेंगे जैसे चुनाव में होता है एक वोट से क्या होगा तो एक समर्थन से क्या होगा मैं एक समर्थन कर दूंगा तो क्या होगा जैसे एक वोट से जब सरकार बनती है वैसे ही एक–एक समर्थन से उद्योग स्थापित होते हैं तो भाइयों और बहनों आपसे यही कहना चाहता हू कि अपनी आत्मा की आवाज को सुनो अपने आसपास को निहारो देखो पेड़ पौधों को देखो अपनी लहलहाती फसल पहले हुआ करती थी पहले जो उत्पादन होता था और आज क्या हो रहा है उसको देखो इस आसपास की पहले जितनी सब्जियां होती थी उसको देखो किसान दिन प्रतिदिन उसका ग्राफ गिरते जा रहा है और सबसे बड़ी बात आज इस उद्योग के मालिक को मैं कहना चाहता हूं जितने भी लंबित मामले हैं 14ख से किसानों के अधिग्रहण के मामले में चाहे जो भी हो वह 14 साल तक लटका हुआ है इसके लिए उद्योगपति जिम्मेदार नहीं प्रशासन के लोग ज्यादा जिम्मेदार हैं बड़ी झूठा आश्वासन देकर जनसुनवाई करा कर चले जाते हैं कि सारे प्रकरणों को हम हल करवा देंगे तो क्या इतना बड़ा पैसा वाला जो उद्योगपति है तो क्या 20–25 किसानो की जमीन फसी हुई है उनका पैसा यह वापस क्यों नहीं कर सकती आज तक हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में ऐसे मामले लंबित है ऐसे मामले को जल्दी से जल्दी निपटारे करने की जरूरत है। मैं मानता हू इस देश को विकास के लिए उद्योग की जरूरत है लेकिन ऐसा उद्योग क्या मतलब जिससे हमारी जान निकल जाए और पूरा उद्योगपति ही मालामाल हो जाए ऐसे उद्योग से नहीं पूरे देशवासियों का भला हो ऐसा उद्योग चाहिए क्या भिलाई स्टील प्लांट ऐसा उद्योग नहीं है जितने पेड़ पौधे लगाने के वादे करते हैं क्या उतने पेड़ पौधे आपको लगे हुए दिखाई दे रहे हैं और यदि आंकड़ों के हिसाब से देखा जाए तो रायगढ़ जिला पूरा हरियाली से भर जाएगा छा जाएगा लेकिन कहां है इतने पेड़ एक साल में 100 पेड़ नहीं लग सकता और कंपनी बड़ी–बड़ी बात करते हैं ईआए रिपोर्ट में शर्म आनी चाहिए अगर वास्तव में पर्यावरण को लेकर यह जनसुनवाई हो रही है तो पर्यावरण को लेकर निश्चित रूप से यह जागृति और प्रशासनिक लोगों में होनी चाहिए और शासन के लोगों को सख्त कार्यवाही करनी चाहिए कंपनियों के ऊपर और कम से कम पौधे तो लगवाना चाहिए और कुछ कर ना सके लेकिन यह काम तो निश्चित रूप से करवा सकते हैं लेकिन यह काम भी अपने छोटे–मोटे को देकर उसे चंद पैसे का लालच देकर ऐसा गलत काम करवाएंगे पेड़ तो लगवा देते हैं मगर पेड़ जिंदा नहीं रहता क्या मतलब है ऐसी चीजों का, जो काम करना चाहते हैं उसको तरीके से किया जाए। आज जैसे हमारी एक बहन बोल रही थी कि पहले क्या टेराकोटा और क्या मशरूम यह मशरूम अब

लगवाए जा रहे हैं प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं तो क्या अडानी कंपनी मशरूम को खरीद कर मार्केटिंग करती है क्या पूछिए उनसे अगर यह मार्केटिंग करके बता दे हमारे पूरे क्षेत्र के वासी अगर मशरूम पैदा नहीं करेंगे यह आज वचन दे हमको कि सारे मशरूम की मार्केटिंग का जिम्मा अदानी कंपनी लेगी और कितने रुपए किलो में खरीदेगा उसको आज घोषित कर दें हम निश्चित रूप से आपके उद्योग सुदृढ़ करना चाहते हैं ग्राम वासियों को यह केवल दिखावा है इन लोगों की जो योजनाएं हैं अगर गांव वालों को सक्षम करने का नियत अगर होता तो निश्चित रूप से इस पर बहुत सारे कम हुए होते यह सब दिखाने के ढकोसले हैं इनके चोचलो को प्रशासन के लोग भी बहुत अच्छी तरह से समझते हैं लेकिन हम भोली भाली जनता में एक जुटता की जो कमी है इसी एक जुटता और चेतना की कमी के कारण हम अपने आप को एक जूट नहीं कर पा रहे हैं और अपनी पीड़ा को अपने आप में भुगतते हुए इसका एक प्रबल विरोध नहीं कर पा रहे हैं मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले दिनों में निश्चित रूप से हम सभी संगठित होंगे और एक दिन इस कंपनी को अपने लाइन पर लाकर रहेंगे रायगढ़ जिले के जो 250 उद्योग लगे हैं उन उद्योगों पर निश्चित रूप से लगाम कसनी ही होगी मैं प्रशासन के लोगों से यही बात कहते हुए जा रहा हूं कि भोली भाली जनता जो नहीं समझती लेकिन आप सब पढ़े–लिखे लोग अधिकारी लोग सारे इस पेज और मामले को अच्छे से जानते हैं कम से कम जनता की भलाई के लिए आप अपने मां–बाप के जो एक अरमान थे आप लोगों ने गांव की जमीन में और वहां की हवा को सांस में लिया है उसके कर्ज के रूप में कम से कम अपनी आत्मा को जगाइए और जगह कर एक बार कड़ा निर्णय लेकर इन उद्योगों पर जो अंकुश लगाना चाहिए अंकुश लगाइए धन्यवाद।

167. मनीषा गौंड़ – छत्तीसगढ़ी में बोलूं की हिंदी में हमारे आगे बैठे पीठासीन अधिकारी को जय जोहार खाकी वर्दी वाले भाई और दीदी जो मजबूरी में ड्यूटी कर रहे हैं उनको भी जय जोहार आज जो विरोध करने आया है उनको भी जय जोहार सबसे पहले मैं यह कहना चाहती हू कि जब से यहां कंपनी खुला था हमारा छाती फूल गया था गर्व से हमारा कंपनी आ गया हम लोग काम करेंगे हम लोग मझदार समझ रहे थे कंपनी को लेकिन कंपनी धीरे–धीरे रायगढ़ को खत्म कर रहा है कंपनी से हम लोगों को कोई दिक्कत नहीं है लेकिन जब कंपनी खुलने वाला होता है और सभी को इकट्ठा करके बोलते हैं कि तुम्हारे समस्या को निदान करेंगे लोकल लोगों को नौकरी देंगे आप सभी के समस्याओं को हम अपना समस्या समझेंगे लेकिन बाहरी व्यक्ति को ला ला कर नौकरी दे रहे हैं और लोकल वाले बेरोजगार घूम रहे हैं उधर तंबाकू खा रहे हैं राजश्री खा रहे हैं बेरोजगार कंपनी के कारण हो रहा है तो आप बाहरी व्यक्ति को लाकर नौकरी दे रहे हैं और जहां मरना रहता है वहां छत्तीसगढ़ वालों को नौकरी दिया जाता है और उन लोगों का सैलरी रहता है 12000, 15000 और अधिक हो गया तो 17000 और जो बाहरी रहते हैं वहीं पर काम करते हैं उनको 20000, 25000 और 30000 यह कहा का न्याय है ऐसा भेदभाव हमारे छत्तीसगढ़ से बर्दाश्त नहीं

किया जाएगा क्या कमी है हमारे छत्तीसगढ़ के भाई बहन से क्या चीज का कमी हो गया अच्छा–अच्छा पढ़े लिखे हैं बहुत सारे पढ़े लिखे हैं जो छत्तीसगढ़ में काम करने के लायक हैं लेकिन फिर भी उन लोगों का आंख नहीं दिखता बाहरी व्यक्ति को ला–ला के काम कर रहे हैं बाहरी व्यक्ति को जहां से ला रहे हैं कंपनी वहीं बैठा लेना चाहिए कहीं बिहार से कहीं उडीसा से कहीं मध्य प्रदेश से कहीं पंजाब से ला रहे हैं जिन छत्तीसगढ़ वालों को एकदम नीचे का काम दे रहे हैं बोलते हैं छत्तीसगढ़ वाले नहीं जानते बाहर वाले एसी में बैठे हैं और लोकल वाले धूप में गर्मी में ड्यूटी कर रहे हैं और 8 घंटे का नहीं बल्कि 12 घंटे का ड्यूटी लेते हैं मैं अपने भाई बहनों से इतना ही कहना चाहता हूं कि अपने बाल बच्चे जैसे रखे हैं जमीन को उसको उद्योगपति को मत दीजिए बाहर के व्यक्ति आप लोगों के थोड़ा–थोड़ा कर ले जा रहे हैं और आप लोग दानी जैसे दे रहे हैं उसका कोई हिसाब नहीं है हमारे पूर्वजों का जमीन कैसे बाहर वाले जा रहे हैं यह लोग वह हैं जो हसदेव के जंगल को नहीं छोड़े यह बोलते हैं प्रदूषण मुक्त कारखाना खोलेंगे चिमनी को ऊपर करेंगे धुआ ऊपर होगा लेकिन कारखाना का पानी कोई नाला में जा रहा है तो कोई खेत में जा रहा है तो क्या घटा उद्धार होगा और सरकार बोलती है 3100 रूपये धान का देंगे लेकिन धान ही नहीं होगा तो 3100 रूपये क्या का देंगे ऐसे ही प्रशासन का नियम है। हम लोग खून पसीना करके धान चावल उगाते हैं और हम ही को दाल भात खाने के लिए समर्थन में बुला रहे हैं आज अच्छा काम करता अडानी तो आज विरोध नहीं होता जैसे–जैसे हमारा जमीन बंजर हो रहा है वैसे ही आप लोगों का कोख भी एक दिन बंजर हो जाएगा काहे की केमिकल रबर कोयला यह सब पानी को पी रहे हैं एक टाइम ऐसा आएगा जिसमें लोग बीमारी लेकर पैदा होंगे किसी को क्या बीमारी होता किसी को क्या बीमारी होगा नहीं यहां ऐसा अस्पताल है जिससे उन लोगों को बचाया जा सके और ठीक कर सके यहां चावल खाने के लिए नहीं है। और बीमारी बहुत है आज मैं यह कहना चाहती हूं बहुत सारे लोग आज मेरे को सुन रहे होंगे तो बोल रहे होंगे टिप टॉप पहनकर मैडम राजनीति झाड रही है तो अच्छा कर रही हूं अगर मैं गरीबों के लिए राजनीति चाह रही हूं तो मैं राजनीति बिल्कुल करूगी छत्तीसगढ़ के महतारी के अचरा में आंच आएगा तो मैं राजनीति करूंगी गरीबों के लिए लड़ाई लड़ना पड़े पर्यावरण को बचाना पड़े तो राजनीतिक करूंगी मैं हाथ जोड़कर निवेदन करती हूं कि अपने जमीन को इन बड़े–बड़े उद्योगपतियों को मत दें क्योंकि यह आज जमीन को ले तो लेंगे और एक दिन तुम लोग ऐसे ही सड़क में पड़े रहोगे आज सड़क में बड़े–बड़े ट्रक चल रहे हैं और आये दिन खबर आता है की ट्रक में दब गया मर गया तो जब दब के मर जाते हैं और सड़क का घेराव कर देते हैं और ट्रक वाले को पुलिस वाले ले जाते हैं और ट्रक को कर लेते हैं और ट्रक मालिक ट्रक को छुड़वा देता है और ड्राइवर लोग का फिर क्या होता है वह लोग तो चले जाते हैं लंबे समय के लिए उन लोगों को कौन छुड़ाने आता है तो मैं यह कहना चाहती हूं कि बड़े–बड़े आदमी लोग गरीब लोगों का नहीं सुनते ट्रक चलाने वालों का क्या स्थिति होता है उन लोगों को कोई छुड़ाने नहीं आता

कहे कि वह गरीब है और गरीब का है वह तो किस का बेटा है उसको छूटना है तो वह अपने जमीन को बेचकर छूटेगा। मैं देखती हूं बिलासपुर गई रायगढ में रहती हूं उसको पढ़ती हूं तो मुझे अच्छा लगता है सुग्घर रायगढ़ सुग्घर बिलासपुर लेकिन कंपनी के कारण काला रायगढ़ हो गया पहले हर–हर खूबसूरत दिखाता था पहले धान का कटोरा कहते थे लेकिन आप कोयला खदान कहते हैं आज कोयला किसका बिजली किसका पानी किसका सब हमारे छत्तीसगढ़ का है और राज कौन करता है बाहर वाले । लोकल वालों को काम देना चाहिए उद्योग विस्तार बहुत अच्छा होता है जिन लोग गरीब लोगों का जमीन ले लिए गरीब लोगों का सब कुछ चले गया जिन लोगों को मुआवजा नहीं मिला है उसका मैं विरोध करती हूं बेरोजगार भाइयों को रोजगार नहीं मिल रहा है इसका विरोध करती हूं आज जब से कंपनी खुला है तो कौन ऐसा व्यक्ति है जो खुश है काहे के लिए खुश नहीं है पानी को देख लीजिए सड़क को देख लीजिए यहां तक बिजली को देख लीजिए छत्तीसगढ़ में ही बिजली बनता है और गरीब लोगों को ही एकल बत्ती के लिए घूमना पड़ता है हमारा धरती हमारा जमीन हमारा बिजली और हम ही लोगों को भगा रहे हैं यह तो बर्दाश्त के बाहर हो गया आज के इस जनसुनवाई का मैं विरोध करती हूं ऐसा नहीं होना चाहिए और मैं एक बात और बताना चाहती हूं कि आज अगर यह जनसुनवाई निरस्त नहीं होगा तो मैं मोदी जी को चिट्ठी लिखूंगी पर्यावरण मंत्रालय में चिट्ठी लिखूंगी विपक्ष राहुल गांधी को चिट्ठी लिखूंगी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को चिट्ठी लिखूंगी। आप जितने लोग गांव वाले भारी मतों से जीता है ओ.पी. चौधरी साहब को आज इतना बड़ा परेशानी में ओ.पी. चौधरी कहां है काहे के लिए खड़े नहीं हुए और शिकायत आता है कि साहब फोन नहीं उठा रहे हैं किसका फोन नहीं उठा रहे हैं छत्तीसगढ़ वाले लोगों का रायगढ़ के लोगों का जिसको वोट देकर जिताये हैं मैं कहती हूं भाई लोग अब आप यह चीज करिए अब जो आपको वोट मांगने के लिए आएगा बाकायदा आप लोग स्टांप पेपर में लिखवा के उसे सिग्नेचर करवा लेंगे आप बताइए इस समस्या को हमको करवाना है और नहीं होगा तो वह स्टाप पेपर सिग्नेचर को कोर्ट में जमा कर देना तब अपने घर से निकलकर कोर्ट में सवाल का जवाब देने के लिए आना पड़ेगा आज का विरोध बहुत लंबा चलेगा मैं आज की लड़ाई को बहुत लंबे समय के लिए लेकर जाऊंगी बहुत ऊपर तक लेकर जाऊंगी। ज्यादा क्या बोलूं आप लोग यहां आए हैं तो कितना गंदा है फस कर गिर जा रहे हैं मेरे को बोलने का हक है मैं बिंदुवार ही बता रही हूं। आज यहां का रोड को देखे हैं कोई जानता नहीं है यह जनसुनवाई कहां हो रहा है हम लोग तो आगे निकल गए थे यहां बहुत कीचड़ है सड़क का यह स्थिति है शासन प्रशासन उद्योगपति और जिस हिसाब से उद्योगपति अपना उद्योग को बढ़ा रहे हैं उसके हिसाब से आज की जनसुनवाई को निरस्त करना चाहिए हम लोग बिल्कुल बेरोजगार भाई लोगों के जो पीड़ा है महतारी लोग को जो पीड़ा है उसको मैं समझ रही हूं और उसी को समझ के मेरे को बोलना पड़ रहा है मैं सूची हिंदी में बोलने से लोगों के दिमाग में नहीं जाता है इसलिए मैं छत्तीसगढ़ी में बोली और आशा है कि मेरा बात

सबको गया होगा और पीछे वालों के कान में भी जा रहा होगा और आगे है उनके कान में भी जा रहा होगा तो आज की जनसुनवाई को निरस्त करना है मैं इसका विरोध करती हूं और जितना जनसुनवाई होगा सब में विरोध करूंगी जय जोहार जय छत्तीसगढ।

168. संपतलाल चौहान, किरोड़ीमल नगर – इस पर्यावरण लोक सुनवाई में पधारे पीठासीन अधिकारी माननीय सुश्री जांगड़े जी पर्यावरण अधिकारी साहू जी मैं आपको नमन करता हूं अभिवादन करता हूं साथी इस लोक सुनवाई में व्यवस्था को बनाए रखने के लिए हमारे पुलिस प्रशासन के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों का फिर अभिवादन करता हूं हमारे पुलिस बधु और जितने भी समर्थन करने आए हैं विरोध करने आए हैं सभी का हार्दिक अभिनंदन मैं करता हूं। मैडम आवाज को किसी का नहीं दबाना चाहिए मैं तो कहता हूं जिसको जैसी इच्छा रहती है बोलने देना चाहिए बिंदुवार तो कई लोगों ने कहा है कि जवाब की अपेक्षा करता हूं यह लोक सुनवाई ग्राम छोटे भंडार बड़े भंडार और अमलीभौना के लिए हैं। मैं सभी नागरिकों से पूछना चाहता हूं क्या ये छोटे भंडार है, बड़े भडार है, सरवानी है, अमलीभौना है तो क्या यह प्रशासन को जवाब देने का अधिकार है या नहीं तो जनसुनवाई क्यों हो रहा है जब चारों गांव नहीं है यह चारों गांव में से पांचवें गांव को चुनने का इसका क्या कारण है कोई तो लिखित आदेश होगा कृपया जवाब देने की कृपा करें मैं महोदय से विनम्र निवेदन करता हूं कि इस स्थल को चुनने का कोई लिखित आदेश या कारण भी होता है की शादी होगी रायगढ़ में और बारात जाना पडेगा चंद्रपुर में जाना पड़ेगा क्या? कृपया इन चारों गांव में से कोई भी ग्रामीण यह चाहता था क्या हमारा जनसुनवाई दूसरे गांव में हो। हमारी माताएं बहने मैडम मैं बिंदुवार बात कर रहा हूं और प्लांट वालों को बोल दीजिए बिंदुवार जवाब दें चारों गांव में जनसुनवाई क्यों नहीं हुई। मैं आगे बढ़ूंगा यह अलग बात है मुकबधिर हो जाते हैं जब बिंदुवार बात करें तो पूरा प्रशासन गूंगा हो जाता है यह बात का सबूत है मैं कोई गलत बात पूछा हूं तो बताइए यह ना तो छोटे भंडार है ना बड़े भंडार है ना सरवानी है ना तो अमलीभौना है यह इनका रिश्वत लेने का ठिकाना है। 2006 में कोरबा वेस्ट प्राइवेट लिमिटेड ने हमारे गरीबों का जमीन यहां अधिग्रहित किया था मैं सभी ग्राम वासियों से निवेदन करना चाहता हूं इन सभी ग्राम वासियों ने एक ही संकल्प होकर अपना जमीन दिया था कि हम लोग अपना जमीन जो खेती करके पूरे परिवार को आजीवन पालते हैं शायद यह उद्योग लगने से हमको ज्यादा मेहनत की वजह से कम मेहनत करना पड़ेगा और हमारा परिवार आजीवन पलेगा इसी आश्रय के साथ हम लोग जमीन देते हैं मैं सही हूं कि गलत हूं तो क्या किसी भी गांव वासी इस तरह जमीन के एवज में पैसा लगा या नौकरी पाकर वैसे दर्जे का जीवन जी रहा है जिस हिसाब से जीना चाहिए यहां कितनों के बच्चे ओपी जिंदल स्कूल में पढ़ते हैं कितने गांव वाले के बच्चे पढ़ते हैं तो क्या अपना जमीन देकर मध्यान्ह भोजन वाले स्कूल में पढ़ने के लिए दिए थे क्या आज मैं अपमान नहीं कर रहा हूं इस स्कूल का मैं इस मंच के माध्यम से माफी चाहूंगा अगर मैंने गलत कहा है तो लेकिन आदमी तभी तरक्की करना

चाहता है अपने बच्चों को एक अच्छे स्कूल में पढा सके अच्छी नौकरी दिला सके और मैडम मैं गलत नहीं बोल रहा हूं हमारे बच्चे भी चाहते हैं कि वहा बैठे यहा बैठना कोई नहीं चाहता है। हम सभी आशा लेकर बैठे हैं की हां मैडम बैठी है हमारे सर बैठे हैं जो लोग छत्तीसगढ़ से हैं लेकिन आपके सामने छत्तीसगढ़ की अस्मिता लूटी जा रही है और आप मूकदर्शी होकर बैठकर देख रहे हैं यह विडंबना है। मैं पर्यावरण पर आता हूं एक–एक लाइन पर आता हूं यहां पर पहले 600 मेगावाट का पावर प्लांट पहले से है भाइयों एवं बहनों 1600 मेगावाट का फिर से पावर प्लाट बैठाने का यहां जनसुनवाई हो रहा है 800 यूनिट का एक और 800 यूनिट का एक। दो यूनिट का 600 वाला प्लाट लगाने के लिए 3300 मेट्रिक टन राखड़ रोज निकल रहा है तो 1600 मेगावाट से कितना राखड़ निकलेगा आप लोग बता सकते हैं, 456000 प्रतिदिन यहां से राख निकलेगा उसे राख को यह लोग कहां फेंकेंगे इस बात का आप लोगों को जानकारी मिला है क्या अभी 600 मेगावाट पावर प्लांट का कहां फेंक रहे हैं फ्लाई ऐश को, आपको पता है नदी के किनारे और कहीं पर भी यह लोग फेक दे रहे हैं बिना अनुमति के इस पर कोई कार्यवाही नहीं होती और इस बिंदु पर मैं कितना भी पूछ लूं यहां पर कल रात हो जाएगा तो मैडम और सर हमारे इसी तरह मुकबधिर होकर बैठे रहेंगे यह मेरी गारंटी है और यदि कोई नागरिक भावना बहकर थोड़ा सा लाइन से इधर चले जा रहा है तो मैडम का माइक तुरंत चालू हो जा रहा है। भारत का प्रत्येक व्यक्ति स्वतंत्र है कि यहां बोल सके और आपका कर्तव्य है। कि आपको उसका जवाब देना है और आपको जवाब देना चाहिए। आप यहां से जाकर कार्यवाही ऊपर कर देंगे लेकिन आपके यहां जवाब देना चाहिए मानवता का परिचय देना चाहिए अभी हमारी बहन सरपंच प्रतिनिधि को मैं बधाई देता हूं की उन्होंने प्लांट को समर्थन दिया है हम तो नहीं करेंगे अगर वह चाहती तो एक सरपंच थी ग्राम पंचायत ग्राम सभा में जब रिपोर्ट बन सकती थी तो अपने गांव को स्वर्ग बनाने का एग्रीमेंट कर सकते थे लेकिन उन्होंने चंद पैसे में अपना जमीन को बेच दिया है यह है विडंबना जिस समय ग्राम सभा हो रही थी जिस समय ईआईए रिपोर्ट के लिए आ रही थी पंचनामा बना तो वहीं पर अड़ जाती कि हमको हमारे गांव वालों को यह सुविधा मिलेगी तभी हम ईआईए पर साइन करेंगे नहीं तो नहीं करेंगे तो क्या आज आपको जनसुनवाई में इतना विरोध करना पड़ता चंद पैसे लेकर चंद दलालों के साथ मिलकर आज अपने ग्राम पंचायत को बेच दे रहे हैं और ग्राम पंचायत के बाहर, बाहर वाले लड़ाई कर रहे हैं यह बड़ी विडबना है। कुछ भाइयो ने कहा भी की चिमनी का साइज छोटा है चिमनी का साइज कितना भी बड़ा या छोटा हो यहां सब लोग प्रभावित हैं हम गरीबों के कारण नहीं पढ़ पाए होंगे लेकिन इस जाल के अंदर सब पढ़े लिखे हैं तो वह लोग जानते हैं चिमनी का हाइट छोटा है या बड़ा प्रदूषण तो होता ही होगा ताला तो लगाना है भाई तो चाबी खोलने की जरूरत है या नहीं तो प्रदूषण का निपटारा करना आवश्यक है उसके लिए हाईटेक मशीन हैं लेकिन हाईटेक मशीन क्यों नहीं लगते हैं यहां कौन पूछेगा छत्तीसगढ़िया लोग हैं ज्यादा पढ़े लिखे नहीं हैं तो धुआ खाएंगे थोड़ा बहुत स्वास्थ्य शिविर लगा

देंगे पेरासिटामोल, डोलो थोड़ा मोड़ा दवाई बाट देते हैं ग्राम पंचायत में जाकर और हमारा जिम्मेदारी खत्म तो क्या यह प्लांट की जिम्मेदारी है मैडम पेरासिटामोल और डोलो हम लोगों को नहीं मिलता है क्या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मिलता है या नहीं स्वास्थ्य के गारंटी तब मानते मैडम हम जब हमारे गरीब बच्चों को किसी को कैंसर हो जाता है और यह प्लांट मुफ्त में दिल्ली में उसका इलाज कराये तब माने कि हमारे यह जनहित में प्लांट है। जब कोई यहां पर बात पड जाता है सीएसआर भी यहां जनकल्याण के लिए बनाया गया विभाग जब सीएसआर में जाते हैं तो रायगढ़ हास्पिटल जिला 30 साल में रेफर कर देते हैं देखते हैं मैडम देखते हैं तो प्लांट आने से पहले जिला 3 साल नहीं था क्या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं था क्या मैं एक विशेष रूप से बोलना चाहता हूं कि हमारे माताएं बहने लोग बहुत ज्यादा परेशान अपने प्रेगनेंसी और डिलीवरी को लेकर होते हैं क्या कोई ऐसा प्लांट है कि लोगों का सीजर या ऑपरेशन अगर डिलीवरी होता है तो कितने लोगों को सहायता प्रदान करता मैं माता और बहनों से पूछना चाहता हूं क्या बच्चा पैदा करते समय प्लांट आप लोगों को 50000 ऑपरेशन के लिए पैसा देता है एक गांव में कितना ऑपरेशन होना चाहिए मैडम मैं भटक कर बात नहीं कर रहा हूं सीएसआर का मुद्दा है आप ध्यान से सुनते रहिए क्या स्वास्थ्य के लिए कंपनी जिम्मेदार नहीं है एक गांव में कम से कम 1 साल में केवल पांच या 10 महिलाएं जिन लोगों का डिलीवरी ऑपरेशन से होता होगा गलत बोल रहा हूं या सही बोल रहा हूं बताओ बहनों क्या कंपनी जो करोड़ों रुपए की लागत से बना रही है कंपनी जिसको जीरो लगाने से सुबह से लेकर शाम हो जाएगा जीरो नहीं लगा पाएंगे हम लोग इतना पैसा लग रही है क्या एक गांव में 10 महिलाओं के लिए सीजर और ऑपरेशन की व्यवस्था नहीं है कंपनी के पास क्या यह सीएसआर के अंतर्गत आता है या नहीं मैडम इसके लिए मैं आपसे जवाब चाहूंगा आप एक महिला है इसके लिए आप प्रावधान करेंगे कि नहीं करेंगे कंपनी को इसका कोई प्रावधान है या नही आयुष्मान कार्ड को तो सरकार हटा दी है मैं आपको बताना चाहूंगा आयुष्मान कार्ड से डिलीवरी नहीं होता है यह प्राइवेट हॉस्पिटल वाले इसको अलग कर दिए ताकि उनका 50000 रूपये गरीबों से लिया जाए। जब उद्योग लगता है तो यहां पर 85 प्रतिशत विकास चाहे स्वस्थ हो रोजगार हो और किसी का बात हो चाहे नगर का विकास हो चाहे ग्राम विकास हो इसका 80 प्रतिशत जिम्मेदारी कंपनी की होती है क्या वह 80 जिम्मेदारी निभा रही है 80 प्रतिशत छोड़िए 20 प्रतिशत जिम्मेदारी निभा रहा है तो रायगढ़ स्वर्ग जैसा हो जाएगा। हमारे भाइयों ने नदी के बारे में कहा था आपसे एक जानकारी चाहूंगा मैं इस बात को देना ही पड़ेगा मैं बाध्य नहीं कर रहा हूं लेकिन निवेदन कर रहा हूं यह चंद्रपुर नदी इससे प्रभावित हो रहा है या नहीं हो रहा है मांड नदी प्रभावित है ना भाइयों एवं बहनों है कि नहीं प्रभावित माड नदी महानदी प्रभावित है ना तो क्या यह नदी छत्तीसगढ़ और उड़ीसा को कव्हर करती है या नहीं है तो मैडम मैं तो बिंदु पर आ रहा हूं जिस उद्योग पर जो नदी प्रभावित होती है वह नदी अगर और एक राज्य को प्रभावित करती हैं जहां सीमा क्षेत्र 15 से 20 किलोमीटर में है तो उसे

क्षेत्र उड़ीसा में भी एक जनसुनवाई होनी चाहिए होनी चाहिए कि नहीं होनी चाहिए मैडम मैं आपसे जवाब चाहता हूं तो आप उड़ीसा में कब जनसुनवाई है इसका हमें चस्पा करके बताएंगे और पेपर के माध्यम से एक महीना पूर्व और मैं कंपनी वालों से भी अनुरोध करूंगा यदि वह लोग उड़ीसा में जनसुनवाई नहीं करेंगे तो पूरे ग्रामीणों को लेकर हम न्यायालय जाने के लिए बाध्य रहेंगे क्योंकि हमें न्याय मिलना चाहिए और न्याय के लिए हम लोग खड़े हैं यहां कुछ भाइयों ने कहा यहां हम खड़े होकर केवल गर्मी सहने के लिए नहीं आया है हम लोग भी जानते हैं यहां हम लोग जो बोल रहे हैं ना वह कुत्ते के जैसे भौक रहे हैं जैसे लग रहा होगा आप लोगों को लेकिन कोई बात नहीं हमारे जिले के ग्रामीणों के लिए भोकना भी पड़ेगा तो हम तैयार हैं। मैं यहां के पेड़ पौधों पर आता हूं ग्रीन बेल्ट में माता बहनों को बोलना चाहता हूं कि जब कंपनी यहां प्लांट लगता है और जितना कंपनी प्लांट लगता है वह एरिया में जितना पौधा कटता है वह पेड़ पौधे के बदले में उसको ज्यादा पेड़ लगाने का नियम है सरकारी नियम तो क्या पहले जो कंपनी लगाया है उसमें जितना पेड़ काटा है उतना पेड़ लगाया है क्या आप लोगों के क्षेत्र में तो उसको पूछने का अधिकार है या नहीं आज हमारे गर्मी दिनों में 45 डिग्री भाग गया है तो कह के लिए भागे हैं और हम लोग पेड़ लगाने के लिए बोलते हैं तो 500 पेड़ की जगह 50 पर लगाते हैं और क्या–क्या पेड़ लगाते हैं पता है जैसे की बरगद पेड़ काटकर शो पेड़ लगा देते हैं तो क्या बरगद और पीपल पेड़ जैसा वह ऑक्सीजन देगा तो पेड़ का क्या फायदा है। हमारे जमीन में यह लोग प्लांट लगाकर करोड़ों रुपए कमा रहे हैं और उसके बदले में धुआं राखड़ बीमारी यह सब दे रहे हैं। मैडम यहां बहुत सारा जनसुनवाई हो गया लेकिन पेपर में ही पूरा कर देते हैं स्वास्थ्य के लिए हमें कंपनी के अधिकारी बाएं तरफ बैठे हैं उनसे मैं निवेदन करूंगा सर बहुत ज्यादा यहां स्थिति खराब नहीं है यहा जिंदल नलवा मोनेट अडानी जैसे पावर प्लांट है विश्व स्तरीय पावर प्लांट है अगर सब लोग मिलकर आप सड़क और स्वास्थ्य को सुदृढ़ कर देंगे तो यहां ना तो कोई बीमारी से मरेगा ना दुर्घटना से मरेगा लेकिन आप लोग आंख मूंद कर बैठे हैं अगर आप लोग कर दोगे तो यहां जनसुनवाई करना ही नहीं पड़ेगा लोग जैसे घर में रजिस्टर फाइल बनाते हैं यह सब साइन कर देंगे कोई जनसुनवाई नहीं लगेगा आपका पैसा बचेगा और सबसे ज्यादा आपका और हमारा समय बचेगा। आप लोग पूरे प्लांट वाले मिलकर मैडम मै आपसे बोल रहा हू जिला प्रशासन इतना कमजोर है कि हमारे कलेक्टर इन कंपनियों को मात्र सड़क और अस्पताल खोलने में यह लोग सक्षम नहीं है मैं दिव्यांग हू तो क्या मैं प्रशासन को भी दिव्यांग समझु क्या हमारा प्रशासन विकलांग हो गया है कि उन लोगों को करने की क्षमता नहीं है। दर्द तब होता है सर जब आप लोगों को करना चाहिए 80 प्रतिशत और करते नहीं है 5 प्रतिशत 80 प्रतिशत का बात छोड़िए 10–20 प्रतिशत तो आगे बढ़िये अभी आप लोगों का सबका गाड़ी इधर से आया है आप लोग बताइए ना सर ऐसा कोई एक गाड़ी बता दीजिए जो गाड़ी बिना रोके पासिंग किए बिना या इस गांव में पहुंचा होगा तो आपकी कंपनी के बगल जिसको हम पड़ोसी बोलते हैं चाहते तो यहां

पहुंचना है भाई यहां तो कम से कम फोर लाइन बना देते हैं की आने वाले व्यक्ति तारीफ करेंगे की कंपनी बढ़िया सड़क बना कर दी है लेकिन इनका पैसा बचाना है और इतना बोलने के बाद भी आपके कान में जू तक नहीं होता है तो आप लोग मानव कहलाने के लायक नहीं हो पशु को। यदि मेरी बातों का बुरा लग रहा है और आप लोगों को लग रहा है कि मैं गलत बोल रहा हूं तो मुझे गिरफ्तार करवा कर जेल भेज दीजिए लेकिन मैं बोलूंगा ही। एक जमाना था जब हमारे इस दुनिया में 50 फीट को खोदोगे और पानी निकल जाता था गलत बोल रहा हू या सही बोल रहा हू भाई लोग आज 200 फीट जाओगे तो पानी निकलता है और गर्मी मे 600 से नीचे चले जा रहा है रायगढ़ में तो पानी ही नहीं मिलता है गर्मी महीना में बोर नहीं चलता है तो इसके लिए तो कम से कम व्यवस्था करना चाहिए आप लोग अपनी भी नहीं दे रहे हैं ऊपर से आप लोग जो यहां पानी है नीचे का पानी नदी का पानी भूमि का पानी सबको पी दे रहे हैं मैं बिंदु पर बात कर रहा हू मैडम यहां पर प्रतिदिन लाखों लीटर पानी छत्तीसगढ़ का आप लोग दोहन कर रहें हैं और मैं सूचना के अधिकार के तहत एक जवाब मांगा हूं यह लोग कितना देते हैं पानी पता है मैडम 1 ग्राम पंचायत को केवल हजार लीटर और 1 लाख लीटर पानी ले रहे हैं तो इनके ऊपर एफआईआर होना चाहिए ना और यह आज सामान्य नागरिक अगर मैं 500 लीटर पानी खपत करता हूं तो मेरे ऊपर कोर्ट से नोटिस आ जा रहा है मुझे यहां पर प्रशासन की विडंबना है और आप लोग सारे नियम को ताक में रखकर जनसुनवाई कर दे रहे हैं यह हर एक जनसुनवाई में मैडम यहां पिछले हफ्ते एक सन इस्पात में हुआ है मैडम सर दोनों थे अगर एक–एक दिन सुबह में रायगढ़ के एक–एक मूलभूत आवश्यकताओं को जो ज्वलंत मुद्दे हैं शिक्षा स्वास्थ्य और सडक तीन ही तो हैं और कौन सा है बहुत बडा काम थोड़ी ना करना है और रोजगार है रोजगार मूलभूत आवश्यकता नहीं है रोजगार तो आप लोगों को देना ही देना है 80 प्रतिशत स्थानीय लोगों को भाइयों एवं बहनों क्या हमारे छत्तीसगढ़ में कंप्यूटर जाने वाले बेरोजगार नहीं हैं इंजीनियर नहीं है पढ़ने वाले नहीं है तो इसका जवाब मांग रहा है भाईयो एवं बहनों की अडानी पावर लिमिटेड में कितने स्थानीय लोग मैनेजर के पद में हैं और कितने लोग अधिकारी और कर्मचारी हैं इसको मांगना पड़ेगा मैं तो मांगूंगा जवाब आपसे भी सहयोग मांग रहा हूं की मांगना की कितने अधिकारी कर्मचारी है यहां नहीं तो आप एक चस्पा लगा देना की छत्तीसगढ़ के लोग गंवार हैं उनको कुछ नहीं आता है इस प्लांट के लायक नहीं जो लोग समर्थन करने आए हैं और लोगों को बोल दे रहा हूं मैं अपने माथे में गवार लिखवा ले एक प्लेट खाना और 500 रूपये में लोग अपनी अस्मिता को बेच दे रहें है अरे भाई अंदर से सेटिंग कर लो कम से कम विरोध तो करो लोगों का काम करवाओ यह क्या 500 में बिक जा रहे हो पीछे भाई–बहन लोग बैठे हैं 10 लोगों का नौकरी लगवाओ आज जो समर्थन करके गए हैं मैं उनको पहचान गया हूं पूरे जिले में किसी का कैंसर हो जाएगा ना तो समर्थन करने वाले के घर जाएंगे आप भी जाना और उसे सरपंच को लेकर अडानी पावर लाईजनिंग और सुला देना उनके ऊपर और बोलना हम लोग

समर्थन किए थे इसका इलाज कराओ। भारत में इसका उल्लेख है उद्योग अधिनियम के अनुसार की आदमी को सीएसआर के 80 प्रतिशत देना है वह इसरो काम नहीं दे सकता। आज हमारे ग्राम वासी लोग यहां बेरोजगार हैं यहां जितने भी हैं सब बेरोजगार हैं क्या उनको नौकरी देने का अधिकार नहीं है कंपनी का मैं इस जनसुनवाई का पूर्ण रूप से इसलिए विरोध कर रहा हूं ना तो यह स्थल सही है और यह जनसुनवाई अवैधानिक है और अवैधानिक रूप से जनसुनवाई अवैधानिक है और अवैधानिक रूप से जनसुनवाई हो रहा है। 17–18 लोग यहां पानी मांग रहे हैं मैडम क्या आप नहीं बोल सकते की इन लोगों को पानी पिला दें क्या इसके लिए भी हम लोगों को आंदोलन करना पड़ेगा की एक गिलास पानी पिला दीजिए क्या इन लोगों के लिए पानी की व्यवस्था आपकी नैतिक जिम्मेदारी नहीं है क्या यह सीएसआर के अंतर्गत नहीं आता है हम लोगों तो धर्म मानते हैं पानी पिलाने को सबसे बड़ा पुण्य का काम है पानी पिलाना हमारी ही गलती है हम लोग इन लोगों को जमीन देने के समय दलालों के बातों में आ गए थे लेकिन अब नहीं आना है जितना हो गया हो गया पीछे में आप लोग भी बहुत समय से खड़े हो मैं ज्यादा नहीं बोलूंगा क्योंकि हमारे ही भाई–बहन 2 घंटे से खड़े हैं।

169. गुलापी निषाद – विरोध।

170. सत्यम प्रधान – जो प्रशासनिक अधिकारी है यहां पर उनका भी तहे दिल से धन्यवाद की इतना अच्छा आयोजन किया इतने अच्छे टेंट लगवाए हैं और मैं पोस्टर भी देख रहा हूं यहां पर महिला और पुरुष और पोस्टर भी मैंने देखा है उसमें लिखा है मास्क लगाकर लिए मैं देख रहा हूं यहां कोई भी उसको फॉलो नहीं कर रहा है मैं उम्मीद करता हूं कि अगली बार कहीं पर भी जनसुनवाई होगी तो ऐसे पोस्टर या तो ना लगाये या फिर उसका फॉलो करें। मैं मुद्दे पर आता हूं सर जब कंपनी हमसे जमीन लीज पर ली थी तब उसका कुछ रेट तय हुआ था उसके बाद उसे दौरान यह भी तय हुआ था जब वह रेट बढ़ जाती है कभी तो कंपनी को पुनः उसी जमीन का जो वर्तमान रेट चल रहा है उसके अनुसार उसकी पैसे देने होंगे यह सब पॉइंट कृपया नोट कीजिए। नौकरी की अगर हम बात करते हैं तो नौकरी देने का वादा कंपनी ने कराया था यह जो अडानी है उसको नहीं कर रही है वह नौकरी देती है कांट्रेक्ट में जो ईट भट्टी वगैरह कुछ बनाते हैं उनके लिए हमारी आवश्यकता नहीं हमारा अधिकार है कि अडानी में हमको नौकरी दे किसी ठेकेदार के अंदर ना दें और जिस भी व्यक्ति को अडानी ने नौकरी दिया है उनके अगर सैलरी की बात करें तो कर जो काम कर रहे हैं इस पोस्ट में और दूसरे जगह से आए हुए व्यक्ति बिहार कहीं और से भी आए हैं तो उनको अतिरिक्त वेतन दिया जाता है जबकि गांव के लोगों को कम दिया जाता है यह एक मुद्दा है और सबसे बड़ा मुद्दा तो यह है कि हमको अडानी में नौकरी दिया जाना चाहिए। हम जैसे दिखते हैं यहां पर यह जो पर्यावरण विभाग के द्वारा ऑर्गेनाइज है तुम्हें पर्यावरण के हिसाब से बात करू तो मैंने देखा पानी में हमारे यहां का जो तालाब है रानी सागर मैं बड़े भंडार से हूं तो वहां पर मछलियां मर रही थी यह

बहुत बड़ा सोचने का विषय है और इस तालाब पर हम लोग नहाते हैं कारण क्या हो सकता है आप सब लोग जानते हैं तो उम्मीद करता हूं इस पर काम होनी चाहिए और पर्यावरण की बात करेंगे तो यह भी देखने को मिलता है पेड़ की अगर हम बात करें सर तो अडानी पावर ने 2 लाख पेड़ लगाने का संकल्प लिया है यह केलो प्रवाह के माध्यम से मैंने पढ़ा था और 25057 ऐसा कुछ आंकड़ा है इतना पेड़ लगाए हैं मेरा गांव बड़े भंडार है तो यहां पर भी पेड़ लगाया होगा देखा वाकई में पेड़ लगाए गए थे और फोटो सेशन भी हुई फोटो सेशन के दौरान फोटो खींचा है पेड लगाए पानी दिए पेड़ को केवल जाने से ही काम नहीं चला कर पेड़ को बड़ा करना पड़ता अगर हम पेड़ को बड़ा नहीं करेंगे बस करते जाएंगे और दिखावा के नाम पर पेड़ को उगा देंगे यह औचित्य नहीं है उससे अच्छा है कि हम पेड़ ही ना लगे काटते जाएं। उसके बाद हम पर्यावरण पर बात करें तो वायु मैं कभी देखा नहीं कि मेरे गांव में एक ऐसा डिवाइस लगा हो अगर लगा है तो मैं नहीं बोल सकता मेरे को नहीं पता इसकी जानकारी नहीं है कि वह पर्यावरण वायु प्रदूषण है उसका मेजरमेंट करें और बताएं की इतना प्रदूषित है और इतना स्वच्छ है इसकी व्यवस्था होनी चाहिए आम पब्लिक को इसके बारे में पता चलना चाहिए कि आज यह पर्यावरण इतना खराब हो रहा है और हम इस वातावरण में सरवाइव कर रहे हैं। कोविड आया था हम सब ने देखा यहां पर मोबाइल सेवा भी स्वास्थ्य के लिए चालू की गई है और बहुत अच्छी बात है मैं इसमें कंपनी का धन्यवाद देता हूं जो अच्छा काम करें उसका मैं तहे दिल से स्वागत करता हूं लेकिन सर उसे मोबाइल से वह यूनिट में पेन किलर मिलता है लेकिन मैं बोलता हूं मेरे को पेन कर रहा है जेल दीजिए तो बोला जाता है आ रहा है मुंबई से आता है सामान मिल जाएगा लेकिन नहीं मिलता और क्या यह मुंबई से आएगा। वहां पर सर कुछ ही दवाइयां मिलती है केवल पेन किलर ही रहता है और सब ठीक है हमको उसने वादा किया था मैडम आप भी सुनिए उसने वादा किया था कि एक हॉस्पिटल, अस्पताल पर तो कम कर ही रहे हैं मेडिकल कॉलेज का वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है उम्मीद करते हैं कि यह पूरा करेंगे। मॉडर्न स्कूल हो गया कॉलेज हो गया और बहुत सारे ऐसे ऐसे वादे किए हैं जो अभी तक पूरे नहीं किए हैं। सबसे बड़ा मुद्दा है सर मैं समर्थन देने के लिए तैयार हूं सर लेकिन मुझे खरीद नहीं सकते मेरी आवश्यकताओं की पूर्ति करना आपका कर्तव्य है क्योंकि यह जो बड़े भंडार हैं यहा के ससाधनों का दोहन आप कर रहे हैं तो आपका फर्ज बनता है मेरी सारी आवश्यकताओं को देना हो सकता है मेरी कुछ आवश्यकता है पूरी हो गई मेरे को कुछ और जरूरत पड़े उसकी भी व्यवस्था आपको करनी है और यह आपका दायित्व है कि आप करेंगे बेरोजगारी भत्ता की आवाज आ रही है सर जो बेरोजगारी भत्ता है आज से बहुत पहले वादा किया गया था लिखित में है सर मेरे पास की बेरोजगारी भत्ता की प्रावधानता वह 2 साल के अंदर या 3 साल के अंदर ना दे तो आज सर इतने जो पीछे खड़े हैं यह अभी तक नौकरी नहीं कर रहे हैं तो पिछला जिस साल से जो वादा किया गया था उसके 2 साल बाद से आज तक का बेरोजगारी भत्ता क्या नहीं मिलना चाहिए तो देने

की कृपा करें सर उसके बाद यह लोग खुले दिल से समर्थन करेंगे। और उसके बाद आते हैं सबसे बड़ा चीज है मेरे से पहले कई बड़े–बड़े लोगों ने पर्यावरण पर बात की और डाटा भी पेश किया मेरे को डाटा की जानकारी नहीं है लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि मैं जितना बोला हूं उसे चीजों पर काम करेगी कंपनी। सर अमीरी और गरीबी दिखता ही है जो जाली के उस पार है और जो जाली के इस पार है आप देख सकते हैं इसमें अमीरी और गरीबी का फर्क। हम यहा पर खाना खाकर नहीं आए हैं सवेरे से कोई अपना समर्थन देने आया है कोई हो सकता है विरोध प्रदर्शित करने आया है यहां खाने की व्यवस्था हो सकती है मेरे को नहीं मालूम लेकिन होना चाहिए यह आपका कर्तव्य है अगर खाने की व्यवस्था होगी तो टेंट के उस पार जैसे एक चेयर लगा है टेबल लगा है कोई सर्व कर रहा है ऐसी व्यवस्था हो सकती है उनके लिए और यह होनी चाहिए कि नहीं होनी चाहिए तो यहां पर अमीरी और गरीबी दिखती है और यह भी हमारे मुद्दे हैं की हमको आपके जैसा बनना है और यह लड़ाई हमारी तब तक जारी रहेगी सर जब हम आपके जैसा नहीं बन जाते। आपके जैसा बनने का अर्थ यह नहीं है सर कि मेरे को एक अच्छा नौकरी मिल जाए। यहां एक स्कूल खोलना चाहिए यहां शिक्षा के क्षेत्र में सीएसआर बहुत अच्छा काम कर रहा है उसको भी मैं तारीफ करता हूं सर क्योंकि वह अच्छी चीज हैं जिनका आपके समर्थन करना चाहिए जो गवर्नमेंट स्कूल होते हैं वहां पर गवर्नमेंट स्कूल में टीचर प्रोवाइड कर रहा है हो सकता है सब डीएड बीएड वाले हो मैं तो नहीं था। सभी डीएड बीएड वाले होंगे तभी वह वहां पर पढ़ रहे हैं उसके बाद मैं देखता हूं जो उसे स्कूल में पढ़ा रहे हैं बस उतना में काम खत्म नहीं हो जाता कंपनी का कंपनी प्रबंधन यह ईनश्योर करना चाहिए यहां का हर एक घर का हर एक लड़का या हर एक लडकी शिक्षित हो और यह कंपनी को ईनश्योर करनी चाहिए इसके लिए वह कोचिग सेटर खोले मुफ्त शिक्षा हो तभी तो आपके जैसे आईएएस आईपीएस बड़े–बड़े अधिकारी बन पाएंगे सर। क्या आपको लगता है हम आपके जैसे आईएएस आईपीएस अधिकारी बन सकते हैं मैडम अगर आपको लगता है तो बिल्कुल स्वागत है अगर कंपनी सहयोग नहीं करें तो नहीं बन सकते क्योंकि हमारे पास आर्थिक स्थिति आर्थिक रूप से हम लोग मजबूत नहीं है हो सकता है हमारे बीच से भी कई लोग निकलेंगे आप जैसे लोग भी हमारे बीच से ही निकले हैं तो आपको समझनी चाहिए इसकी व्यवस्था कंपनी को करनी चाहिए और इसके लिए प्रशासन को इसकी व्यवस्था करवाने के लिए कंपनी के ऊपर प्रेशर ना चाहिए। मैं उम्मीद करता हूं कि कंपनी मुझे नौकरी देगी इस विरोध के बाद भी क्योंकि मैं विरोध इसलिए कर रहा हूं क्योंकि इन चीजों को उसने फुलफिल नहीं किया तो मैं उम्मीद करता हूं कंपनी मुझे अच्छा नौकरी देगी और उसके बाद उसका मैं समर्थन करूगा अभी मैं इसका समर्थन नहीं करता हूं इसका मैं पूर्ण रूप से विरोध करता हू मुझे उम्मीद है कि यह सारी चीज आप टाइप किए होंगे धन्यवाद ।

Asalu

171. सविता रथ – परम आदरणीय पीठासीन अधिकारी महोदया जिला पर्यावरण संरक्षण मंडल साहू जी जिला प्रशासन पुलिस विभाग के सारे साथी उपस्थित ग्रामीण जनप्रतिनिधि कंपनी प्रबंधन ईआईए बनाने वाले खासकर क्योंकि सारे घोटाले तो आप ही लोगों से हैं। पिछले 30 सालों से मैं रायगढ़ के स्थानीय हूं मेरे पूर्वज यहीं पर रहे और मैं लगातार रायगढ़ के पर्यावरणीय मुद्दों को लेकर जन जागरूकता समुदाय के साथ आदिवासी समुदाय के साथ महिलाओं के साथ युवाओं के साथ लगातार में काम करती रही हूं मुझे अनुभव है और आज जो यह पर्यावरणीय जनसुनवाई मैसर्स अडानी पावर लिमिटेड के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु जो आज जनसुनवाई क्या है। महोदया मेरी पहली आपत्ति दर्ज किया जाए कि आज की जो जनसुनवाई हो रही है एक तो लोगों के आने जाने के लिए रास्ता ही नहीं था बड़ी मुश्किल से बारिश में हम लोग यहां पर पता लगाने के बाद आए कहीं कोई सूचना नहीं कहीं कोई दीवार लेखन नहीं बहुत ही अंदरूनी तरीके से यहां इसको आयोजित किया गया है जो आसपास के क्षेत्र के लोग हैं उनको यहां तक पहुंचने में बहुत समस्या हुई है और मूल प्रभावित क्षेत्र से यह काफी दूर है। आदरणीय जिस तरीके से यह आज यह पूरी तरीके से पंडाल बनाया गया है यह बड़ा दुर्भाग्य जनक है कि आज हम जहां खड़े हैं इस पंडाल में घुसने के लिए तीन राउंड मेरे को पंडाल में घूमने पड़ा था की गेट कहां है बारिश हो रही थी। आपको किस बात का डर है आप पर्यावरणीय मुद्दों पर लोगों को राय ले रहे हैं और इतना व्यवस्था कर रहे हैं कौन से लोग यहां आपको आतंकवादी नक्सली और बहुत अपराधिक प्रवृत्ति के सोच रहे हैं क्या हमारे छत्तीसगढ़िया लोगों को तो भूल जाइए यहां पर बहुत शांत है इतना खर्चा इतने बड़े पंडाल डबल डबल बैरिकेट्स लगाकर कल को कोई घटना दुर्घटना होती है तो निकालकर जाना भी चाहे तो आपकी मेहरबानी से इस व्यवस्था से निकल नहीं सकता है इसके लिए बडी आपत्ति है मेरे को और मेरी आपत्ति दर्ज करें कि जनसुनवाई को अपने अचानक ही एक बहुत बड़ा साफ सुथरा जनसुनवाई करवाने के बजाय अजीब से डर का माहौल आपने ऐसे बंद टेंट लगवा कर दम घुटने वाले व्यवस्था करें हैं जिसको देखकर स्थानीय जो लोग हैं उनकी समझ से परे हैं कि हम किस रास्ते से जाएंगे किस रास्ते से गुजरेंगे तब हमारे साथ किसी प्रकार की दुर्घटना हो जाती है तो इस तरीके के व्यवस्थाओं के लिए हम विरोध करते हैं जिसके लिए स्थानीय व्यक्ति खुलकर अपनी बात नहीं रख पा रहा है डर कर अगर मेरे को यहां से निकालना पड़े जाना पड़े तो मेरे लिए सही जगह नहीं है। मैं मेसर्स कोरबा वेस्ट प्राइवेट लिमिटेड जो आज जनसुनवाई अडानी का कर रहे हैं इसको मैं कई लोग बोले कोरबा वेस्ट भी लिखा है गलती से क्योंकि सही प्रथम नहीं है की वर्तमान में आज के डेट में किसका मालिक कौन है मालिकाना हक किसके पास है यह नहीं मालूम है लोगों को आज करिए पर्यावरणीय जनसुनवाई ईआईए अधिसूचना 2006 लिखा है यकीन मानिए ईआईए क्या है इसकी अधिसूचना 2006 क्या कहती है उसके बाद के संशोधन के अंतर्गत कौन–कौन से संशोधन है गज़ट कितने लोग इस क्षेत्र में पढ़ें हैं यह मुझे नहीं मालूम कैसे मिलेगा कहां उपलब्ध होगा जो मेरे को नहीं मालूम। दूसरा मेरी

बड़ी आपत्ति है जो पंडाल के बाहर हैं वह अनुमति देने वाले स्वीकृति देने वाले लोग हैं द्रोपदी की तरह बाहर तकलीफ में हम बिना पानी के खड़े हैं और जिनको चाहिए वह हमारे मालिक बगल में एसी में बैठे हैं इधर भी और उधर भी ताजुब की बात है यह पंडाल यहां के जज और पीठासीन अधिकारी के लिए है जो एक समूह मांग करता है अपने मुद्दों को दूसरा समूह उसमें स्वीकृति अस्वीकृति उसके तमाम पर्यावरणीय मुद्दों को लेकर सामाजिक प्रभाव आकलन को लेकर के वह अपनी बात रखेगा तो यह वाला पार्ट इन साथियों के लिए कर देते यह वाला पार्ट हम लोगों के लिए कर देते हैं आपके सामने हम दोनों तो बराबर हुए ना आप जज हैं वह मांगने वाले हैं और हम देने वाले हैं हम दोनों को बाहर एक कैटिगरी में क्यों नहीं रखा है उनका पूरा वी.आई.पी. ट्रीटमेंट देने की क्या आवश्यकता है अगर वी.आई.पी. ट्रीटमेंट दे दिए तो आपका फैसला कैसे निष्पक्ष होंगे मैडम। हम देने वाले लोग बाहर हैं हमारे लिए सुविधा नहीं है कोई व्यवस्था नहीं है उनको अपने बड़े अच्छे से रखा है वहां ज्यादा होगा तो ईआईए कंसल्टेंसी को बैठाते ईआईए बनाया है कब बनाया है भैया आया क्या 20 किलोमीटर के रेडियस के अंदर जो भी पर्यावरणीय प्रभाव सामाजिक प्रभाव आकलन होने थे उसके डाटा को आपको डालना था कितनी आंगनवाड़ी केंद्र प्रभावित होगी कितनी गर्भवती महिलाएं प्रभावित होगी मांड नदी की दूरी आपकी क्या है टोपोशीट क्या है क्या बोलता है आपका टोपोशीट आप बताइए आप यह पुरी जनसुनवाई किए हैं आप बोल रहे हैं ईआईए अधिसूचना 2006 आपको बता दूं यह 14 सितंबर 2006 के जिस मुद्दे को लेकर यहां पर पर्यावरणीय जनसुनवाई किया जा रहा है उसे विषय पर लगभग जिला प्रशासन कहीं नहीं यह कहा है केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना 14 सितंबर के तहत उद्योग के जमा करने के 45 दिवस के अंदर यह जनसुनवाई हो जाना चाहिए थे। मैडम आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि हम लोगों को बोलते हैं मुद्दे में आइये तो हम मुद्दे में आ रहे हैं कि आज की यह जनसुनवाई है यह क्यों अवैध है यह जनसुनवाई क्यों निरस्त हो जानी चाहिए उसका पॉइंट टू पॉइंट मैं आपको बता रही हूं आप लोग भी सुनिएगा ईआईए तो मैं काफी गहराई से पढ़ी हूं। यह 45 दिनों के बाद हो रही है क्यों हो रही है यह डेट है पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना 2006 जो यह लिखा है इस पर एकदम मुद्दे से नहीं भटक रही हू। ईआईए 2006 को 14 सितंबर 2006 1994 के स्थान पर जारी किया गया है या अधिसूचना पर्यावरणीय संरक्षण अधिनियम 1986 साहू सर ध्यान देंगे कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रासंगिक प्रावधानों का खुला उल्लंघन आज आपने किया है यह जनसुनवाई आयोजित करवा के क्योंकि अगस्त 2023 के सरकारी बैठक के मिनट्स को शायद आपने नहीं पढ़ा है मैंने पढ़ा है मैं पढ़कर आई हूं उनके मिनिट्स कहते हैं की 600 मेगावाट इकाई पर निम्नलिखित अनुमति का विवरण लागू होते हैं तो क्या–क्या विवरण लागू होते हैं। प्रस्ताव जी 1301257 2008 आई 113 दिनांक 20 05.10 और इसके बाद के संशोधन दिनांक 16.04.2015 और दिनांक 26.11.2019 और दिनांक 30.07.2020 इनवायरमेंट क्लीयरेंस का हस्तांतरण दिनांक 22 10 2019 और यह हस्तांतरण क्या है कोरबा वेस्ट से अडानी

Asahu

पावर इसके बाद वैधता के साथ सचालन की सहमति प्रदान की गई थी। यूनिट का सिंक्रोनाइजेशन जो अक्टूबर 2013 में हुआ और भारत केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने प्लांट मार्च 2014 को चालू होने के रूप में सूचित किया है और मार्च 2018 में इस संयंत्र को रीड़ के आकार के भारतीय संसदीय पैनल की रिपोर्ट में 34 संकटग्रस्त की सूची में जोड़ा गया था। प्रस्तावित विस्तार 17 मार्च 2016 को कोरबा पश्चिम को पावर स्टेशन 800 मेगावाट की दो यूनिट जोडने के लिए शर्तें करते हैं जो प्राप्त हुई वह है जे 13012 12.02.2016 यह यूनिट सुपर क्रिटिकल होगी और घरेलू कोयले से ही ईंधन मिलेगा यह उनके स्वीकृत मिनट में किया है ऐसे में जून 2020 तक इस परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी मिल जानी चाहिए थी। आज आपसे जो जनसुनवाई करवा रहे हैं आज की जो तारीख है 12.7.2024 मतलब 3 साल पहले इस परियोजना की जो जनसुनवाई होनी थी और जून महीने 2020 में होनी थी जो ईआईए आज यहां रखा गया है वह 2 जून 2020 के उसे सर्वे डाटा के ईआईए के अनुसार जनसुनवाई आयोजित की जो कोरोना के कारण जनसुनवाई नहीं हो पाई और वह जनसुनवाई के जितने भी डाटा थे 3 साल पुराने हैं आपको जनसुनवाई करवानी थी 45 दिनों के अंदर आवेदन के यह ईआईए अधिसूचना 2006 14 सितंबर यही कहती है तो आपको बता दूं कि 3 साल पुराना जो ईआईए है आज के वर्तमान में रायगढ की पर्यावरणीय संदर्भ में और सामाजिक संदर्भ में पूरी तरीके से वह फिट नहीं बैठेगी चाहे आप हवा के स्तर को देख लीजिए भूगर्भ जल देख लीजिए यहां के जैव विविधता और हम क्लाइमेट चेंज नहीं क्लाइमेट क्राइसेस से भी गुजर रहे हैं हम केवल एक तरफ जिस तरीके से छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी ने कहा है 10 दिन पहले की आप 2.0 पोर्टल के तहत 16 विभाग को ऐसे उद्योगों को जिन्होंने अनुमति देने के लिए एक पोर्टल किया है सारे ऑनलाइन करने हैं यहां तक आपकी फीस भी ऑनलाइन करनी है साहब हम बेरोजगारों के लिए भी तो ऑनलाइन पोर्टल जारी कर दो कभी यहां के पेयजल के नुकसानों के जाच के लिए पोर्टल जारी कर दो कभी यहां के वन्य जीव और यहां के वन्य संसाधन और वन्य खाद्य पर होने वाले व्यापक पैमाने पर अनुकूल प्रभाव के लिए तो पोर्टल जारी कर दो साहब ताकि हम ऑनलाइन जाकर अपनी शिकायत करें ऑनलाइन उसे बात का आप हमको मदद करो। आप बताइए इस जनसुनवाई का ड्यू डेट 3 साल पुराना है और जनसुनवाई आज हम कर रहे हैं यह जिला प्रशासन की बेहद लापरवाही है खासकर पर्यावरण संरक्षण मंडल की बड़ी लापरवाही है आज की जनसुनवाई को तत्काल निरस्त करके कृपया आप लोग नई ईआईए बनाइए पूरे तीन माह में आपका चाहे वर्ष के समय का हो आपका शीतकालीन समय हो आपके गर्मी के मौसम में क्या स्थित है ध्वनि का मृदा का यहां के भूजल की स्थिति क्या है यहां का जैव विविधता क्या करती है यहां के जो वन्य खाद्य और पारंपरिक भी है आज जो अनाज है वह क्या कहती है कितने और आसपास उद्योग हैं 20 किलोमीटर की परिधि में उन सब का क्षेत्र कितना आता है क्या यह तमाम चीज किया है बिल्कुल नहीं किया है तो यह पूरी तैयारी युक्त जनसुनवाई नहीं है तो कृपया पूरी तैयारी युक्त जनसुनवाई

आयोजित करें और उसके बाद ईआईए बनाए, कब ईआईए बनी कोई भी आसपास के लोगों को कोई सूचना नहीं है 20 किलोमीटर की परिधि में कि हमारे गर्भवती महिलाओं पर क्या असर होगा हमारे युवाओं के स्वास्थ्य की जांच की कोई सीमा नहीं है यहा तक की एक बड़ा दुखद घटना घटा बड़ा खराब लगा एक जो आदमी की मा आई थी उड़िया भाषा मे उन्होंने अपना बताया यह पूरी तरीके से राजस्व के मुद्दे हैं जमीन के मुद्दे हैं ऐसे मुद्दों को जो वह कितने मुश्किल से यह बारिश में खराब मौसम में आप तक आई एक बड़ी आशा लेकर कि आप उसके राजस्व के मुद्दो को निपटान करें क्यों नहीं एक दो दो भाषा अपने यहां रखा कोई छत्तीसगढ़ी में बोल रहा है कोई उड़िया में बोल रहा है तो उसको अगर हमारे प्रशासनिक अधिकारी अगर नहीं समझ पाएंगे तो समस्या का समाधान कैसे होगा तो कृपा करके उसे स्पेशल मांग के लिए एक आदेश अभी कर दीजिए की राजस्व उनके जमीन के मुद्दों पर कैसे करेंगे कौन अधिकारी आप अभी आदेश कर दीजिए उनका घर जाए उनके जमीन पर जाएं क्या मुद्दा है उनकी समस्याओं को समझें और हमेशा एक जनसुनवाई में द्विभाषिया, त्रिभाषिया को आपको नियुक्त करना चाहिए जो आपने उनकी कोई बात नहीं समझा है यह मालूम है उसके बाद आप उसको बोल रहे थे कि मुद्दे में आई है मुद्दा ही उसकी जमीन है उसका जीवन है उसके आने वाले बुढापे का सहारा था और वह जमीन कहीं ना कहीं अटका हुआ है तो जैसे आप जनसुनवाई करते हैं मैडम तो आपको राजस्व अमला स्वास्थ्य अमला के साथ एक शिविर लगाना चाहिए कि राजस्व के प्रकरण कहां–कहां अटके हैं कहां–कहां लंबित हैं इस पार्टिकुलर संबंधित परियोजना से उसको क्यों ठीक नहीं किया जाता है इतना सारा राजस्व का अमला है जिसको चवन्नी किसी भी कंपनी से आप लोगों ने बिना काम के उनको लाते हैं इस कंपनी का जो मुद्दा है वह घरेलू जलाउ कोयला और कोयला चलेगा तो उनके पास कोई फ्लाई ऐश का प्लान नहीं है ना ही ईंट भट्टा बनाने का कोई प्लान है और देखिए पूरे 17–18 किलोमीटर में यहां फ्लाई ऐश बिखरा हुई है। आपको बता दूं कि 33 प्रतिशत ग्रीन बेल्ट के विकास के लिए यह बोल रहे हैं 600 मेगावाट बिजली उत्पादन में प्रतिदिन 33 टन यानी हर माह 1 लाख टन फ्लाई ऐश निकलेगा कैसे करेंगे कहा जाएगा वह फ्लाई एश खेतों में जा रहा है लोगों की शिकायतें कहां पर शिकायत करेंगे क्या पर्यावरण संरक्षण मंडल कोई ऐसा यूनिट कोई कार्यालय चलित मोबाइल सेवा किया है जैसा पुलिस ऑफिसर करते हैं अपराध को कंट्रोल करने के लिए तो क्या यह पर्यावरणीय अपराध हम नहीं कर रहे हैं कि हम यहां के फ्लाई ऐश को गंदे पानी औद्योगिक कचरा को हम नदियों में डाल रहे हैं माड नदी मे फ्लाई ऐश पडा है लोगों के निजी जमीनों में खेतों में फ्लाई ऐश पड़ा है आपके गोचर सब जगह मे आप फ्लाई ऐश डालते हैं तो इस उद्योग को अगर आप अनुमति देते हैं तो बाकी क्या यहां के गांव के घरों के बीच में फ्लाई ऐश डाला जा रहा है तो फ्लाई ऐश निपटान का आपका 800 गुणा दो के विस्तार का जो 2200 मेगावाट बिजली का उत्पादन किए जाने में और जो 12000 औसतन का फ्लाई ऐश निकलेगा उसको क्या करेंगे उसको पहले क्यों व्यवस्थित नहीं करने की

योजना है। किसी भी ईआईए मे या किसी भी परियोजना में अनुमति से पहले उसके अंदर जो चुनौतियां आएंगी उसे चुनौतियों के निपटान के लिए होमवर्क क्या है हमारी एक अपनी व्यवस्था क्या है क्या करेंगे हम इतने सारे राख का और आपको बता दूं कि यहां पर एक चीज मैं आपको और बता रही हूं कि यह जो फ्लाई ऐश है मजाक नहीं है इसमें होता क्या है फ्लाई ऐश जो हवा में सांसों में घुलेगी पेयजल में घुलेगी गर्भाशय आपके ग्रामीण महिलाओं की जो खुले में शौच करने के दौरान जो गर्भाशय कैंसर के बड़े कारण हैं आपकी सांसों में फ्लाई ऐश में जो हैवीवेट पदार्थ निकलेगा उसमें एल्युमिनियम लेड के कण मरकरी के कण ऐसे करके तेरह धातु आपको फ्लाई ऐश में मिल जाएगा जो आपके मिड डे मील क्योंकि कितने स्कूल इसमें प्रभावित होंगे नहीं है डाटा सर्वे नहीं हुआ है। ईआईए बनने की प्रक्रिया को आपको बता दूं अगर नहीं जानते होंगे यहां तो ईआईए के लिए किसी कंपनी आवेदन करती है तो वह ईआईए बनाने से पहले बनता है एसआईए सोशल इंपैक्ट एसेसमेंट रिपोर्ट इसको कहा जाता है हिंदी में सामाजिक प्रभाव आकलन यह जो मुख्य रूप से उद्योग या कंपनी या खदानें बड़ी परियोजना चाहे कुछ भी हो इस परियोजना से आसपास के क्षेत्र और समाज को किस तरीके से समाज में प्रभाव पड़ेगा अच्छा प्रभाव पड़ेगा बुरा प्रभाव पड़ सकता है वह क्या है वह कौन है वह प्रभाव समाज के अंदर इसीलिए जब आप ईआईए बनाने से पहले आपको ग्राम सभा से अनुमति लेना पड़ता है कि हमें एफजीडी करना है हमें इंटरव्यू करना है हमें डाटा कलेक्ट करने के लिए आपके यहां के चारों दिशाओं के मिट्टी पानी हवा के लिए हमें मशीन लगाना पड़ेगा उसके लिए विषय विशेषज्ञ आएंगे कोई 12वीं फेल आर्ट्स विषय का नहीं रहेगा वह आपके जो विषय विशेषज्ञ हैं वह आएंगे यहां के वनस्पति में क्या असर होगा और यह कौन लोग हैं जो स्टडी करेंगे कितने दिन करेंगे और ग्राम सभा के लोगों को उसमें शामिल करेंगे और जिस दिन समाज के अंदर जो उनके आर्थिक सामाजिक राजनीतिक पारंपरिक के प्रभाव के डाटा को जब तक आप व्यवस्थित नहीं कर पाएंगे और ग्राम सभा में उसके ड्राफ्ट ईआईए एफजीडी का मतलब होता है फोकस ग्रुप डिस्कशन उसमें आप कुछ, कुछ छोटे समूह से बात करते हैं कि क्या स्थिति रही है आपकी खाद्य सुरक्षा क्या है आपके स्वास्थ्य संबंध क्या है आप कहां से दवाई लेते हैं कहां से आपका वर्ष भर खाना आता आपके रोजगार के मूल स्रोत क्या है आपके जल स्रोत क्या है यहां बीमारी किस–किस मौसम में क्या होता है आपके बाजार क्या है आपकी हस्तकला क्या है यह सारे डाटा जब आप कलेक्ट कर लेते हैं आप ग्राम सभा में रखते हैं ग्राम सभा उसको सुनती है उसे ड्राफ्ट आया को जो भी कमी बेशी रहेगी तब जाकर वह ऐसा ही है को आपको एसआईए को दिया जाता है इसके बाद ग्राम सभा में अनुमति प्राप्त करने के बाद आप लोगों के जो रिपोर्ट हैं उसे रिपोर्ट में जिला कलेक्टर साहब तीन लोगों की स्वतंत्र कमेटी बनाई जाती है तीन स्वतंत्र कमेटी में आप लोगों को वहां पर कोई रिटायर्ड जज हो विषय विशेषज्ञ हो स्वतंत्र रहे वह उसे रिपोर्ट में एसआईए रिपोर्ट को जांच करती है अगर वह तीनों महानुभाव उसे कमेटी के लोग अगर एसआईए को क्लीयरेंस दे देते हैं तब आपको ईआईए

बनाने की अनुमति मिलती है इसका उत्तर उसका उत्तर इसका पेस्ट उसका पेस्ट थोड़ी निकलते हैं कभी हमारे साथ लिए मिलकर बनाते हैं ईआईए तरीके से क्या होता है ईआईए है आपको भी बताते हैं। आपके यहां जिला पर्यावरण अधिकारी महोदय आप जो यह बड़ी–बड़ी परियोजनाओं को अनुमति दे रहे हैं आपके पास मूल्यांकन करने के लिए एक भी कर्मचारी नहीं है कौन उद्योग कौन कंपनी क्या कब कहां क्या कांड कर रहा है अगर है तो बता दीजिए नहीं है हमारा यहां इतना इफ्रास्ट्रक्चर नहीं है इतनी कोई व्यवस्था नहीं है इतना कोई मानव जो वह है ताकत वह है वह नहीं है कि किसी भी उद्योगों को जनसुनवाई करने के बाद देने के बाद उसको मूल्यांकन कर पाए आपको मालूम है कि देश की जब हम खाना भी पकाते हैं, तो चावल को दो–तीन बार दबाकर देखते हैं, कि पका है कि नहीं और आप तो यहां जनसुनवाई के ऊपर जनसुनवाई करवा दे रहे हैं अपने डेचकी के भात को जलने छोड़ देने जैसे, ऐसे जनसुनवाई का कोई महत्व नहीं है। आदरणीय आपको बता अड़ानी रायगढ़ थर्मल पावर वर्तमान में जो फ्लाई ऐश रेंक रही है, इनके द्वारा ग्लोबल एनर्जी मॉनिटर का जो परियोजना संबंधित है ग्लोबल कोल माइनिंग, वैश्विक कोयला परियोजना वित्त ट्रेकर सब इनके ईआईए में विस्तार से दिया गया है। लेकिन हमको कौन पढ़ कर समझायेगा यहां की प्रभावित जनता को कौन पढकर समझायेगा और आपको कौन समझायेगा ना आपके पास लैब है, ना लाइब्रेरी है, ना कोई रिपोर्ट है ना आपका कोई प्रचार–प्रसार है और ना ही ईआईए को लेकर आपका कोई ट्रेनिंग परियोजना है जिससे हम समझ सकें। अभी जिस परियोजना को हम 50 सालों तक नहीं समझ सकते उसे क्यों अनुमति देना ? आपको पता होगा आप राजस्व अधिकारी हैं मालकिन हैं किसी आदिवासी जमीन डायवर्सन में 10 साल सोचने का टाईम दिया जाता है कि तुमको जमीन में करना क्या है सोच लो, वहीं स्थिति यहां है जो जनसुनवाई आज हो रही है उसे हमें समझने तो दीजिए कि हमने क्या खो दिया क्या खो रहे हैं और क्या खोने वाले है ? हमको तकनीकी भाषा और वैज्ञानिक शब्द स्कूल कॉलेज हमारे सिलेबस में पढ़ाइये न कि हमको ईआईए समझ में आ जाए, हमको एसआईए समझ में आ जाए, हमको जनसुनवाई समझ में आ जाये। अभी हमारे पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, तो ऐसी जनसुनवाई को सीधे निरस्त किया जाए। ईआईए को लेकर मैं लिखित में ऑब्जेक्शन डाल रहीं हूं आगे मिलेंगे कहीं तो मिलेंगे। मैं आपको बार–बार निवेदन करती हूं जिस पर आप ध्यान नहीं देते मैं आज भी निवेदन कर रही हूं कि जो पुलिस बल आये हुये हैं उनको आज सुनवाई का पद अनुसार उनको एक दिन का अतिरिक्त भत्ता दें। आपको बता दूं कि राहुल शर्मा और हर्षवर्धन बाद में तारन साहब इतने ऐतिहासिक आईएएस अधिकारी रहें कि आपको जनसुनवाई में जो खाना मिल रहा है वो स्व0 राहुल शर्मा की मेहरबानी है वरना कोई पानी तक नहीं पूछता था। आज जो जनसुनवाई हो रही ये पुलिस बल पर अतिरिक्त कार्य है, पुलिस बल उद्योगों की चौकीदार थोड़ी है, जो उनको अतिरिक्त सुरक्षा दें। मेरे को मालूम है पर्यावरण संरक्षण मण्डल ये जो शानदार पाण्डाल बनवाया है, ऐसा पाण्डाल लोगों की बर–ब्याह में तैयार नहीं होता

है, इसका पैसा मुझ गरीब के टैक्स के पैसों से आता है, तो मेरे टैक्स के पैसों को ऐसे आग ना लगाईये और जो पुरूष पुलिस बल है उनको 01 दिन का अतिरिक्त भत्ता तथा महिला पुलिस बल को 1.5 दिन का अतिरिक्त भत्ता करके जाईये आपका नाम भी इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षर से लिखा जायेगा क्योकि – मैडम इन दिनों आप मालिक हैं बाजार की, जो भी चाहे वो कीमत हमारी रखें आपके पास अधिकारों की फैहरिस्त है, सब पे दस्ते करम बारी बारी रखें। आज की जनसुनवाई का घोर विरोध करते हुये और और गलत समय जो जनसुनवाई हो रहा उसका मै लिखित और मौखिक आपत्ति करती हूं और ऐसे ईआईए बनाने वाले संस्थाओं के प्रति आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग करती हूं। जय हिंद.....जय भारत..... जय छत्तीसगढ़.....शुक्रिया.....

172. मुकेश कुमार चौहान, रायगढ़ – ये चार गांव छोटे भण्डार, बड़े भण्डार, सरवानी और अमलीभौना को अडानी पावर ने गोद लिया है, तो आज तक ना इसमें हॉस्पिटल की व्यवस्था है ना ही सड़क की और ना ही यहा की बेरोजगार जनता को भूमि के बदले नौकरी दिया गया है। यदि उद्योग द्वारा भूमि के बदले नौकरी नहीं दिया जाना था तो भूमि के बदले प्रतिमाह पैसा देने पर भी जनता द्वारा उनको भूमि दे दिया जाता। लेकिन उद्योग द्वारा जनता को कोई सुविधा नहीं दी जा रही है यहा मेरे भाई–बहन सुबह से खडे हैं, लेकिन उनको अभी तक नास्ता भी नहीं दिया गया है। 9–10 साल भूमि लेने के बाद भी नौकरी नहीं दिया गया है, तो जनसुनवाई का क्या महत्व इसलिये मैं इस जनसुनवाई का विरोध करता हूं। मेरी प्रशासन से अपील है कि इस जनसुनवाई को रद्द किया जाये। मैं पूर्ण रूप से अडानी पावर का विरोध करता हूं। जय छत्तीसगढ़.....छत्तीसगढ़ महतारी की जय.....
173. जमुना – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
174. सरस्वती रजक – मैं बहुत गरीब हूँ मेरे बच्चे को मेहनत करके पढ़ाई हूँ उनको कुछ दिलवाइये।
175. गीता, बुनगा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
176. शकुंतला, बुनगा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
177. समुनदाई, बड़े भण्डार – अडानी कम्पनी जितना वादा किया था उनको पूरा नहीं करने तक मैं उसका विरोध करती हूं। पढ़े–लिखे को रोजगार, स्कूल, हॉस्पिटल, रोड़, पानी सब की व्यवस्था करने का वादा किया गया था। इसलिये विरोध करती हूं।
178. जानकी – कंपनी का विरोध करती हूं।
179. कृतबाई – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
180. रूकमणी, बुनगा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
181. शांति, बुनगा – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
182. लक्ष्मी बाई – कंपनी का विरोध करती हूं।

183. पदमा – कंपनी का विरोध करती हूं।

184. लीलाबाई – कंपनी का विरोध करती हूं।

185. खीरबाई – कंपनी का विरोध करती हूं।

186. मालती – कंपनी का विरोध करती हूं।

187. जमुना चौहान – कंपनी का विरोध करती हूं।

188. सावित्री बाई – कंपनी का विरोध करती हूं।

189. बोधमती, बडे भण्डार – कंपनी का विरोध करती हूं।

190. यशोदा – कंपनी का विरोध करती हूं।

191. डोलबाई, बड़े भण्डार – कंपनी का विरोध करती हूं।

192. लता निषाद – कंपनी का विरोध करती हूं।

193. घुनाई सिदार – कंपनी का विरोध करती हूं।

194. नर्मदा, बडे भण्डार – कंपनी का विरोध करती हूं।

195. विनिता साव – कंपनी का विरोध करती हूं।

196. कमला, बड़े भण्डार – कंपनी का विरोध करती हूं।

197. बसती सिदार, बड़े भण्डार – कंपनी का विरोध करती हूं।

198. लखनबाई निषाद – कंपनी का विरोध करती हूं।

199. अहिल्या सिदार – कंपनी का विरोध करती हूं।

200. जानकी सिदार – कंपनी का विरोध करती हूं।

201. सुशीला – कंपनी का विरोध करती हूं।

202. अश्वनी कुमार, कोकड़ीतराई – जय छत्तीसगढ मोर छत्तीसगढ़ महतारी के जय.....ये छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ियों का है किसी के बाप का नहीं। कम्पनिया में स्थानीय निवासियों को 70 प्रतिशत नौकरी का नियम है जबकि कम्पनी स्थानीय निवासियों को छोटा छोटा नौकरी देते हैं और बैनर में ओपी चौधरी के नाम के साथ माटी पुत्र लिखा होता है, यदि वह माटी पुत्र है तो आज क्यों नहीं आया वह माटी पुत्र नहीं पार्टी पुत्र है। जो लोग इतना डस्ट और केमिकल खाकर भी कम्पनी का समर्थन कर रहे उनको इतना ही डस्ट और केमिकल खाने का शौक है तो मैं उनके घर ट्रेक्टर भर भर के डस्ट पहुंचा दूंगा। टाईम बहुत हो गया है इसलिए मैं इतना ही कहूंगा और अडानी कम्पनी का विरोध करता हूं।

203. हरिओम जायसवाल, सरवानी, बरगड़ – मैं यह पूछना चाहूंगा कि छत्तीसगढ़ियों के साथ क्यों भेदभाव किया जा रहा है, बाहरी लोंगो को 20 हजार दिया जा रहा है, तो स्थानीय निवासियों को क्यों 10 हजार दिया जा रहा है? मैं अभी आ रहा था, तो देखा धुआ उड रहा है, यदि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल इस

कम्पनी को सहमति देगा तो मैं छत्तीसगढ़ क्रांति सेना का प्रतिनिधि होने के नाते इसका विरोध करूंगा। आप लोग इसका जांच कीजिए न क्यों नहीं कर रहे है? अभी मेरे को रास्ते में पान ठेला वाले ने बताया कि 2–4 लोग कम्पनी से पैसा लेकर उसका समर्थन कर रहें हैं। लेकिन हमको क्या हम तो बाहर के रहने वाले हैं। इसलिए मैं विरोध कर रहा हूं।

204. गणेशी, बड़े भण्डार – कंपनी का विरोध करती हूं।
205. गंगाबाई, बड़े भण्डार – कंपनी का विरोध करती हूं।
206. सावित्री, बड़े भण्डार – कंपनी का विरोध करती हूं।
207. रामबाई – कंपनी का विरोध करती हूं।
208. जानकी बाई – कंपनी का विरोध करती हूं।
209. ललिता गुप्ता – कंपनी का विरोध करती हूं।
210. रूकमणी – कंपनी का विरोध करती हूं।
211. मालती सिदार – कंपनी का विरोध करती हूं।
212. पुष्पा – कंपनी का विरोध करती हूं।
213. तारा बाई – कंपनी का विरोध करती हूं।
214. ननकी बाई – कंपनी का विरोध करती हूं।
215. ननकुंवर – कंपनी का विरोध करती हूं।
216. मंगली सिदार – कंपनी का विरोध करती हूं।
217. मुनुदाई सिदार – कंपनी का विरोध करती हूं।
218. कमला सिदार – कंपनी का विरोध करती हूं।
219. हेमकुमारी निषाद – मेरा पति कंपनी में था पी.एफ नहीं दिया है। कंपनी का विरोध करती हूं।
220. नवाबाई सिदार, अमली भौना – कंपनी का विरोध करती हूं।
221. ओमप्रकाश, बड़े भण्डार – भारत माता की जय.....छत्तीसगढ़ महतारी की जय.....मोर गांव के माटी की जय मैं आज की जनसुनवाई में आये अधिकारियों का नमन करता हूं, यहां उपस्थित सभी लोगों कीट पक्षियों, पेड और पर्यावरण का हार्दिक स्वागत करता हूं। मैं स्वय प्रत्यक्ष प्रभावित परिवार से हूं मैं भू विस्थिापित परिवार का सदस्य हूं। सबसे पहले मेरा विरोध दर्ज कीजिए। यहां पर पर्यावरण की जनसुनवाई है मैं बात नहीं करूंगा कि 800 मेगा वॉट की प्लांट लगने के बाद यहां की क्या हाल होगी मैं बात करूंगा यहां पर 600 मेगा वॉट का जो प्लांट लगा है, उससे पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। आप लोग सभी आज अपने घर से निकल कर यहां आये होंगे क्या किसी को यहां कोई तितली, गौरेया या कोई कौआ दिखा? आप लोग यहां बाई रोड आये होंगे रोड में जो इतना फ्लाई ऐश और कोल डस्ट पड़ा है उसका जिम्मेदार

कौन है? मैं कंपनी प्रबंधन से कहना चाहूंगा कि आपने प्लांट में काम करने वालों को डस्ट से बचने के लिये कोल मास्क दे दिया बाहर रहने वाले इस कोल डस्ट में सांस लेने वाले लोगों को क्या सिलिकोसिस जैसी बिमारी का खतरा नहीं है। हमारी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है। इसलिए मैं इस कंपनी का पुरजोर विरोध करूंगा। प्लांट से निकलने वाले सल्फर डाई ऑक्साइड और कार्बन डाई ऑक्साइड वायुमण्डल में जाकर अम्ल वर्षा करा रहे हैं क्या इससे हमारी स्वास्थ्य खराब नहीं होगी? प्लांट से निकलने वाले डस्ट से आसपास के गांव के फसलों में पॉलीनेशन ठीक से नहीं होने के कारण फसल भी खराब हो रही है। पर्यावरण के मुददे पर बहुत बोला जा चुका है, मेरे द्वारा कलेक्टर सर के माध्यम से 8 जुलाई को हमारे पीडा से आपको अवगत कराने की कोशिश की थी, शायद आप लोग उसको नहीं पढ़े होंगे तो मैं अनुमति चाहूंगा कि हमारी पीड़ा को आपके सामने अवगत करूंगा। महोदय आज से पहले 2 जनसुनवाई हो चुकी है और प्रशासन द्वारा कंपनी तथा ग्रामीणों के मध्य आपसी समझौता भी कराया गया था। उस आपसी समझौता के सारांश से मैं आपको अवगत कराना चाहूंगा, उसमें स्पष्ट रूप से लिखा है, कि प्रभावित परिवार के सदस्य को नौकरी पर रखा जायेगा एव अन्य को भी रोजगार दिया जायेगा जो आज तक पूरा नहीं किया गया है और दूसरा बिंदु कि यदि कंपनी रोजगार उपलब्ध कराने में असमर्थ होती है, तो प्रभावित परिवार के सदस्य को बेरोजगारी भत्ता देगी आज दिनांक तक एक भी व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता उपलब्ध नहीं कराया गया है। पिछले जनसुनवाई में इन्होने हमारी सुविधा के लिए सर्वसुविधा युक्त हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज खोलने की बात कही थी जो आज तक नहीं खुला है। इसलिए मैं कंपनी का विरोध करता हू। हमारे बच्चों के शैक्षिक भविष्य के लिये एक मॉडर्न स्कूल खोलने की बात कहीं गयी थी। जो आज तक नहीं खुला है। इसलिए मैं कंपनी का विरोध करता हूं। हमारे बच्चों को रोजगार देने के लिये आईटीआई या उसके समकक्ष शिक्षा देनी की बात कही गयी थी, जो कहीं लापता हो गयी है। इसलिए मैं कंपनी का विरोध करता हू। हमारे बच्चों एवं हमारे शारीरिक व्यायाम के लिये इन्होंने एक खेल मैदान बनाने की बात कही थी जो आज तक नहीं बना है। इसलिए मैं कंपनी का विरोध करता हूं। काटे गई वृक्षों और उनके कारण जो हमारी जमीन डूब रही है फ्लाई ऐश इसके कारण हमारे फसल नहीं हो रहे हैं इसकी मुआवजा देने की बात की गई थी आज तक एक किसान को मुआवजा नहीं मिला है इसलिए मैं इनका विरोध करता हू। सड़क में देखेंगे फ्लाई ऐश गिरा हुआ है इसका कारण है यह लोग फ्लाई ऐश का सही निपटान नहीं कर रहे हैं। खुले वाहन में इनका परिवहन हो रहा है बंद वाहन में ले जाने की बात हुई थी इसलिए मैं इन का विरोध करता हूं। हमारे गांव परिवार और पंचायत के लिए इन्होंने मूलभूत पूर्ति की बात कही थी यह काम इन्होंने नहीं किया है इसलिए मैं इनका विरोध करता हूं। यह बात आपके समक्ष मेरे गांव के समक्ष कहा गया था। 16 वर्ष हो गए इन कामों का कोई पता नहीं है इसलिए मैं इनका विरोध करता हूं। हमारे साथ छल किया गया है और झूठ बोला गया है इसलिए मै इनका विरोध करता हूं आपसे निवेदन करता हूं

आज की इस जनसुनवाई को निरस्त करें। मैं इस जनसुनवाई का विरोध करता हूं। भारत माता की जय छत्तीसगढ़ महतारी की जय जय हिंद।

222. उमा सिदार, अमलीभौना – कंपनी का विरोध करती हूं।

223. फुलबाई – कंपनी का विरोध करती हूं।

224. सीता चौहान, बड़े भण्डार – कंपनी का विरोध करती हूं।

225. सुखबाई – कंपनी का विरोध करती हूं।

226. फुलबाई चौहान – कंपनी जो बोली थी रोजगार देंगे बोली थी नहीं कर रहे है इसलिये कंपनी का विरोध करती हूं।

227. रजनी चौहान – कंपनी का विरोध करती हूं।

228. कुशुम चौहान – कंपनी का विरोध करती हूं।

229. शशी सिदार, बड़े भण्डार – कंपनी का विरोध है क्योंकि जब से यह आया है हमारे गांव का एक भी मांग पूरा नहीं किया है। हमारे गांव में अडानी एक भी पेड लगाया है तो उसका प्रमाण दे सकती है क्या? इसलिये मैं जनसुनवाई का पूर्ण विरोध करता हूं।

230 संतोष गुप्ता – कंपनी का विरोध करता हूं।

231 लोकेश कुमार गुप्ता – कंपनी का विरोध करता हूं।

232. दौलत गुप्ता, बड़े भण्डार – मै मिस्त्री हूं। यहा आये मेरे गांव के भाई बहनों के लिये मैं 200 रूपये देकर पानी मंगाया हूँ पानी भी पिला सकते इतना औकात नहीं है। मैं कंपनी का विरोध करता हूं।

233. उमाकांत, अमलीभौना – कंपनी का विरोध करता हूं।

234. रोशन, बड़े भण्डार – विरोध करता हूं क्योंकि ये उद्योग के हित में है। शासन कंपनी की कठपुतली है और होगा वही जो उद्योग चाहती है। मैं कंपनी का पूर्ण विरोध करता हूं।

235. रतना सिदार, अमलीभौना – कंपनी का विरोध करती हूं।

236. जतनकुंवर, अमलीभौना – कंपनी का विरोध करती हूं।

237. फुलमती, अमलीभौना – कंपनी का विरोध करती हूं।

238. गौमती – कंपनी का विरोध करती हूं।

239. देवना – कंपनी का विरोध करती हूं।

240. दुर्गेश – कंपनी का विरोध करता हूं।

241. विजय कुमार सिदार, अमलीभौना – मैं कंपनी का विरोध करता हूं। कंपनी का पहला जनसुनवाई हुआ तो बडे–बड़े वादे किए थे। जैसे– बिजली सड़क स्कूल की व्यवस्था कहीं गई थी लेकिन आज तक कोई सुविधा नहीं दी गई। 20 से 30 लोकल लोगों को ही नौकरी में लिया गया है। मेरी सैलरी 8000 है मैं 2012

से काम कर रहा हूं। अन्य लोगों को 15000 दिया जा रहा है लेकिन मुझे 8000 दिया जा रहा है। कोई कंपनी का आदमी यहां पर है तो उसे बुलाए मैं सवाल पूछूंगा? जिन लोगों को मैने ट्रेनिंग दिया है उन्हें 15000 मिल रहा है और मुझे 8000 मिल रहा है बताइए यह नाइसाफी है या नहीं? मैं कंपनी का विरोध करता हूं ये लोग हमारे साथ धोखा कर रहे हैं जय हिंद जय भारत जय छत्तीसगढ़।

242. रोहिणी सिदार, अमलीभौना – कंपनी का विरोध करती हूं।

243. भारतीलाल, कोतमरा – अदानी और बड़े भंडार में आकर एक घंटा खड़े रहकर देखिए तब आपको पता चलेगा पर्यावरण क्या होता है? इतना धूल उड़ाता है कि आदमी का आंख बंद हो जाता है और कोयला वाला गाड़ी सुबह तक खड़ा रहता है तो चलने के लिए जगह नहीं मिलता। चौक चौराहे में जगह–जगह डस्ट पड़ा रहता है उसको साफ करने वाला कोई नहीं है। गाड़ियों की लंबी–लंबी लाइन लगी रहती है उसको देखने वाला आरटीओ विभाग भी नहीं है और ना ही कोई प्रशासनिक अधिकारी देखने वाला है। मेरा जमीन इस कंपनी में गया है उसके बावजूद मुझे कहा जाता है कि आपका जमीन इस कंपनी में नहीं गया है क्योंकि मेरे पास कोई प्रूफ नहीं है लेकिन मेरे पास इसका आधार है मेरे पास है जिसमें लिखा है कि मेरा जमीन कंपनी के नाम पर रजिस्ट्री हुआ है 18 फरवरी 2013 को रजिस्ट्री हुआ है जमीन का। जब वह वहां जाता हूं तो किस काम से आए हो बोलकर अंदर घुसने नहीं देता है तो मेरे जैसे कितने भाई बहन है जिनका जमीन गया है। कंपनी में जाओ तो बोलते हैं दूसरे दिन आवेदन लेंगे मीटिंग करेंगे और न जाने मेरे जैसे कितने लोग प्रभावित है। मैं एचआर के पास गया था वह कहते हैं तुम्हारा जमीन हमारे रिकॉर्ड में नहीं है तो जमीन कहां गया? कंपनी में जमीन देकर हम फंस गए हैं आप लोग भी सजग रहे। नौकरी के नाम पर भी कुछ नहीं है मैं इस कंपनी का विरोध करता हूं।

244. पदमनाथ, पुसौर – श्रीमान पीठासीन अधिकारी आप मुझे बताएंगे क्या की प्लास्टिक वर्जित है या नहीं अगर वर्जित है तो इस जनसुनवाई में प्लास्टिक के बैनर पोस्टर क्यों लगे हैं क्यों प्लास्टिक पानी पाउच मिल रहे हैं यहां। पानी पिलाने के लिए प्लास्टिक के अलावा कोई समाधान नहीं है यहां पर? इसका मुझे जवाब चाहिए। पुसौर ब्लॉक में पहले इतना गाड़ी नहीं चलता था प्राइमरी से हाई क्लास तक 12 स्कूल है जिनमें लगभग 12000 बच्चे पढ़ रहे हैं और सड़क में गाडी चल रही है ना तो उनका कोई नो एंट्री है ना ही कोई बच्चों का सुरक्षा है तो हम अपने बच्चों को पढने के लिए कहां भेजें? सरिया बरमकेला पुसौर तक पलाई ऐश की और कोयले की गाड़ी चल रही है इसका क्या समाधान करेंगे आप लोग बताइए? हमें घर से बेघर करना चाहते हैं इसलिए यहां कंपनी लाकर जनसुनवाई को कर रहे हैं। कहीं पावर प्लांट का विस्तार तो कहीं अन्य का विस्तार करवा रहे हैं आप लोग इस जनसुनवाई को बंद करवाइए। पहले चेहरा खुला करके चलते थे और आज चेहरे को कपडे से ढक रहे हैं फिर भी नहीं बन रहा है। यह खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है क्या जनता इंसान नहीं है उद्योगपति इसान है? जो जानवर चारा खा रहा है प्रदूषण की वजह से

वह बीमार पड़ जा रहा है। पता नहीं उसे कैंसर हो रहा है या क्या हो रहा है? जनसुनवाई का कितने लोगों ने समर्थन और विरोध किया इसका आज ही सोशल मीडिया में वायरल होना चाहिए। यह जो कंपनी है कितने किसानों को फ्री में बिजली दे रहा है? यह कंपनी बिजली कहां बेच रही है? बिजली विभाग द्वारा किसान पर अत्याचार किया जाता है क्योंकि वह गरीब है कर्जा लेकर खेती करता है इसलिए उसको जेल में डाला जाता है? पावर प्लांट बिजली को कहां बेच रहा है? ब्लॉक में सन 2007 से प्रत्येक गांव से 11 से 12 व्यक्ति बिजली बिल न पटाने की वजह से जेल हुए हैं। हमको पावर प्लांट नहीं चाहिए, चिमनी नहीं चाहिए। क्या डेवलपमेंट हुआ है? कुछ डेवलपमेंट नहीं हुआ है। सरकारी स्कूल को बर्बाद किया है? कितनी स्कूलों को सीएसआर मद दिए है? आम जनता को क्या फायदा हो रहा है यह बताइए? तभी यह जनसुनवाई संपन्न कीजिए नहीं तो बंद कीजिए। मैं अपना समस्या बता रहा हूं समस्या का जवाब चाहिए। झूठा आश्वासन दिया जाता है सही आश्वासन नहीं दिया जाता है। लोकल आदमी को सिक्योरिटी गार्ड में क्यों नहीं रखते ढाई सौ किलोमीटर दूर होना आवश्यक है ऐसा क्यों? क्या यह सरकारी नियम है? कम से कम दसवीं पास को भी सिक्योरिटी गार्ड में लेंगे तो बेरोजगार नहीं होंगे रोजगार हो जाएंगे सब लेकिन कोई कंपनी नहीं लेता है सिर्फ रोजगार देंगे बोलते हैं। कितनी कंपनी है रायगढ़ में सभी सिक्योरिटी गार्ड में स्थानीय लोगों को रखेंगे तो कोई बेरोजगार नहीं होगा। मैं कंपनी का विरोध करता हूं। धन्यवाद।

245. डिगेश्वर प्रधान– कंपनी का विरोध करता हूं।

246. मदन–कंपनी का विरोध करता हूं क्यों कि कंपनी जिसका जमीन गया है उनको नौकरी में रख रहा है जिसका जमीन नहीं गया है उसको नहीं नौकरी दे रहा। पढ़े लिखे को नौकरी दे रहा है जो आईटीआई किया है मैं भी लाईन का काम करता हूं लेकिन मुझे नहीं दे रहा है इसलिये मैं कंपनी का विरोध करता हूं।

247. सुभाष सिदार, अमलीभौना– कंपनी का विरोध करता हूं।

248. अरूण गुप्ता– मैं कंपनी का विरोध करता हूं। सतान देवी जांगड़े जी और अकुर साहू जी आप अपना पोस्ट बताएं तो मैं अपना बात आगे रखूं। 6 फरवरी 2023 को हमने हड़ताल किया वह एक हफ्ता चला तो उस समय जो एसडीएम थे वह आए थे और सीएसपी साहब भी आए थे और तहसीलदार भी आए थे। कंपनी प्रबंधन द्वारा बोला गया था अगर 25 दिन के अंदर में नौकरी नहीं देते हैं तो आप लोग कंपनी में ताला मार देना तो क्या बोल रहे हैं आप लोग कंपनी में ताला मार दूं? 1 साल से ज्यादा हो गया है तो कैसे हम इस कम्पनी का सपोर्ट करें और क्यों करें? पहले नौकरी दे और जितने लोगों ने समस्या रखा है उसका समाधान करें उसके बाद फिर से जनसुनवाई बड़े भंडार में करो इसने जमीन खरीदा है बड़े भंडार में छोटे भंडार में सरवानी में अमलीभौना में तो यहां किससे पूछ कर जनसुनवाई की? जनसुनवाई को निरस्त करके पहले सभी कामों को पूरा किया जाए उसके बाद जनसुनवाई किया जाए धन्यवाद।

249. गौरव मैत्री, बड़े भण्डार – मेरा समझ है कि मुझे समर्थन करना है या विरोध करना है। मेरी माताऐं बुनगा से आयीं है पता नहीं क्या समझकर इसका समर्थन कर रही है। मैं इस कंपनी का विरोध करता हूं।

250. शक्रजीत प्रधान – कंपनी का विरोध करता हूं।

251. मनोज चौहान, बड़े भण्डार – मैं यहां भाषण देने नहीं आया हूं अपना मनोभाव आप सबके सामने रखना चाहता हूं। प्रभावित गांवों के लोग नौकरी एवं अन्य समस्याओं से पीड़ित है यहां उपस्थित सभी लोग अपने दिल में हाथ रख कर बोलिए क्या आप पर्यावरण प्रदूषण से प्रभावित नहीं है? पूर्व वक्ताओं ने बोला है कि यहां प्रदूषण फैल रहा है मैं ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं हूं पूर्व में आपको उत्तर दिया जा चुका है कि किस प्रकार पर्यावरण प्रदूषण को रोक सकते हैं। कंपनी सक्षम है कि वह हमारे स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए काम कर सकते हैं लेकिन हम सब आत्महत्या करने के लिए स्वीकृति देते हैं क्योंकि सभी समर्थन कर रहे हैं। कलेक्टर के बोलने पर प्लांट का काम रुक सकता है परंतु 100 व्यक्ति यहां बोल रहे हैं आप सक्षम हैं। पर्यावरण के नाम पर हमें ठगा जा रहा है। आप सभी ध्यान से सोचिये, देश के विकास के लिए यह सभी चीजों की आवश्यकता है। प्रकृति से छेड़छाड़ करने से दुबई में जो घटना हुई वह उसका उदाहरण है प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्य को समझते हुए पेड़ों को संरक्षित कीजिए। डॉक्टर को ज्ञान रहता है लेकिन वह भी बीमार पड़ता है इस प्रकार बड़े अधिकारी सोच रहे हैं हम तो एसी में रहते हैं एसी गाड़ी में जाते हैं एसी घर में सोते हैं लेकिन आप भी इस वातावरण में सांस लेते हैं इसलिए सभी का ध्यान रखें। प्रदूषण नियंत्रण उपकरण स्थापित किए बिना प्लांट स्थापित कर देते हैं। पर्यावरण का दायित्व केवल आम व्यक्ति का है या सभी का है या नहीं? धन्यवाद।

252. राजेश त्रिपाठी, रायगढ़ – हमारी 10–15 साल की मेहनत कहीं ना कहीं लोगों के अंदर रंगत तो लाई है। मैंने सोचा था मै अपनी बात अंत में रखूंगा 2005–06 के मुकाबले लोग पर्यावरण के बारे में बात कर रहे थे। आज का मुद्दा यह है कि हमने कहा आज की जनसुनवाई 14 सितंबर 2006 के अधिसूचना के अनुसार है केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना 14 सितंबर 2006 यह कहती है कि आवेदन के 45 दिनों के अंदर राज्य सरकार जनसुनवाई करवाएगा अगर राज्य सरकार 45 दिवस के अंदर जनसुनवाई नहीं कर पाती है तो केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय एक कमेटी गठन करेगी और वह समिति जनसुनवाई का आयोजन करवाएगी। 14 सितंबर 2006 की अधिसूचना के पेज क्रमांक 29 में परिशिष्ट चार के पैरा सात में लोक सुनवाई को संचालित करने का प्रक्रिया लिखा हुआ है। बहुत लोगों ने कहा जनसुनवाई मूल गांव में क्यों नहीं हुआ जबकि इससे पहले जब यह कंपनी कोरबा वेस्ट हुआ करता था तो जनसुनवाई मूल गांव में हुआ है। 1.0 में लिखा गया है लोकसुनवाई की संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्य क्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा परियोजना स्थल में या उसके न्यूनतम दूरी पर पर्यावरण जनसुनवाई का आयोजन करवाया जाएगा यह पेज नंबर 29 में है जो कि भारत सरकार के गैजेट में लिखा है जिसको

काफी लोगों ने बोला है। ऐसी क्या स्थिति थी? बड़े भंडार की स्कूल में पर्याप्त जगह है वहां पहले भी जनसुनवाई कराई जा चुकी है पर क्या परिस्थिति है कि वहां से 2 किलोमीटर दूर सूपा गांव में जनसुनवाई कराई जा रही है यह एक प्रशासनिक और कानूनी चूक है। 30 किलोमीटर के अंदर जितने आगनबाड़ी है उसमें पढ़ने वाली 2 साल के नैनिहालों के स्वास्थ्य पर क्या कोई अध्ययन हुआ है? आसपास के 30 गांव में कितनी स्कूल है वहां कितने बच्चे पढ़ते हैं उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया है? क्योंकि आप जब पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्ट कहते हैं इसका मतलब यह होता है कि उस 10 किलोमीटर के प्रभाव क्षेत्र के अंदर जो भी हों जल जीव हो चर जीव हो चाहे नवजीवन हों और जनजीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा? प्राइमरी स्कूल के बच्चों पर कोई अध्ययन रिपोर्ट नहीं। मिडिल और हाई क्लास में पढ़ने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ेगा उसका कोई रिपोर्ट नहीं। 600 मेगावाट के फ्लाई ऐशसे लोग परेशान है तो जब यह 2200 मेगावाट हो जाएगा तो उसे निकालने वाले फ्लाइ ऐश इसका निपटा कैसे और कहां होगा? आपने अपने ईआईए में यह लिखा है कि फ्लाई ऐश सेंचुरी सीमेंट को दिया जाएगा सेंचुरी सीमेंट ने रायगढ़ के 20 प्लांट के साथ एमओयू साइन किया है लेकिन जब उसको रायपुर से ही फ्लाई ऐश मिल जाएगा तो वह 230 किलोमीटर दूर रायगढ़ से क्यों फ्लाई ऐश लेगा? हम और आप मिलकर बैठकर बात करें कि पर्यावरण प्रदूषण के प्रभाव को कैसे कम करें इसके लिए ईआईए है प्रदूषण खत्म करने के लिए नहीं। जितना मेहनत आपको कंप्यूटर से प्रिंट निकालने में नहीं लगता है उससे ज्यादा मेहनत हमको पढ़ने में लगता है। केंद्रीय वन एव पर्यावरण मंत्रालय ने कहा है कोई भी ईआईए में 3 साल से पुराने डाटा है तो वह ईआईए सही नहीं मानी जाएगी और आपके ईआईए के अंदर 2011 के डाटा है लगभग 14 साल में न जाने कितने मर गए ना जाने कितने पैदा हुए जो कल तक वयस्क नहीं थे अब वह वयस्क हो गए जिनकी शादी नहीं हुई थी उनकी शादी हो गई 2 –3 बच्चे हो गए जो कल तक बच्चे थे वह आज बाप हो गए। हम कभी उद्योग के विरोध और समर्थन पर नहीं जाते पर हम ईआईए के संबंध में बात करते हैं। आपने अध्ययन नहीं किया है लेकिन हम रायगढ़ की जीवन दायनी नदी केलो नदी का अध्ययन वृहद स्तर पर कर रहे हैं जहां से वह निकलती है और जहां तक जाती है वहां तक अध्ययन कर रहे हैं और 25000 लोग जिनकी निर्भरता उस नदी पर है जो वहां से मछली केकड़ा कछुआ मार के खाते हैं जो उस नदी में नहाते हैं जिनका उस नदी में जीवन यापन है उसका पूरा अध्ययन कर रहे हैं वह अध्ययन रिपोर्ट आपके पास नहीं है तो मुझे लगता है इस पर वृहद चिंतन होना चाहिए। प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? प्रशासन के ऊपर राजनीतिक दबाव इतना है कि नैतिक दबाव खत्म हो जाता है। प्रशासनिक अधिकारियों को एनजीटी ने बढ़िया आदेश दिया मैं धन्यवाद करता हूं अंकुर साहू सर को कि उनके यहां आने पर 1500 प्रति टन का जुर्माना लगाया और तीन–चार करोड़ का जुर्माना वसूला। 1 मेगावाट बिजली के लिए 16 टन कोयला और 18 क्यूबिक मीटर पानी चाहिए और कंपनी जलकर कितना जमा करती है? आपको कंपनी से पूछना चाहिए

की 2012–13 में यह कंपनी 600 मेगावाट की लगी और एक मेगावाट के लिए 0.75 एकड़ लगती है तो इनको जमीन कितनी चाहिए। 2200 मेगावाट पावर प्लांट के लिए 2000 एकड़ जमीन तो चाहिए। वह जमीन कहा है? 960000 प्रतिवर्ष इनका राख निकल रहा है और इसका तीन से चार गुना कर दें तो 30 से 40 लाख टन कोयला निकलेगा। पर्यावरण की बात करें तो 1 करोड़ 62 लाख टन फ्लाई ऐश आज की डेट में निकल रहा है और वह निस्तारण नदी में गांव के तालाब में जहां छोटे बच्चे पढ़ते हैं और किसानों के खेतों में है। बरपाली गांव के किसान का वीडियो मेरे पास आया था जिसे मैं पर्यावरण अधिकारी को भेजा उनके जमीन पर 12 से 15 फीट फ्लाई ऐश पाट दिया गया है और भारी बारिश की वजह से वह उनके खेतों में जा रहा है अगर आपने अनुमति लेकर फ्लाई ऐश डाला है तो उसके ऊपर डेढ़ मीटर मिट्टी की परत बिछाने का प्रावधान भी है। क्या उसकी जांच नहीं होनी चाहिये? मिट्टी की परत बिछाने से वह गर्मी के दिन में उड़कर खेतों में नहीं जाता बरसात में किसानों के खेतों में नदी में नाला में नहीं जाता यह तो होना चाहिए यह नियम मे है इसकी जांच कौन करेगा? रही बात बीमारी की तो मैं 2016 में नीदरलैंड से डॉक्टर बुलवाकर यहां कैंप लगाया तो पता चला कि रायगढ़ जिला छत्तीसगढ़ का पहला जिला है जहां पर सिलिकोसिस की बीमारी है उस बीमारी से 14 लोग मर चुके हैं और सरकार ने जांच नहीं किया। जहां–जहां क्रशर मशीन स्थापित है क्या वहा के मजदूरों का कभी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया? सारंगढ़ बरमकेला क्षेत्र में लगे क्रेशर में काम करने वाले मजदूरों का कभी स्वास्थ्य परीक्षण नहीं होता यह कौन करेगा इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? कोरबा वेस्ट ने 63 आदिवासियों की 44.46 हेक्टेयर जमीन को बेईमानी तरीके से खरीदा जो 170 ख के तहत एसडीएम कार्यालय में मामला विचाराधीन है क्या उसका निराकरण हो गया?और अगर निराकरण नहीं हुआ है तो क्या उस जगह पर विस्तार किया जा सकता है इसको भी देखना चाहिए। लोगों ने यहां शिक्षा स्वास्थ्य पानी बिजली सड़क से सीएसआर का मुद्दा उठाया। कलेक्टर ने नियम बना दिया सीएसआर का पैसा कलेक्टर के अकाउट में जमा करो और बड़े–बड़े लोगों के बंगले बना दो उसमें टाइल्स लगा दो और वही हाल डीएमएफ के पैसों का है तो गांव के लोग कहते हैं कि हमारे स्कूल में शिक्षक नहीं है तो उद्योग वाले कहते हैं हमने सीएसआर का पैसा कलेक्टर के खाते में जमा कर दिया है और हमारे पास अतिरिक्त पैसे खर्च करने के लिए नहीं है। सीएसआर के पैसे को 10 किलोमीटर के प्रभावित क्षेत्र के गांव में बाट देना चाहिए ग्राम पंचायत ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित करके सड़क नाली स्वास्थ्य उन पर ग्राम सभा को खर्च करना चाहिए। क्यों बार–बार कलेक्टर के पास जाना? हर मंगलवार को राज्य सरकार ने टीएल बैठक का नाटक चालू किया है मैं हर मंगलवार को टीएल बैठक में जाता हूं आज तक मैं नहीं देखा कि पिछले मंगलवार में 200 लोग आए हो और अगले मंगलवार में 500 लोग आए हैं तो क्या पिछले 200 लोगों का समस्या खत्म हो गया? कल मैं पेपर में पढ़ रहा था कहीं जन समस्या शिविर लगा था वहां 2424 लोगों की समस्या का समाधान हो गया यह लगभग 2 3 ग्राम पंचायत होता है

तो छत्तीसगढ़ सरकार ने उनके समस्या का समाधान कर दिया है क्या उनको अब जिला न्यायालय में आने की आवश्यकता नहीं है? आने वाले समय में सूपा और बडे भंडार में भी शिविर का आयोजन होगा और इसी प्रकार समस्या का समाधान कर दिया जाएगा? यहा जिला प्रशासन खुश, वह अपनी पीठ थपथपा लेता है जानकारी रायपुर चली जाती है वहां मुख्यमंत्री और चीफ सेक्रेटरी भी अपनी पीठ थपथपा लेते हैं। आज से 10 साल पहले जो समस्या थी आज भी वही समस्या है। लोगों की पानी पीने की समस्या, सड़क की समस्या बिजली की समस्या शिक्षा की समस्या, स्कूल भवन की समस्या है, स्कूलों में बच्चों के लिए शौचालय की समस्या है जो समस्याएं 70 साल पहले थी वह आज भी खत्म नहीं हुई है और जन समस्या शिविर लगाते रहते हैं और करोड रुपए के बजट जो आते हैं वह खत्म होते रहते हैं। तहसील में शिविर होते थे जिसका पता लोगों को नहीं रहता था एक दो शिविर तो मैं गर्मी के मौसम में भी देखे हैं चुनाव से पहले की सभी अधिकारी रायगढ़ तहसील के सामने समस्या शिविर लगाकर बैठे थे और एक भी व्यक्ति अपना समस्या लेकर नहीं आया जब मैं वहा के लोगों से बात की तो उनको उस समस्या शिविर के बारे में पता ही नहीं था एक बात और सर ग्राम सभा कल होनी है और जिला प्रशासन जिला पंचायत जनपद पंचायत का पत्र कल परसों पहुंचता है कि आप लोगों को 13 तारीख को ग्राम सभा करना है और वहां के लोगों को पत्र मिलता है 16 तारीख को इसका मैं चश्मदीद गवाह हूं मेरे पास फोटोग्राफ्स है कैंप लगाना था 1 जुलाई को लेटर मिल रहा है वहा के सरपच सचिव को 5 जुलाई को कैसे कैंप लगेगा? कैसे जन समस्या निवारण होगा? हम यही सब बोलने आते हैं हमारा कंपनी से कोई दुश्मनी नहीं है, हमारा प्रशासन से कोई दुश्मनी नहीं है हम चाहते हैं इस देश में कंपनी लगे और देश में लोगों का विकास हो और हम यह भी चाहते हैं कि जिन पर्यावरणीय मापदंडों के आधार पर पर्यावरण स्वीकृति मिली है यदि उन मापदंडों का पालन उद्योग नहीं कर रहा है तो तीसरी नोटिस में उस उद्योग पर ताला मार दीजिए आप ताला क्यों नहीं मारते? एनजीटी ने आदेशित किया है। ऐसी क्या मजबूरी है पहले मंत्री और विधायक फोन करेंगे कि उद्योग को छोड़ दो और जहर फैलाने दो हम भी खुश थे जब पूर्व आईएएस इस जिले का विधायक बना और प्रदेश का वित्त मंत्री और पर्यावरण मंत्री बना लेकिन उसने जब से मंत्री पद संभाला तब से शपथ ले ली कि पर्यावरण प्रदूषण के बारे में एक शब्द नहीं बोलूंगा। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है। विधानसभा चुनाव के पहले वही मत्री प्रदूषण और सड़क दुर्घटना के खिलाफ पदयात्रा किए थे मैं भी उस पदयात्रा में चला था। बस्तर दंतेवाड़ा तक मेरा मंत्री पदयात्रा करें मैं उसके साथ चलूंगा। एक पेड़ मां के नाम से तो लगा लेंगे लेकिन बाकी पेड़ों को बाप के नाम से काटा जा रहा है उसे कौन रोकेगा? 15 सालों में जिन-जिन खदानों और उद्योगों में जमीन दिया गया 2332 एकड़ जमीन आज जमीन खरीद के उन कंपनियों को वन विभाग को देना था और वृक्षारोपण करना था वह कंपनियां आज तक नहीं दी। डीएफओ मैडम से कल पूछा था वह बोली हम नोटिस जारी करेंगे कितना नोटिस नोटिस खेलेंगे हम लोग? जब भी

किसी अधिकारी से मिलते हैं तो कहते हैं त्रिपाठी जी चिंता मत करो नोटिस जारी करेंगे। 2010–15 से लेकर अब तक 134 जनसुनवाई में हमने अपनी बात को रखा और हर जनसुनवाई में कहा गया कि हम नोटिस जारी करेंगे। उद्योग को पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए कंपनी लगानी चाहिए जिसमें उद्योग के साथ लोगों की सहभागिता भी होनी चाहिए जब तक लोगों को सहभागिता नहीं करेंगे तब तक आप पर्यावरण को नहीं बचा सकते कोई किसी को उसमें जोड़ना ही नहीं चाहता अभी कुछ दिन पहले कलेक्टर और पर्यावरण अधिकारी सर्किट हाउस के पास जंगल में जाकर तीन पेड लगा आए मां के नाम से पता चला उस पेड़ को बकरी खाकर भाग गया ना पेड़ है ना कुछ है। आज कंपनी का यह अंतिम जनसुनवाई नहीं है क्योंकि यहां कंपनी को लंबे समय तक काम करना है यहां के लोगों के साथ बेहतर संबंध बनाकर और पर्यावरण को साथ में लेकर यहां के पर्यावरणीय प्रभाव को कैसा काम किया जाए इस पर विचार करते हुए इन मुद्दों पर आगे काम करना चाहिए। धन्यवाद जय हिंद जय भारत जय छत्तीसगढ़।

253. नंदलाल सिदार, बड़े भण्डार – मेसर्स अडानी पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

254. फिरतुराम राठिया– क्या कोई सरपंच कार्यक्रम करने के लिए ग्राम पंचायत में अनुमोदन करता है तो हां मैंने कराया है हमने अपने ग्राम पंचायत में कराया है। अदानी पावर ने इस जनसुनवाई के लिए हमारे गांव के सभी लोगों को इकट्ठा करके उनका सहमति लिया है और शासन के आदेश के अनुसार जनसुनवाई का आयोजन किया। जल ही जीवन है इसके बिना हम कोई भी जीवित नहीं रह सकते। उद्योग के बिना किसी भी देश का विकास संभव नहीं है। हमारे घर में गाड़ी है ट्रेन चल रही है बस चल रही है वह सब किसके द्वारा बनाया गया है? किसानों के लिए हर प्रकार के रासायनिक दवाइयां का निर्माण कौन कर रहा है? बोर चलाने के लिए कूलर चलाने के लिए हमें बिजली की आवश्यकता है बिजली नहीं होगा तो कौन कैसे चलेगा? लाइट चला जाता है तो गर्मी को सहन नहीं कर पाते यदि बिजली ही नहीं होगा तो कैसे करेंगे? यह सब बातों को ध्यान में रखते हुए मैं कंपनी के विस्तार का समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

255. घनश्याम यादव – कंपनी का विरोध करता हूं।

256. अमित कुमार, बडे भण्डार – मैं प्रभावित क्षेत्र से आया हू मै सरकारी नौकरी नहीं मांग रहा कम से कम कॉन्ट्रैक्ट में मुझे नौकरी मिल जाए जिससे हम अपना परिवार चला सके। प्लांट में काम नहीं मिल रहा है कलेक्टर के पास जाने से काम हो जाएगा बोलते है तो हम किसके पास जाएं? आप लोग भी कुछ नहीं बोलते हैं। जब तक हमारा मांग पूरा नहीं होता है हम इस कंपनी का विरोध करते है।

257. नरेश कुमार प्रधान, बड़े भण्डार – कंपनी का विरोध करता हूं।

258. भागीरथी साव – मैं कंपनी का विरोध करता हू नौकरी देंगे बोलते हैं और नौकरी नहीं देते। किसी भी लोगों को एक भी नौकरी नहीं दिया है इसलिए मैं कंपनी को विरोध करता हूं।

259. पाण्डव कुमार गुप्ता, सिंहा – इस जनसुनवाई का में समर्थन करता हूं क्योंकि इससे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। जितने लोगों ने विरोध किया उसका कारण बताना चाहिए था। आपसी तालमेल से रोजगार के अवसर बनेंगे एवं पर्यावरण प्रदूषण नहीं होगा इस आधार पर मैं पर्यावरण जनसुनवाई का समर्थन करता हूं।

260. विनय प्रधान, – कंपनी का विरोध करता हू।

261. अनंत प्रधान – कंपनी का विरोध करता हूं।

262. बलराम प्रधान – कंपनी का विरोध करता हूं।

263. शंभुदयाल साव, बडे भण्डार – कंपनी का विरोध करता हूं।

264. सुशील प्रधान – पहले जनसुनवाई में मैंने रिक्वेस्ट किया था कि कंपनी जहां भी बैठी है उसका डेवलपमेंट ब्लूप्रिंट होना चाहिए, नहीं है। दूसरा हमारे गांव के लिए भी डेवलपमेंट प्लान होना चाहिए। बहुत दुख होता है सर 16 साल हो गया कोई डेवलपमेंट नहीं हुआ है। काम ऐसा होना चाहिए कि अपने देश और क्षेत्र के लोगों को गर्व हो सके। आसपास के गांव बड़े भंडार छोटे भंडार, सरवानी, अमनीभौना में जो ब्लूप्रिंट बने वह उनकी पर्सनल सहभागिता के साथ बने। कंपनी से निकलने वाला कोयला हमारे गांव के तीन तालाबों को बुरी तरीके से प्रदूषित कर रहा है आम जनता की आजीविका को ज्यादा प्रभाव पड़ा है और स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ा है। ब्लूप्रिंट बनाए जिससे कि पर्यावरण प्रदूषण कम से कम हो। फ्लाई ऐश का समाधान भी आप और गांव वाले साथ मिलकर करें जिससे कम से कम प्रदूषण हम तक पहुंचे। मैं सात बार काम के लिए यहां आवेदन किया है मैं काम से एक शिक्षक हूं और समाज को जगाने का काम करता हूं। गांव के व्यक्तियों के साथ बैठकर कोई प्लानिंग नहीं की गई है हो सकता है कि कुछ पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर बात की गई हो। सर्व सुविधा युक्त चिकित्सा की बात निकली थी आज से 16 साल पहले वह लेटर मेरे द्वारा ही टाइप किया गया था और आज वह लेटर आपके पास आया है मैडम बहुत दुख होता है। इस संबंध में दिमाग से नहीं हृदय से काम लीजिए। हमारे गांव के ग्राम सभा में इस फॅर्म को 300 मीटर छोड़कर प्लांट लगाने की अनुमति दी गई थी और मेरी मां का इमोशनल लगाव भूमि से है। जो जमीन कंपनी की जरूरत की नहीं है उसे कृपया प्लांट वाले छोड दें आपसे हमारा रिक्वेस्ट है। किसी जमीन के बिना क्या कोई पेड़ लगा सकता है? 10 से 12 एकड़ जमीन मैडम लाइटनिंग की वजह से उनमें परागण की क्रिया इतनी धीमी हो चुकी है जो बालिया है वह पक नहीं रहे हैं तो सिर्फ 50 प्रतिशत मैं कंपनी प्रबंधन से रिक्वेस्ट करूंगा इन सब पर सकारात्मक सोच के साथ काम करें। शिक्षा के बारे में कहना चाहूंगा कि हमारे आसपास के चार गांव में आज तक किसी का भी नवोदय विद्यालय में सिलेक्शन नहीं हुआ है मैं उनके साथ काम करने के लिए तैयार हूं हमारा शिक्षा का स्तर ऊपर आना चाहिए। 152 लोगों का नौकरी के संबंध में मैंने स्वयं आवेदन बनाकर एसडीएम महोदय को एवं पर्यावरण अधिकारी महोदय को दिया था उसमें स्पष्ट लिखा था उनको 15 दिन के अंदर बेरोजगारी भत्ता मिलेगा आज तक कुछ नहीं हुआ। हमारी

मांगों का ब्लूप्रिंट बनाकर कब उसको इंप्लीमेंट किया जाएगा मैं आपसे जानना चाहता हूं? मैं शिक्षक हूं मेरा कर्तव्य है जगाना आपको भी और उनको भी जब तक आप जाग नहीं जाते तब तक और मुझे उम्मीद है इस पर आपका अच्छे से फीडबैक आएगा और नहीं आया तो दुख के साथ कंपनी का विस्तार होगा मैडम तो क्या मतलब। हमारी जीत के बिना कंपनी की जीत नहीं हो सकती। मैं यही कहना चाहूंगा धन्यवाद।

265. सखीराम विश्वकर्मा, छोटे भण्डार – कंपनी के विस्तार में सब अपना सहयोग दें जो भाई लोग इधर–उधर घूम रहे हैं वह जाकर काम करें। कंपनी का विरोध किए हैं तो मैं कहना चाहूंगा 100 सुनार की एक लोहार की और मैं लोहार हूं सब कोई समर्थन करें साथ दें और विकास करें इतना कहकर मैं अपने वाणी को विराम देना चाहता हूं।

266. गोपी चौधरी, कोड़ातराई – आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है यदि आप आवश्यकता अनुसार ग्रामीण व्यक्तियों से बात करके ले रहे हैं तो हम इसका समर्थन करते हैं और प्लांट का भी समर्थन करते हैं कि आप ले रहे हैं लेकिन लेने के बाद पब्लिक के प्रति आपका जो दुर्व्यवहार रहता है उसे आप मैनेज करके चलें जैसे कोई जनपद सदस्य या जनप्रतिनिधि आपके पास अपनी मांग को लेकर जाते हैं या अपनी पीड़ा बताते हैं तो उसे आप समझे। सर सहयोग से पब्लिक से मिलकर उनके हित में काम करें। धन्यवाद जय हिंद जय भारत जय छत्तीसगढ़।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने कहा कि यदि कोई ग्रामीणजन, आस–पास के प्रभावित लोग अपना पक्ष रखने में छूट गये हो तो मंच के पास आ जाये। जनसुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। उन्होने पुनः कहा कि कोई गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधी छूट गये हो तो वो आ जाये। इस जन सुनवाई के दौरान परियोजना के संबंध में बहुत सारे सुझाव, विचार, आपत्ति लिखित एवं मौखिक में आये है जिसके अभिलेखन की कार्यवाही की गई है। इसके बाद 06:50 बजे कंपनी के प्रतिनिधि/पर्यावरण कंसलटेंट को जनता द्वारा उठाये गये मुददो तथा अन्य तथ्यों पर कंडिकावार तथ्यात्मक जानकारी/स्पष्टीकरण देने के लिये कहा गया।

कंपनी कंसलटेंट द्वारा कहा गया कि नमस्कार। अदानी पॉवर लिमिटेड 1600 मेगावॉट की नई पॉवर इकाईयों के लिये पर्यावरण स्वीकृति हेतु जनसुनवाई के लिये उपस्थित एडीएम माननीय जांगड़े मैडम एवं पर्यावरण विभाग से अकुर साहू साहब तथा पास के गाव छोटे भण्डार, बडे भण्डार अमलीभौना, सरवानी, सूपा, एवं आस–पास के अन्य सभी गांव से आये हुये गणमान्य नागरिक, माताओं और बहनों, जनपद तहसील पुसौर, रायगढ़ से पधारे हुये तमाम अधिकारीगण, माननीय सरपंचगण, पंचगण हमारी प्रिंट मीडिया के सभी साथी, जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी एवं कर्मचारी, पुलिस प्रशासन के सभी अधिकारी एवं पुलिस कर्मियों का हम हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं साथ में आप सभी का आभार प्रकट करते हैं। अदानी पावर लिमिटेड भारत में विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में सरकारी कंपनी एनटीपीसी के बाद सबसे बडी निजी कंपनी है जो बिजली का उत्पादन कर राष्ट्र का उन्नति एवं विकास में सतत सहयोग प्रदान करती है। अदानी पावर लिमिटेड के मुखिया होने के नाते मैं आपको विश्वास दिलाता हू की जो काम हमने पिछले लगभग 5 वर्षों में इस क्षेत्र में अपने सामाजिक सरोकार के विकास

के लिए किए हैं उससे कहीं अधिक विकास के कार्य हम आने वाले समय में करने जा रहे हैं। मैं इस मंच के माध्यम से यहां पर उपस्थित आप सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं कि आप अपना बहुमूल्य समय निकालकर उपस्थित हुए हैं और अपनी बात दर्ज कराई और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद की विशेष आभार जिला पर्यावरण पुलिस प्रशासन हमारे इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेट मीडिया के सभी सहयोगी हमारे गणमान्य नागरिक जनपद तहसील पुसौर डभरा एवं रायगढ़ के सभी पदाधिकारीगण विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठन से आए हुए प्रतिनिधियों को अदानी पावर लिमिटेड की ओर से हार्दिक आभार प्रकट करते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जिस तरह का सहयोग हमें आप सबका मिला है भविष्य में भी इसी तरीके से पूर्ण सहयोग हमें मिलता रहेगा। अंत में सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं की अदानी पावर लिमिटेड इस क्षेत्र विकास के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी हम साथ में मिल कर साथ में मिलकर विकास की एक नई गाथा लिखेंगे। अंत में मैं यहां दो घोषणा करना चाहूंगा जिस पर मांग हो रहा था की एक अस्पताल के लिए हम लोग ऐलान करते हैं हम उसको बनाएंगे और हम एक स्कूल भी बनाएंगे यह दो घोषणा मैं इस मंच के माध्यम से करना चाह रहा हूं। धन्यवाद। जय हिंद जय छत्तीसगढ़।

जयंत बहिदार– मेरा प्रश्न नहीं बताया है। डायवर्सन का मामला नहीं आया है। इनके पास दो दर्जन बोरवेल है, उद्योग के लिये पानी लेते हैं। 170 'ख' का मामला, नहीं बताया, अपराधी है ये। ईआईए में नहीं बताया है कि ये है सब, बताईये, वो साहब बोले थे बतायेंगे, बताईये। मैने प्रश्न उठाया था, आपको स्पष्टीकरण देना है। 170 'ख' का मामला, इन्होने अपराध किया है छूपा के और डायवर्सन नही हुआ है, एक तिहाई जमीन का हुआ है, दो तिहाई भूमि, 15 साल से फैक्ट्री चल रहा है और शासन का अरबों रूपया चोरी कर रहें हैं, क्या का? भू–भाग और प्रिमियर का। मैं तो सरकार का सहयोग कर रहा हूं।

कंपनी कंसलटेंट– डायवर्सन हो चुका है और दूसरा जो बोरवेल का बात है एक भी बोरवेल प्लांट के अंदर नहीं है, पूरा गलत बात है। हम लोग पूरा रीवर से पानी लेते हैं और सभी बोरवेल पुरान था सबको बंद कर दिये हैं कोई एक भी नहीं है।

जयंत बहिदार– जांच कमेटी आप बनाईये कल, कल जायेंगे जांच करने, हम जायेंगे। सर 170 'ख' का नहीं बताया। ये अडानी चोर क्यों नहीं बताया। आप लोग भ्रष्ट हो। एडीएम साहब आप लोग भ्रष्ट हो।

पीठासीन अधिकारी – सुनवाई के दौरान 221 अभ्यावेदन प्रस्तुत किये गये तथा पूर्व में 07 अभ्यावेदन प्राप्त हुये है। लोक सुनवाई में लगभग 400 लोगों का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 80 लोगों ने हस्ताक्षर किये। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई है। लोक सुनवाई में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद! आज की लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की जाती है।

(अंकुर साहू)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़

(संतन देवी जांगड़े)
अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)